भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

शारदीय नवरात्र की हार्दिक शुभकामनाएं

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | सोमवार, 19 अक्तूबर 2026 | 3 कार्तिक, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 175, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

सूर्योदय 6:26 सूर्यास्त 5:46

आज का तापमान

शिमला	11.0 न्यू	23.0 अधि
धर्मशाला	15.0 न्यू	25.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	74,729.27
निफ्टी	23,146.15
सोना 1,46,514	चांदी 2,10,000

ग्वालियर में ट्रक ने 41 श्रद्धालुओं को कुचला; 15 की मौत, 26 घायल

शीतला माता के दर्शन के लिए लाइन में खड़े थे; नौ अफसर किए सस्पेंड

एजेंसी, ग्वालियर। ग्वालियर में तेज रफ्तार ट्रक ने 41 श्रद्धालुओं को कुचल दिया। हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई। दो पुलिसकर्मी समेत 26 लोग घायल हैं।

हादसा चीनौर रोड पर ढलान के पास हुआ। सभी श्रद्धालु शीतला माता मंदिर में दर्शन के लिए सड़क किनारे लाइन में लगे थे। तभी चीनौर की ओर से आ रहा धान से भरा ट्रक करीब 90 डिग्री के ढलान पर बेकाबू हो गया। ड्राइवर गूगल मैप की मदद से ट्रक चला रहा था। ढलान पर ट्रक पुलिस चेकपोस्ट तोड़ते हुए लोगों को कुचलकर मंदिर की बाहरी दीवार और गेट से



जा टकराया। इससे मंदिर की दीवार ढह गई। कई लोग मलबे में दब गए। घायलों को जयारोग्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद परिजन ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। पुलिस ने ट्रक ड्राइवर और ट्रक मालिक को गिरफ्तार कर लिया है। ड्राइवर ने पुलिस को बताया कि ट्रक का ब्रेक फेल हो गया था। सरकार ने सिटी एसपी को हटा दिया है। 8 अफसर-पुलिसकर्मियों को भी सस्पेंड किया गया है। इनमें चार टीआई हैं।

गूगल मैप को फॉलो कर रहा था चालक

ट्रक चालक मोबाइल पर गूगल मैप की मदद से रास्ता देख रहा था। शीतला माता मंदिर पर नौ दिनों तक वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहने के बावजूद चीनौर की ओर से दो धान से लदे ट्रक मंदिर के पीछे की तरफ पहुंच गए थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार ट्रक पंजाब की ओर जा रहे थे। ढलान पर पहुंचने के बाद चालक को नीचे बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ दिखाई दी। इसी दौरान चालक ने ट्रक के ब्रेक फेल होने की बात बताई। इसके बाद ट्रक अनियंत्रित होकर ढलान से नीचे आ गया।

हर राज्य में वोट चोरी की बात कहता हूं, ज्ञानेश जानते हैं कीमत चुकानी होगी : राहुल गांधी

एजेंसी, पणजी। राहुल गांधी ने रविवार को गोवा में कहा कि मैं हर स्टेट से कहता हूं पीएम वोट चोरी करते हैं, लेकिन मुझ पर कोई केस दर्ज नहीं होता। क्योंकि, ये जानते हैं कि अगर केस हुआ तो मामला लीगल हो जाएगा और ये फंस जाएंगे।

दिल्ली में हम कुछ ही समय में पीएम, गृहमंत्री से निपट लेंगे। काम जारी है। सरकार की एक्सपायरी डेट आने वाली है। आपने देखा है कि आजकल पीएम सामने खड़े नहीं हो सकते हैं। क्योंकि ये जानते हैं कि देश का युवा इनके खिलाफ खड़ा हो गया है। राहुल कांग्रेस के जनसंपर्क अभियान 'गोय राखोन यात्रा' में शामिल होने गोवा पहुंचे थे। यहां कांग्रेस की 28 दिन लंबी यात्रा का समापन हुआ है। राहुल का पिछले 4 सालों में यह पहला गोवा दौरा है। इससे पहले 2022 में वह यहां आए थे। गोवा में अगले साल 2027 में विधानसभा चुनाव हैं। पूरी दुनिया मानती थी कि इंडिया का एजुकेशन सिस्टम नंबर वन मॉडल



◆कहा- मुझ पर केस किया तो मामला लीगल हो जाएगा

का था। लेकिन, आज दिल्ली में स्टूडेंट्स को ही मारा जा रहा है। हर एजुकेशनल सिस्टम में इन्होंने बीजेपी और आरएसएस के लोग बैठे हुए हैं। उन्होंने कहा कि हाईटेक करप्शन, जमीन का करप्शन ये यहां करते हैं, जैसे पहले गुजरात में नरेंद्र मोदी का मॉडल था। वैसे ही गोवा में करप्शन का मॉडल है। इसे सिर्फ कांग्रेस ही खत्म कर सकती है। गोवा देश में सबसे सुंदर जगह है, सबसे अच्छा कल्चर है, लेकिन यहां भी सरकार आपकी जमीन छीनकर गोवा के जो बाहर के लोग हैं उनको करोड़ों में बेचती है। पहले मास्टर प्लान था, मास्टर प्लान को रद्द कर दिया। इनका यही काम है कि पैसा कैसे बनाए।

महाराष्ट्रः बीड में बस और कार की टक्कर, 5 की मौत

एजेंसी, बीड। महाराष्ट्र के बीड़ जिले में रविवार दोपहर एसटी बस और कार के बीच हुई टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति घायल हो गया। हादसा माजलगांव तहसील में खामगांव-पंढरपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर शिंदेवाड़ी फाटा के पास अविनाश दादा बंसोडे के पेट्रोल पंप के सामने हुआ। दुर्घटना में जान गंवाने वाले सभी लोग एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। माजलगांव ग्रामीण पुलिस स्टेशन की टीम मामले की जांच कर रही है। पुलिस अधिकारी के अनुसार, माजलगांव निवासी गजानन रामदास के परिवार के छह लोग कार से तुलजापुर दर्शन करने जा रहे थे। इसी दौरान शिंदेवाड़ी फाटा के पास कार अचानक अनियंत्रित हो गई और सामने से आ रही एसटी बस से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार में सवार गजानन रामदास समेत पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति घायल हो गया।

न्यूज शॉर्ट्स

मणिपुर में कुकी-नगा समुदायों के बीच गोलीबारी, 1 की मौत

एजेंसी, इंफाल। मणिपुर के कामजोंग जिले के चसाद गांव में कुकी और नगा समुदायों के हथियारबंद समूहों के बीच गोलीबारी हुई। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि हमले के पीछे नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैंड-इसाक मुइवा और म्यांमार के तांगखुल उग्रवादी थे। हालांकि, इन आरोपों की अभी पुष्टि नहीं हुई है। हिंसा के बाद कुकी समुदाय के 15 घरों में आग लगा दी गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फरवरी से अब तक 50 से ज्यादा आम नागरिक मारे जा चुके हैं। इनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं।

कनाडा में सैन्य अड्डे पर धमाका, कई सैनिक मारे गए



एजेंसी, अल्बर्टा। कनाडा के अल्बर्टा के सैन्य अड्डे पर जोरदार धमाके के बाद आग लग गई। इसमें कई सैनिक और कर्मचारी मारे गए। रक्षा मंत्री डेविड मैकगिन्टी ने हादसे की जानकारी दी। उन्होंने कहा, 'मैंने ऐसा दर्दनाक दृश्य पहले कभी नहीं देखा।' मृतकों और घायलों की संख्या फिलहाल नहीं बताई गई है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने सोशल मीडिया पर इसे गंभीर घटना बताते हुए कहा कि केंद्र सरकार और स्थानीय प्रशासन साथ मिलकर राहत और बचाव के काम में जुटी है। इस सैन्य अड्डे पर 1300 से ज्यादा सैनिक और कर्मचारी काम करते हैं।

पूर्व उपराष्ट्रपति का रिश्तेदार बन करोड़ों की ठगी, सीबीआई ने दर्ज की एफआईआर

एजेंसी, नई दिल्ली। सरकारी नौकरी पाने की चाह में हरियाणा के कई लोगों ने लाखों रुपए खर्च कर दिए। उन्हें लगा कि लिखित परीक्षा, मेडिकल जांच, पुलिस वेरिफिकेशन और तीन महीने की ट्रेनिंग के बाद उनकी नौकरी पक्की हो जाएगी। लेकिन यह पूरी प्रक्रिया कथित तौर पर ठगी का हिस्सा थी। आरोप है कि पांच लोगों ने खुद को राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपराष्ट्रपति का रिश्तेदार बताकर नौकरी दिलाने के नाम पर करीब 2.41 करोड़ रुपए ठग लिए, अब इस ठगी को लेकर सीबीआई ने पानीपत के एक निवासी की शिकायत पर पांच लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

भारत न तो बांग्लादेश; न फ्रांस, हिंसा भड़काने की थी साजिश : किरेन रिजिजू

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ हो रहे विरोध प्रदर्शनों को लेकर विपक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि भारत में हिंसा भड़काने और युवाओं को उकसाने की साजिश रची गई थी।



रिजिजू ने बांग्लादेश में हुई हिंसक घटनाओं और फ्रांस में दंगों, आगजनी तथा लूटपाट का जिक्र करते हुए कहा कि भारत न तो बांग्लादेश है और न ही फ्रांस। उनके बयान से एसआईआर और सत्ता परिवर्तन को लेकर चल रहा राजनीतिक विवाद फिर चर्चा में आ गया है। रिजिजू ने रविवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि कुछ नेताओं और भारत विरोधी समूहों ने मिलकर युवाओं को भड़काने तथा सड़कों पर हिंसा फैलाने की कोशिश की।

उन्होंने कहा कि भारत में सत्ता परिवर्तन संभव है, लेकिन यह चुनाव के जरिए ही हो सकता है। उन्होंने अपने बयान में जॉर्ज सोरोस का भी जिक्र किया। रिजिजू ने एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) की अध्यक्ष नेहा बोरा और वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण सत्ता परिवर्तन की बात करते दिखाई देते हैं। रिजिजू ने अपने बयान में बांग्लादेश में हुई हिंसक घटना और फ्रांस में दंगों, आगजनी तथा लूटपाट का उल्लेख किया।

कनाडा में गूंजा कुल्लू दशहरे का उत्सव, सीएम ने वर्चुअल माध्यम से किया संबोधित

दशहरा बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक : सुक्खू

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। कनाडा की राजधानी ओटावा स्थित पार्लियामेंट हिल पर हिमाचली प्रवासी ग्लोबल एसोसिएशन (एचपीजीए) की ओर से कुल्लू दशहरा भव्यता के साथ मनाया गया।



मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने वर्चुअल माध्यम से समारोह को संबोधित करते हुए आयोजकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि दशहरा बुराई पर अच्छाई और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है। यह पर्व सत्य और न्याय के पक्ष में खड़े रहने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विदेशों में भारतीय समुदाय द्वारा अपने त्योहारों और परंपराओं को उत्साह से मनाना देश की सांस्कृतिक विरासत और विविधता में एकता का परिचायक है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन हिमाचल प्रदेश की संस्कृति, आध्यात्मिक विरासत और पर्यटन को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम की मेजबानी ऑरलियन्स की सांसद मैरी-फ्रांस लालोंद ने की। एचपीजीए ने 35 से अधिक भारत-कनाडाई संगठनों के सहयोग से इसका आयोजन किया। समारोह में पारंपरिक हिमाचली नाटी, झमाकड़ा लोकनृत्य और रामलीला की प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। अतिथियों को पारंपरिक हिमाचली व्यंजन और धाम भी परोसी गई। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने भी कुल्लू दशहरे के अवसर पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कनाडा की बहुसांस्कृतिक पहचान को समृद्ध बनाने में सांस्कृतिक विविधता और भारत-कनाडाई समुदाय के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। मुख्यमंत्री ने एचपीजीए के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विदेशों में बसे हिमाचलियों को अपनी जड़ों से जोड़ने और प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक मंच पर मजबूत करने में सहायक हैं।

दुनिया की आधी आबादी के पास महज 2 फीसदी संपत्ति

एजेंसी, नई दिल्ली। दुनिया में संपत्ति बढ़ रही है, लेकिन करोड़ों लोगों के जीवन में बुनियादी जरूरतें अब भी पूरी नहीं हो पा रही हैं। वैश्विक गरीबी के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, 82.6 करोड़ से अधिक लोग प्रतिदिन तीन डॉलर से कम पर गुजारा करने को मजबूर हैं। करीब 280 करोड़ लोगों के पास सुरक्षित, सुलभ और पर्याप्त आवास नहीं है, जबकि लगभग 380 करोड़ लोग बीमारी, बेरोजगारी और वृद्धावस्था जैसी परिस्थितियों में सामाजिक सुरक्षा से वंचित हैं।

गरीबी की इस तस्वीर को वैश्विक संपत्ति-वितरण के आंकड़ों के साथ देखें तो असमानता का अंतर और स्पष्ट हो जाता है। वर्ल्ड इनइक्वैलिटी लैब

◆82.6 करोड़ से अधिक लोग प्रतिदिन तीन डॉलर से कम पर गुजारा करने को मजबूर

की रिपोर्टों से जुड़े आंकड़ों के अनुसार दुनिया की सबसे अमीर 10 फीसदी आबादी के पास करीब 75 फीसदी संपत्ति है, जबकि निचली आधी आबादी के हिस्से में महज दो फीसदी संपत्ति आती है।

रिपोर्ट के अनुसार, गरीबी का संकट केवल कम आमदनी तक सीमित नहीं है। पर्याप्त आवास, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा तक पहुंच की कमी भी परिवारों को अभाव के दुष्चक्र में बनाए रखती है। विश्व बैंक वैश्विक गरीबी और देशों के बीच गरीबी दर की निगरानी करने वाली प्रमुख संस्था है।

हरियाणा सीएम का मान सरकार पर हमला बोले- झूठे वादों व चुटकुलों से सरकार बनाई

कहा- पंजाब का युवा नशे का आदी नहीं नशे के दलदल में

एजेंसी, जालंधर। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भगवान वाल्मीकि जी के प्रकट दिवस पर पंजाब के जालंधर शहर पहुंचे। यहां उन्होंने शक्ति नगर स्थित भगवान वाल्मीकि आश्रम में माथा टेका और जालंधर से अमृतसर स्थित श्री रामतीर्थ तक जाने वाली भव्य धार्मिक शोभायात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस दौरान सीएम सैनी ने पंजाब के मानसा में हुई परविंदर सिंह झोटा की हत्या और राज्य में फैल रहे नशे के नेटवर्क को लेकर आम आदमी पार्टी की सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह सरकार झूठे वादों और चुटकुलों पर बनी थी, लेकिन सरकारें चुटकुलों से नहीं बल्कि जमीनी काम करने से चलती हैं। जालंधर के शक्ति नगर में भगवान वाल्मीकि आश्रम में नतमस्तक होने के बाद अली पुल्ली पर आयोजित कार्यक्रम में सीएम नायब सैनी ने विशाल जनसमूह को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि जालंधर की ऐतिहासिक धरती भगवान श्री राम के पुत्र लव की राजधानी रही है। ऐसे धार्मिक और सामाजिक आयोजन समाज को सही दिशा देने और धर्म के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं। इस शोभायात्रा का नेतृत्व भगवान वाल्मीकि आश्रम के चेयरमैन विपिन सभ्रवाल की अध्यक्षता में किया जा रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री के बयान का जिक्र करते हुए सीएम सैनी ने कहा कि अमित शाह जी ने पिछले दिनों स्पष्ट रूप से कहा था कि केंद्र सरकार 2029 से पहले पंजाब को पूरी तरह से नशा मुक्त कर देगी और हम इसे पूरा करके दिखाएंगे।

पंजाब की स्थिति आज बेहद चिंताजनक हो चुकी



सीएम सैनी ने कहा कि पंजाब की स्थिति आज बेहद चिंताजनक हो चुकी है। राज्य का युवा नशे से सिर्फ प्रभावित नहीं है, बल्कि नशे की दलदल में बहुत गहराई तक धंस चुका है। उन्होंने कहा कि युवाओं को इस भंवर से बाहर निकालने के लिए बहुत बड़े स्तर पर प्रयास करने की आवश्यकता है।

रूस पर यूक्रेन ने दागे 1,015 ड्रोन

एजेंसी, मॉस्को। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध में रविवार को बड़े पैमाने पर ड्रोन हमले हुए। यूक्रेन ने रूस के कई इलाकों में एक हजार से ज्यादा ड्रोन दागे। इस दौरान सेंट पीटर्सबर्ग में तेल निर्यात टर्मिनल और तेल डिपो में आग लग गई। स्थानीय गवर्नर अलेक्जेंडर बेगलोव के मुताबिक, हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और पांच लोग घायल हुए हैं। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन के रूसी तेल ठिकानों पर हमलों की आलोचना की है और दोनों देशों के बीच ऊर्जा ठिकानों पर हमले रोकने की बात कही थी। रविवार को हुए हमलों में सेंट पीटर्सबर्ग के तेल निर्यात टर्मिनल और रुची तेल डिपो में आग लग गई। इसके अलावा, रूसी रिटेल कंपनी ओजोन के लॉजिस्टिक्स सेंटर और टेक कंपनी वीके के डाटा सेंटर को भी निशाना बनाया गया।

सीएम धामी से मिले अक्षय कुमार, उत्तराखंड की नई फिल्म नीति पर हुई चर्चा, कहा-

फिल्म निर्माण को बढ़ावा देकर युवाओं को रोजगार देगी सरकार

एजेंसी, देहरादून। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार रविवार को देहरादून में मुख्यमंत्री आवास पहुंचे और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात की। इस दौरान उत्तराखंड की नई फिल्म नीति, प्रदेश में फिल्म निर्माण की संभावनाओं और राज्य को देश के प्रमुख फिल्म डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने पर चर्चा हुई।

अक्षय कुमार इन दिनों उत्तराखंड में अपनी फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। एक दिन पहले शनिवार को वह अभिनेत्री राशि खन्ना के साथ ऋषिकेश के सिंगटॉली पुल पर फिल्म के दृश्य फिल्माते नजर आए थे। इससे पहले फिल्म की यूनिट देहरादून और मसूरी में भी शूटिंग कर चुकी है। ऋषिकेश में दोनों कलाकारों को देखने के लिए स्थानीय लोगों और प्रशंसकों की भीड़ जुटी। मुख्यमंत्री धामी ने मुलाकात की जानकारी साझा करते



शूटिंग और पर्यटन को बढ़ावा देने की तैयारी

मुख्यमंत्री आवास पर हुई मुलाकात में प्रदेश की नई फिल्म नीति और फिल्म निर्माण की संभावनाओं पर चर्चा हुई। सरकार उत्तराखंड को ऐसा फिल्म डेस्टिनेशन बनाना चाहती है, जहां निर्माताओं को शूटिंग के लिए अनुकूल माहौल मिले और प्रदेश की लोकेशन का अधिक से अधिक इस्तेमाल हो। फिल्म नीति का उद्देश्य केवल शूटिंग को बढ़ावा देना नहीं है। इसके जरिए पर्यटन को प्रोत्साहित करने, प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को देशभर में पहुंचाने और स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियां बढ़ाने की संभावनाएं भी हैं।

हुए कहा कि उत्तराखंड की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और अनुकूल फिल्म नीति प्रदेश को फिल्म निर्माताओं की पसंदीदा लोकेशन के रूप में स्थापित कर रही है। सरकार का प्रयास है कि राज्य में फिल्म निर्माण की गतिविधियां बढ़ें और इसका सीधा लाभ स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसरों के रूप में मिले।

दुर्गा पंडालों में सुरक्षा की हो समुचित व्यवस्था : सीएम योगी

त्योहारों पर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखने के निर्देश, फील्ड में उतरेंगे अधिकारी

एजेंसी, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में लगाए गए दुर्गा पंडालों और आमजन की सुरक्षा को लेकर अधिकारियों को सख्त दिशा-निर्देश दिए हैं। बस्ती दौरे पर निकलने से पहले मुख्यमंत्री ने शासन व प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत कर आवश्यक सुझाव भी दिए।

मुख्यमंत्री ने पश्चिम बंगाल में दुर्गापूजा में हुई जनहानि पर शोक जताते हुए शासन, प्रशासन, पुलिस व ऊर्जा विभाग आदि के अधिकारियों को समुचित सुरक्षात्मक प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने दुर्गा पंडालों में सुरक्षा के संबंध में सभी पुलिस कमिश्नर, एडीजी, आईजी, डीआईजी, जिलाधिकारी, पुलिस कप्तान को निर्देश दिए कि वरिष्ठ अधिकारी स्वयं पंडालों में अग्नि सुरक्षा की अवश्य जांच कराएं। जिलाधिकारी, कप्तान पंडालों का निरीक्षण कर एंट्री व एग्जिट प्वॉइंट की जांच भी सुनिश्चित करें। किसी भी आकस्मिक परिस्थिति में इमरजेंसी एग्जिट के लिए पर्याप्त व्यवस्था अनिवार्य रूप से हो। विद्युत व्यवस्था के मद्देनजर प्रशासन व ऊर्जा विभाग के अधिकारी सुरक्षात्मक प्रबंधों का परीक्षण भी कर लें। इसमें किसी भी प्रकार की हीला-हवाली अक्षम्य होगी। मुख्यमंत्री ने रामनवमी व विजयादशमी त्योहार पर प्रशासन, पुलिस, बिजली, नगर निगम, नगर निकायों, पेयजल समेत संबंधित सभी विभागों के अधिकारियों को फील्ड में रहने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी दुर्गा पंडालों, मार्गों आदि पर सुरक्षा, स्वच्छता के साथ ही जनसुविधा से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित रहें। मूर्ति विसर्जन के दौरान भी यात्रा मार्गों तथा विसर्जन स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था, बिजली के तारों, स्वच्छता आदि से जुड़ी व्यवस्थाओं पर नजर रखी जाए।

बलरामपुर सड़क हादसे पर सीएम ने जताया दुख



मुख्यमंत्री ने बलरामपुर हादसे पर जताया शोक मुख्यमंत्री ने बलरामपुर में रविवार सुबह सड़क दुर्घटना पर शोक जताया। यहां देहात क्षेत्र में तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से हुई जनहानि पर मुख्यमंत्री ने दुख प्रकट किया और जिलाधिकारी को निर्देश दिया कि घायलों के समुचित इलाज की व्यवस्था की जाए। सीएम ने मृतकों के परिजनों को 2 लाख व घायलों को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक मदद का भी ऐलान किया।

स्वच्छता सीएम ने यमुना सफाई अभियान में किया श्रमदान, 70 घाटों पर जुटे हजारों लोग, नालों से लाखों टन गाद निकाली

यमुना को स्वच्छ बनाना सरकार व जनता की साझा जिम्मेदारी: रेखा गुप्ता

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'चलो यमुना अभियान' के तहत आईटीओ स्थित हाथी घाट पर श्रमदान के माध्यम से स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया। उनके साथ युवा, स्वयंसेवी संस्था और स्थानीय नागरिक के साथ-साथ दिल्ली विधानसभा के मुख्य सचेतक (चीफ व्हिप) और विधायक अभय वर्मा भी थे।

रेखा गुप्ता ने एक्स पर लिखा, आज दिल्ली के हजारों निवासी यमुना के 70 घाटों पर एकजुट हुए और उनकी सफाई की। यह हम सभी के लिए खुशी का पल है। जब 'यमुना स्वच्छता अभियान' के तहत लोगों से अपील की गई, तो दिल्ली के हजारों युवाओं के साथ-साथ कई रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आईडब्ल्यूए) और विभिन्न सामाजिक संगठन इसमें हिस्सा लेने



के लिए आगे आए। उन्होंने मां यमुना के प्रति अपनी श्रद्धा को सेवा में बदलकर एक प्रेरणादायक उदाहरण पेश किया है। जन-भागीदारी का यह प्रयास मां यमुना को उनके मूल स्वरूप में वापस लाने के हमारे संकल्प को नई शक्ति देता है। मैं दिल्ली के सभी निवासियों से आग्रह करती हूं कि वे यमुना के घाटों और किनारों पर प्लास्टिक, पूजा-सामग्री या अन्य कचरा न फेंकें। घाटों की स्वच्छता बनाए रखें और दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करें। आइए, हम सब 'यमुना प्रमुख' बनें। मां यमुना की स्वच्छता को केवल एक अभियान तक सीमित न रखकर, इसे अपने स्वभाव का हिस्सा बना लें। उन्होंने कहा कि दिल्ली में यमुना के पूरे किनारे पर लोग इस सफाई अभियान में पूरी सक्रियता से जुटे हुए हैं। उनका मानना है कि स्वच्छता जीवन जीने का एक तरीका है, जिसे सभी को अपने रोजमर्रा के जीवन में अपनाना चाहिए। आज यमुना की सफाई के दौरान देवी-देवताओं के वस्त्र, टूटी हुई मूर्तियां और धार्मिक अनुष्ठानों में इस्तेमाल होने वाली कई अन्य चीजें मिलीं।

लोग अक्सर ऐसी ढेरों चीजें और अवशेष नदी में छोड़ देते हैं, जिससे यमुना प्रदूषित होती है। इसके अलावा, यमुना के प्रदूषण के और भी कई कारण हैं। लेकिन सरकार उन पर सख्ती से काम कर रही है और मदद के लिए कई संगठनों से भी संपर्क किया है। दिल्ली सरकार इन समस्याओं से बहुत सख्ती से निपट रही है। सिर्फ पिछले एक साल में ही नालों से लाखों टन गाद निकाली गई है। धीरे-धीरे यमुना तब और साफ दिखने लगेगी जब इस शहर के निवासी एकसाथ मिलकर नदी को साफ करने की इस मुहिम में अपना योगदान दें।

यमुना दिल्ली की जीवनरेखा, सफाई करना सरकार की जिम्मेदारी : प्रवेश वर्मा

दिल्ली के मंत्री प्रवेश वर्मा ने यमुना मेगा सफाई अभियान में हिस्सा लिया और कहा कि यमुना दिल्ली के हर निवासी के लिए जीवन रेखा है और लोग अब यह बात समझ रहे हैं। यमुना में बहने वाली गंदगी और नालों की सफाई करना सरकार की जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और मुख्यमंत्री के सहयोग से सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाए जा रहे हैं, सीवर कनेक्शन लगाए जा रहे हैं और इस दिशा में काम चल रहा है।

चिट्टा तस्करों पर हिमाचल सरकार का शिकंजा, करोड़ों की संपत्ति जब्त

एनडीपीएस के तहत 5,642 मामले दर्ज, 8,250 से अधिक आरोपी गिरफ्तार, नशा तस्करों पर कार्रवाई तेज

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार ने चिट्टे और अन्य मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान तेज करते हुए नशा तस्करों के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति अपनाई है। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में सरकार नशा तस्करी के नेटवर्क को तोड़ने, युवाओं को नशे से बचाने और प्रभावित लोगों को उपचार एवं पुनर्वास के माध्यम से समाज की मुख्यधारा में वापस लाने के लिए बहुआयामी रणनीति पर काम कर रही है।



युवाओं की भारी भीड़ के बीच जनसभा को संबोधित करते नेता

पिछले तीन वर्षों में एनडीपीएस अधिनियम के तहत 5,642 मामले दर्ज किए गए और 8,250 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई के दायरे में 139 सरकारी कर्मचारी भी आए। इनमें राज्य सरकार के 15 और पुलिस विभाग के 22 कर्मियों को सेवा से बर्खास्त किए जाने की जानकारी दी गई है।

कानून और कार्रवाई को बनाया प्रभावी : नशे के खिलाफ अभियान को मजबूत करने के लिए मार्च 2025 में हिमाचल प्रदेश विधानसभा ने दो महत्वपूर्ण विधेयक पारित किए। इनमें हिमाचल प्रदेश ड्रग्स एंड कंट्रोल्ड सब्सटेंसेज विधेयक, 2025 और हिमाचल प्रदेश ऑर्गेनाइज्ड क्राइम्स (प्रिवेंशन एंड कंट्रोल) विधेयक, 2025 शामिल हैं। इनका उद्देश्य नशीले पदार्थों की रोकथाम, संगठित आपराधिक नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई तथा उपचार और पुनर्वास व्यवस्था को सुदृढ़ करना है।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि नशा तस्करी में शामिल किसी भी व्यक्ति को राजनीतिक, आर्थिक या सामाजिक प्रभाव के आधार पर संरक्षण नहीं मिलेगा। बार-बार अपराध करने वालों, अवैध आपूर्ति श्रृंखलाओं और संदिग्ध वित्तीय गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है।

तस्करों की संपत्तियों पर भी कार्रवाई : नशा तस्करों की आर्थिक ताकत पर चोट करने के लिए वित्तीय जांच और संपत्तियों को जब्त अथवा फ्रीज करने की कार्रवाई की जा रही है। पीआईटी-एनडीपीएस कानून के तहत दिसंबर 2025 तक 46 बड़े तस्करों को निरुद्ध करने और लगभग 46 करोड़ रुपये की अवैध संपत्तियां जब्त करने की जानकारी दी गई।

वर्ष 2024 से 2026 के दौरान प्रदेश में 115 मामलों में करीब 91.24 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियां फ्रीज की गईं। इनमें नूरपुर में 22.28 करोड़ रुपये, सोलन में 17.86 करोड़ रुपये, शिमला में 12.61 करोड़ रुपये और ऊना में 10.98 करोड़ रुपये की संपत्तियां शामिल हैं।

सूचना देने वालों को मिलेगा पुरस्कार : सरकार ने आम नागरिकों को भी अभियान से जोड़ने के लिए चिट्टा सूचना पुरस्कार योजना शुरू की है। मुख्यमंत्री ने एक दिसंबर 2025 को धर्मशाला में आयोजित जागरूकता वॉकाथॉन के दौरान इसका शुभारंभ किया था। योजना के तहत सूचना देने वालों के लिए 10 हजार से 10 लाख रुपये तक के नकद पुरस्कार का प्रावधान है। नागरिक आपातकालीन हेल्पलाइन 112 के माध्यम से जानकारी दे सकते हैं। सूचना देने वालों की पहचान गोपनीय रखने पर भी जोर दिया गया है।

उपचार और पुनर्वास पर भी जोर : सरकार का मानना है कि नशे की समस्या का समाधान केवल गिरफ्तारी और सजा तक सीमित नहीं रह सकता। युवाओं को खेलकूद और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने के लिए 'खेलो हिमाचल-चिट्टा मुक्त हिमाचल' पहल चलाई जा रही है। शिमला, धर्मशाला, हमीरपुर, ऊना और बिलासपुर में जागरूकता वॉकाथॉन भी आयोजित किए जा रहे हैं।

महिलाओं के उपचार के लिए मशोबरा स्थित नव-जीवन महिला नशामुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र में चिकित्सा, परामर्श और आवास संबंधी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। टांडा मेडिकल कॉलेज में एक अन्य केंद्र स्थापित करने की योजना है, जबकि सिरमौर के कोटला बड़ोग में 100 बिस्तरों वाला आधुनिक नशामुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र विकसित किया जा रहा है।

सरकार ने नशामुक्ति, रोकथाम और पुनर्वास संबंधी प्रयासों के समन्वय के लिए बोर्ड का गठन भी किया है। सरकार की रणनीति में तस्करों के खिलाफ कठोर कार्रवाई के साथ प्रभावित लोगों को उपचार, परिवार का सहयोग और समाज में सम्मानजनक जीवन का अवसर उपलब्ध करवाना शामिल है।

यमुना तट पर अवैध खनन का भंडाफोड़, तीन आरोपी गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। सिरमौर जिले के पांवटा साहिब में यमुना नदी के किनारे सरकारी जमीन से अवैध रूप से रेत और बजरी निकालने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। मौके पर एक जेसीबी, एक ट्रैक्टर और एक टिप्पर की मदद से खनन किया जा रहा था। पुलिस टीम को देखकर तीनों ने भागने का प्रयास किया, लेकिन जवानों ने करीब 100 मीटर दूर उन्हें पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार, 18 अक्टूबर को पांवटा साहिब थाना की टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिस लोअर देवीनगर के रवाहड़ा क्षेत्र में यमुना नदी के किनारे पहुंची। वहां एक जेसीबी, ट्रैक्टर और टिप्पर के जरिए सरकारी जमीन से रेत और बजरी निकाली जा रही थी। पुलिस को देखते ही मौके पर मौजूद लोग भागने लगे। हालांकि, टीम ने पीछा कर तीनों को पकड़ लिया। पुलिस ने मौके पर जेसीबी का पंजीकरण नंबर यूके07एचडी-0801 और टिप्पर का नंबर एचपी17जी-6448 पाया। ट्रैक्टर पर कोई नंबर प्लेट नहीं लगी थी। पूछताछ में जेसीबी चालक ने अपनी पहचान उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले के खेड़ी गांव निवासी सोनी, पुत्र समेर चंद के रूप में बताई। टिप्पर चालक अजय, पुत्र मोती लाल, उत्तर प्रदेश के लखीमपुर जिले के बौड़ियां गांव का निवासी है। वहीं, ट्रैक्टर चालक सुनील, पुत्र सुरेन्द्र, उत्तराखंड के देहरादून जिले के विकासनगर क्षेत्र स्थित बाडवाला गांव का रहने वाला है। पुलिस के मुताबिक, कार्रवाई के दौरान टिप्पर और ट्रैक्टर के चालकों ने अपने वाहनों में लदी रेत और बजरी मौके पर ही गिरा दी। इसके बाद सरकारी जमीन से अवैध रूप से खनिज निकालने और ले जाने के आरोप में तीनों के खिलाफ पांवटा साहिब थाने में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि मामले की आगामी जांच जारी है।

करेरी ट्रैक और झील के विकास को 50 लाख मंजूर

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। कांगड़ा जिले के करेरी क्षेत्र में पर्यटन सुविधाओं के विस्तार और प्राकृतिक स्थलों के विकास की दिशा में कदम उठाया गया है। शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने रविवार को 50 लाख रुपये की लागत से करेरी ट्रैक और करेरी झील के विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इस दौरान हिमाचल प्रदेश सरकार के महाधिवक्ता अनूप कुमार रत्न भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।



केवल सिंह पठानिया ने मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि करेरी क्षेत्र प्राकृतिक सौंदर्य, पहाड़ी संस्कृति और पर्यटन की दृष्टि से काफी संभावनाएं रखता है। करेरी ट्रैक और झील न केवल कांगड़ा जिले, बल्कि पूरे हिमाचल प्रदेश के प्रमुख पर्यटन आकर्षण बन सकते हैं। इनके विकास से क्षेत्र में पर्यटकों की आवाजाही बढ़ने और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

उन्होंने बताया कि क्षेत्र की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए ट्रैक के विकास और अन्य संबंधित कार्यों के लिए लगभग दो करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके तहत 50 लाख रुपये की लागत वाले विकास कार्यों का शिलान्यास किया गया है। इन कार्यों का उद्देश्य पर्यटन अधोसंरचना का विस्तार करने के साथ पर्यावरण संरक्षण और क्षेत्र का समग्र विकास सुनिश्चित करना है।

उपमुख्य सचेतक ने कहा कि पर्यटन योजनाओं में स्थानीय लोगों की भागीदारी को प्राथमिकता दी जाएगी। युवाओं को पर्यटन गाइड, ट्रैकिंग, पर्वतारोहण और अन्य पर्यटन सेवाओं से संबंधित प्रशिक्षण देने के प्रयास किए जाएंगे, ताकि उन्हें रोजगार और स्वरोजगार के अवसर मिल सकें।

30 अक्तूबर को मिड डे मील वर्कर्स करेंगी प्रदेशव्यापी प्रदर्शन

10 माह के वेतन को 12 महीनों में बांटने के फैसले के विरोध में 30 अक्तूबर को प्रदर्शन

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मिड डे मील वर्कर यूनियन हिमाचल प्रदेश राज्य कमेटी ने शिक्षा विभाग की ओर से 10 माह के वेतन को 12 महीनों में बांटकर देने संबंधी अधिसूचना का कड़ा विरोध किया है। यूनियन ने चेतावनी दी है कि यदि अधिसूचना वापस नहीं ली गई तो 30 अक्टूबर को प्रदेश के सभी जिलों में विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे। इसके अलावा एक और दो दिसंबर को दिल्ली में होने वाले मजदूरों के महापड़ाव में प्रदेश से हजारों मिड डे मील वर्कर्स भाग लेंगी।



◆ मांगों को लेकर शिमला में हुई बैठक, दिसंबर में दिल्ली के श्रमिक धरने में भी शामिल होंगी मिड डे मील वर्कर्स

यूनियन की राज्य कमेटी की बैठक रविवार को शिमला में राज्य अध्यक्ष कॉमरेड संदीप की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में सीटू के राज्य अध्यक्ष कॉमरेड विजेंद्र मेहरा और यूनियन प्रभारी कॉमरेड जगत राम विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान मिड डे मील वर्कर्स की समस्याओं, लंबित मांगों और देश-प्रदेश की मौजूदा परिस्थितियों पर चर्चा की गई।

वेतन बांटने की अधिसूचना तत्काल वापस लेने की मांग : बैठक को संबोधित करते हुए विजेंद्र मेहरा और जगत राम ने कहा कि देश में बेरोजगारी और महंगाई बढ़ने से आम परिवारों के लिए गुजारा करना मुश्किल हो गया है। इसके बावजूद मिड डे मील वर्कर्स को बेहद कम मानदेय पर काम करना पड़ रहा है। सरकारी स्कूलों में बच्चों को भोजन उपलब्ध करवाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाने वाली इन महिलाओं की आर्थिक समस्याओं की लगातार अनदेखी की जा रही है।

यूनियन नेताओं ने कहा कि 10 माह के कुल वेतन को 12 महीनों में बांटकर देने से वर्कर्स का मासिक भुगतान कम हो जाएगा। इससे पहले से आर्थिक संकट झेल रही महिलाओं की परेशानियां और बढ़ेंगी। उन्होंने शिक्षा विभाग से अधिसूचना तत्काल वापस लेने और संबंधित 10 महीनों में पूरा निर्धारित वेतन देने की मांग की।

दिसंबर में दिल्ली के महापड़ाव में लेंगी भाग : यूनियन ने निर्णय लिया कि एक और दो दिसंबर को दिल्ली में आयोजित मजदूरों के महापड़ाव में हिमाचल प्रदेश से हजारों मिड डे मील वर्कर्स हिस्सा लेंगी। इसके लिए प्रदेश के विभिन्न जिलों और विकास खंडों में वर्कर्स को लामबंद किया जाएगा।

यूनियन ने कहा कि वर्कर्स लंबे समय से मानदेय में बढ़ोतरी, बेहतर कार्य परिस्थितियों और सामाजिक सुरक्षा की मांग कर रही हैं। सरकारों को बच्चों के पोषण और शिक्षा में उनके योगदान को देखते हुए उनकी समस्याओं का समाधान करना चाहिए।

यूनियन ने प्रदेश की सभी मिड डे मील वर्कर्स से 30 अक्टूबर के विरोध प्रदर्शन को सफल बनाने और दिसंबर में दिल्ली पहुंचकर अपनी मांगों के समर्थन में आवाज उठाने का आह्वान किया। नेताओं ने स्पष्ट किया कि मांगों पर ठोस कार्रवाई होने तक संघर्ष जारी रहेगा।

शिमला में साइबर ठगी, खाता फ्रीज कराने के बावजूद निकाले छह लाख रुपए

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के कुपवी क्षेत्र में साइबर ठगी का मामला सामने आया है। यहां एक व्यक्ति के बैंक खाते से दो बार में कुल छह लाख रुपये निकाल लिए गए। पीड़ित ने पहली निकासी के बाद बैंक कर्मचारियों से खाता फ्रीज करने का आग्रह किया, लेकिन शिकायत के अनुसार इसके बावजूद खाते से दो लाख रुपये और निकल गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।



कुपवी के सनत गांव निवासी नारायण सिंह, पुत्र कृपा राम, ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 13 अक्टूबर को दोपहर करीब साढ़े तीन बजे उनके मोबाइल फोन पर ओटीपी आए थे। इसके बाद हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक में उनके खाते से चार लाख रुपये निकाल लिए गए। खाते से बड़ी रकम निकलने की जानकारी मिलने पर उन्होंने बैंक कर्मचारियों से संपर्क किया और खाता फ्रीज करने का आग्रह किया।

शिकायतकर्ता के अनुसार, बैंक से संपर्क करने के बावजूद उनके खाते से दो लाख रुपये की अतिरिक्त निकासी हो गई। इस तरह उन्हें कुल छह लाख रुपये का नुकसान हुआ। हालांकि, उपलब्ध शिकायत में यह स्पष्ट नहीं है कि ओटीपी किस प्रक्रिया के तहत आए और रकम निकालने के लिए किस माध्यम का इस्तेमाल किया गया। इन तथ्यों की पुष्टि जांच के बाद हो सकेगी।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि साइबर क्राइम पुलिस थाना शिमला से प्राप्त जीरो एफआईआर के आधार पर पुलिस थाना कुपवी में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4) के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच उपनिरीक्षक एवं थाना प्रभारी अनिल कुमार कर रहे हैं। पुलिस बैंक खाते से हुई निकासी और शिकायत में बताए गए घटनाक्रम की पड़ताल कर रही है।

जनेडघाट में महिला सशक्तीकरण और वित्तीय पारदर्शिता पर विशेष जोर

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत जनेडघाट में क्योंथल क्लस्टर स्तरीय संघ की वित्तीय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संघ की अध्यक्ष अनिता शर्मा ने की। इसमें विभिन्न ग्राम संगठनों से जुड़ी महिलाओं ने भाग लिया। बैठक में वित्तीय प्रबंधन, आय-व्यय का लेखा-जोखा, लेन-देन में पारदर्शिता, सामाजिक अंकेक्षण और महिला सशक्तीकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।



◆ क्योंथल सीएलएफ की बैठक में महिलाओं को वित्तीय प्रबंधन और सरकारी योजनाओं की दी गई जानकारी

बैठक के दौरान महिलाओं को सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ ग्राम संगठनों के संचालन में उनकी भूमिका, अधिकारों और जिम्मेदारियों से अवगत कराया गया। अधिकारियों ने वित्तीय रिकॉर्ड को व्यवस्थित रखने और सामुदायिक गतिविधियों में पारदर्शिता बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

इस अवसर पर राज्य सामाजिक अंकेक्षण इकाई, हिमाचल प्रदेश के निदेशक रविंद्र शर्मा, जिला शिमला के जिला संसाधन व्यक्ति कपिल चौहान, लेखाकार शिवानी शोंगी और जोगिंदर ठाकुर विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने सामाजिक अंकेक्षण की अवधारणा, उद्देश्यों और प्रक्रिया की जानकारी देते हुए विकास कार्यों की निगरानी में समुदाय की सक्रिय भागीदारी को महत्वपूर्ण बताया। महिलाओं को सामाजिक अंकेक्षण के दौरान उनके अधिकारों, कर्तव्यों और दायित्वों के बारे में भी समझाया गया।

बैठक में वीबी-जी राम जी योजना तथा कामगार विभाग से संबंधित योजनाओं की जानकारी भी साझा की गई, ताकि महिलाएं इनका लाभ उठा सकें और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकें।

एनआरओ कुटुंबश्री की मेंटर सावित्री ने पंचायती राज संस्थाओं और सामुदायिक संगठनों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पंचायतों और महिला संगठनों के बीच तालमेल से ग्रामीण विकास को गति मिल सकती है।

मौसम खुलते ही हिमाचल में पर्यटन कारोबार ने पकड़ी रफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में मौसम खुलने के साथ ही पर्यटन कारोबार ने रफ्तार पकड़ ली है। सप्ताहांत पर शिमला, कसौली, मनाली और धर्मशाला में पर्यटकों की आमद बढ़ने से होटलों में 60 से 80 प्रतिशत तक ऑक्यूपेंसी दर्ज की गई। लंबे समय तक बारिश के कारण प्रभावित रहे पर्यटन कारोबार को सैलानियों की बढ़ती संख्या से राहत मिली है। मनाली में दिन के समय होटलों में 55 से 60 प्रतिशत तक कमरे भरे रहे। देर शाम तक पर्यटकों की आमद बढ़ने से ऑक्यूपेंसी में और इजाफा होने की सूचना है। वहीं, शिमला में नवरात्रों के अवसर पर पश्चिम बंगाल से आने वाले पर्यटकों की संख्या अधिक बताई जा रही है। इसके अलावा पंजाब, हरियाणा, मुंबई और अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या में सैलानी पहाड़ों का रुख कर रहे हैं। पर्यटकों की बढ़ती आवाजाही का लाभ स्थानीय कारोबारियों और दुकानदारों को भी मिल रहा है। हस्तशिल्प, पारंपरिक वस्तुओं और स्थानीय उत्पादों की बिक्री में तेजी आई है। पर्यटन स्थलों पर चहल-पहल बढ़ने से होटल, रेस्तरां और अन्य पर्यटन सेवाओं से जुड़े कारोबारियों को राहत मिली है। हालांकि, पर्यटकों की संख्या बढ़ने के साथ प्रमुख पर्यटन स्थलों पर यातायात जाम की समस्या भी चुनौती बनी हुई है। सड़कों पर वाहनों का दबाव बढ़ने से लोगों और सैलानियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

हिमाचल में डॉक्टरों की भर्ती के नियम बदले, पीजीआई एम्स के चिकित्सकों को बिना परीक्षा नियुक्ति का अवसर

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में डॉक्टरों की भर्ती प्रक्रिया में बदलाव किया गया है। अब चंडीगढ़ स्थित पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (पीजीआई) और नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) से स्नातकोत्तर (पीजी) की पढ़ाई पूरी करने वाले पात्र डॉक्टरों को सीनियर रेजिडेंट और ट्यूटर स्पेशलिस्ट के रिक्त पदों पर नियुक्ति के लिए लिखित परीक्षा और साक्षात्कार से नहीं गुजरना होगा। इन पदों पर चयन एमबीबीएस और पीजी में प्राप्त अंकों की मेरिट के आधार पर किया जाएगा। राज्य सरकार ने रेजिडेंट डॉक्टर्स पॉलिसी-2025 में संशोधन कर यह नया प्रावधान लागू किया है।

स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग ने इस संबंध में 13 अक्टूबर 2026 को अधिसूचना जारी की है। राज्यपाल ने नीति में क्लॉज 7.3.8 जोड़ने को मंजूरी दी है। रेजिडेंट डॉक्टर्स पॉलिसी पहली बार 10 अक्टूबर 2025 को अधिसूचित की गई थी। इसके बाद जरूरत के अनुसार इसमें समय-समय पर बदलाव किए गए हैं। नए संशोधन के तहत पीजीआई चंडीगढ़ और एम्स दिल्ली से पीजी करने वाले डॉक्टरों को प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में निर्धारित रिक्त पदों पर मेरिट के आधार पर नियुक्ति का अवसर मिलेगा।



◆ पीजीआई और एम्स से पीजी करने वाले डॉक्टरों को प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में मेरिट के आधार पर नियुक्ति मिलेगी

अधिसूचना के अनुसार, नई व्यवस्था सीधी भर्ती के लिए निर्धारित 33.33 प्रतिशत कोटे के तहत लागू होगी। इस कोटे का उल्लेख स्वास्थ्य विभाग की 31 जनवरी 2026 को जारी अधिसूचना में किया गया है। इसके तहत संबंधित संस्थानों से पीजी की पढ़ाई पूरी करने वाले पात्र डॉक्टरों का चयन एमबीबीएस और पीजी में प्राप्त मेरिट के आधार पर किया जाएगा। उन्हें चयन प्रक्रिया के लिए अलग से लिखित परीक्षा या साक्षात्कार नहीं देना होगा।

सरकार ने यह बदलाव जनहित में किया है। माना जा रहा है कि इससे प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों से प्रशिक्षित डॉक्टरों को प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में सेवा देने का अवसर मिल सकेगा। हालांकि, अधिसूचना में रिक्त पदों की कुल संख्या, भर्ती की समयसीमा और अलग-अलग मेडिकल कॉलेजों में पदों का विस्तृत ब्योरा नहीं दिया गया है।

इसलिए यह संशोधन सभी पात्र डॉक्टरों की तत्काल नियुक्ति की घोषणा नहीं है, बल्कि निर्धारित कोटे के तहत रिक्त पदों पर चयन की प्रक्रिया में बदलाव है। नियुक्तियां संबंधित पदों की उपलब्धता और लागू नियमों के अनुसार की जाएंगी। इसके अतिरिक्त, इस व्यवस्था से भर्ती प्रक्रिया को अधिक सरल और पारदर्शी बनाने में मदद मिल सकती है। पीजीआई चंडीगढ़ और एम्स दिल्ली जैसे संस्थानों से प्रशिक्षित डॉक्टरों को प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में काम करने का अवसर मिलने से चिकित्सा शिक्षा और मरीजों के उपचार की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में भी योगदान मिल सकता है। सीनियर रेजिडेंट और ट्यूटर स्पेशलिस्ट मेडिकल कॉलेजों में शिक्षण, प्रशिक्षण और अस्पतालों में मरीजों की देखभाल से जुड़ी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाते हैं।

21 साल साथ रहने का हक नहीं भूलेगा कानून, महिला को मिलेगा गुजारा भत्ता

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट ने महिलाओं के भरण-पोषण के अधिकार से जुड़े एक मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया है कि किसी व्यक्ति के साथ लंबे समय तक पत्नी के रूप में रहने वाली महिला गुजारा भत्ता पाने की हकदार हो सकती है। अदालत ने उस व्यक्ति की याचिका खारिज कर दी, जिसने महिला के पहले पति से औपचारिक तलाक नहीं होने के आधार पर भरण-पोषण देने के आदेश को चुनौती दी थी। न्यायमूर्ति अजय मोहन गोयल और न्यायमूर्ति योगेश जसवाल की पीठ ने फैमिली कोर्ट मंडी के आदेश को बरकरार रखा। अदालत ने माना कि निचली अदालत के फैसले में कोई कानूनी त्रुटि नहीं है। इसके साथ ही महिला को प्रतिमाह 5,000 रुपये गुजारा भत्ता देने का आदेश कायम रहा।

मामले के अनुसार, फैमिली कोर्ट मंडी ने 25 मार्च 2025 को अश्वनी कुमार को दासी उर्फ उमा देवी को याचिका दायर करने की तारीख से प्रतिमाह 5,000 रुपये भरण-पोषण देने का निर्देश दिया था। इसके खिलाफ अश्वनी कुमार ने हाई कोर्ट में पुनरीक्षण याचिका दायर की। याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई कि महिला का अपने पहले पति से औपचारिक तलाक नहीं हुआ था, इसलिए उसे पत्नी के रूप में गुजारा भत्ता देने का आदेश उचित नहीं है। हालांकि, हाई कोर्ट ने इस आधार पर फैमिली कोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया और याचिका खारिज कर दी। मामले में महिला के 21 वर्षों से अधिक समय तक साथ रहने का उल्लेख किया गया। अदालत के फैसले से स्पष्ट है कि भरण-पोषण के दावे पर विचार करते समय मामले के तथ्यों और परिस्थितियों को महत्व दिया जाता है।

श्रद्धांजलि सराहन में वीरभद्र सिंह की प्रतिमा का अनावरण, अग्निहोत्री, रोहित ठाकुर, विक्रमादित्य और आरएस बाली रहे मौजूद

वीरभद्र सिंह ने राजनीति में ही नहीं, प्रदेशवासियों के दिलों पर भी किया राज - अग्निहोत्री

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। बुशहर स्पोर्ट्स कल्चर एंड एनवायरनमेंट एसोसिएशन की ओर से रविवार को सराहन में पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय वीरभद्र सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया गया। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर, लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह और हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष आरएस बाली सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।



पांच दशक तक प्रदेश की राजनीति को दी दिशा : उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि वीरभद्र सिंह ने लगभग पांच दशकों तक हिमाचल प्रदेश की राजनीति को दिशा देने के साथ प्रदेशवासियों के दिलों में भी विशेष स्थान बनाया। वह दूरदर्शी राजनेता और आधुनिक हिमाचल के निर्माता थे। उनकी लोकप्रियता केवल रामपुर और रोहड़ू तक सीमित नहीं थी, बल्कि प्रदेश के हर क्षेत्र में लोग उनका सम्मान करते थे। उन्होंने पंडित जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और डॉ. मनमोहन सिंह सहित कई प्रधानमंत्रियों के साथ काम किया। उनका राजनीतिक अनुभव और जनसेवा के प्रति समर्पण हमेशा प्रेरणा देता रहेगा।

वीरभद्र सिंह की राजनीतिक पाठशाला से निकले अनेक नेता: अग्निहोत्री ने कहा कि उन्हें वीरभद्र सिंह के मंत्रिमंडल में काम करने का अवसर मिला, जिसे वह अपना सौभाग्य मानते हैं। वह स्वयं को उनकी राजनीतिक पाठशाला का विद्यार्थी मानते हैं। उनके मार्गदर्शन से उन्हें राजनीति में आगे बढ़ने और जनता की सेवा करने की प्रेरणा मिली। वीरभद्र सिंह ने अपने लंबे राजनीतिक जीवन में अनेक विधायकों, सांसदों और नेताओं को तैयार किया। उन्होंने गरीबों, कमजोर वर्गों और जरूरतमंदों के कल्याण को हमेशा प्राथमिकता दी।

उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश के इतिहास में डॉ. वाईएस परमार और वीरभद्र सिंह का योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। डॉ. परमार ने प्रदेश के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जबकि वीरभद्र सिंह ने इसे आधुनिक स्वरूप देने में अहम योगदान दिया। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और बिजली जैसी सुविधाओं के विस्तार से प्रदेश ने विकास की नई ऊंचाइयां हासिल कीं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि रामपुर और रोहड़ू सहित प्रदेश के दूरदराज और जनजातीय क्षेत्रों के विकास में वीरभद्र सिंह की दूरदर्शी सोच का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सराहन से जुड़ी रही वीरभद्र सिंह की आस्था

लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि वीरभद्र सिंह को किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं किया जा सकता। पूरा हिमाचल उनकी कर्मस्थली रहा। मां भीमाकाली के प्रति उनकी गहरी आस्था थी और वह अष्टमी पर सराहन आकर आशीर्वाद लेते थे। उन्होंने कहा कि जन्मस्थली सराहन में प्रतिमा का अनावरण उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। विक्रमादित्य सिंह ने बताया कि रामपुर विधानसभा क्षेत्र में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत लगभग 250 करोड़ रुपये की लागत से सड़क सुधार के कार्य चल रहे हैं। झाकड़ी के ब्रॉनी खड्ड पर पुल निर्माण के लिए 127 करोड़ रुपये की स्वीकृति भी मिली है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हितों को दलगत राजनीति से ऊपर रखकर विकास कार्यों को आगे बढ़ाना आवश्यक है। पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष आरएस बाली ने वीरभद्र सिंह को युगपुरुष बताते हुए कहा कि उन्होंने अपना जीवन प्रदेश की सेवा और विकास के लिए समर्पित किया। उन्होंने समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने का प्रयास किया। उनका योगदान आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। कार्यक्रम में पूर्व सांसद प्रतिभा सिंह, विधायक कुलदीप सिंह राठौर, मोहन लाल ब्राक्टा, पूर्व मंत्री कौल सिंह ठाकुर और रामलाल ठाकुर, पूर्व मुख्य संसदीय सचिव नीरज भारती, हिमफैड अध्यक्ष महेश्वर चौहान, प्रदेश कांग्रेस सह प्रभारी विदित चौहान, पूर्व विधायक किशोरी लाल सहित अनेक नेता, जनप्रतिनिधि और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

दुर्गा अष्टमी पर मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

भारतेन्दु संवाददाता, हरिद्वार। शारदीय नवरात्र की दुर्गा अष्टमी पर धर्मनगरी हरिद्वार में श्रद्धा और भक्ति का माहौल रहा। रविवार को मां दुर्गा के आठवें स्वरूप मां महागौरी की पूजा-अर्चना के लिए विभिन्न मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। भक्तों ने विधि-विधान से पूजा कर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और आरोग्य की कामना की। घरों में भी विशेष पूजा-अर्चना के साथ कन्या पूजन किया गया। दुर्गा अष्टमी पर श्रद्धालुओं ने सुबह स्नान के बाद मां दुर्गा को फल, फूल, चुनरी, नारियल और मिठाई अर्पित की। नवरात्र के व्रत रखने वाले भक्तों ने कन्याओं को देवी स्वरूप मानकर उनके चरण पूजे और उन्हें भोजन कराकर दक्षिणा व उपहार भेंट किए। हरिद्वार के मां माया देवी मंदिर, सिद्धपीठ चंडी देवी, मंशा देवी मंदिर, मां शीतला माता मंदिर, सुरेश्वरी देवी मंदिर और काली मंदिर सहित विभिन्न देवी मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। भक्तों ने मां के दर्शन कर सुख-शांति और समृद्धि की प्रार्थना की। सूर्योदय के बाद अष्टमी तिथि शुरू होने के कारण श्रद्धालु सोमवार को भी अष्टमी और नवमी तिथि पर कन्या पूजन करेंगे। मंदिरों में सोमवार को नवरात्र का परायण किया जाएगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार, दुर्गा अष्टमी पर मां महागौरी की आराधना करने से भक्तों को सुख-समृद्धि और मनोकामना पूर्ति का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

धामी से मिले अंतरराष्ट्रीय फिल्म निर्माता, ऋषिकेश में शूटिंग की तैयारी

ऋषिकेश में फरवरी 2027 में होगी 'द बीटल्स' पर आधारित अंतरराष्ट्रीय फिल्म की शूटिंग

अनिल थपलियाल

देहरादून। उत्तराखंड में अंतरराष्ट्रीय फिल्म निर्माण को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सामने आई है। विश्वप्रसिद्ध ब्रिटिश संगीत समूह 'द बीटल्स' पर आधारित अंतरराष्ट्रीय फिल्म परियोजना की शूटिंग ऋषिकेश स्थित ऐतिहासिक चौरासी कुटिया (बीटल्स आश्रम) में प्रस्तावित है। रविवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से अंतरराष्ट्रीय फिल्म निर्माताओं के प्रतिनिधिमंडल ने भेंट कर इस परियोजना के संबंध में चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को बताया कि फिल्म की शूटिंग फरवरी 2027 में प्रस्तावित है। इससे प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होने की उम्मीद है।

प्रतिनिधिमंडल के अनुसार, इस अंतरराष्ट्रीय फिल्म परियोजना का निर्देशन ऑस्कर पुरस्कार विजेता प्रसिद्ध निर्देशक सर सैम मेंडेस कर रहे हैं। सोनी पिक्चर्स एंटरटेनमेंट के लिए नील स्ट्रीट प्रोडक्शंस द्वारा एप्पल कॉर्प्स के सहयोग से तैयार की जा रही इस परियोजना के अंतर्गत 'द बीटल्स' के चारों सदस्यों के जीवन और संगीत यात्रा पर आधारित चार अलग-अलग फिल्में बनाई जा रही हैं।



ऋषिकेश में अंतरराष्ट्रीय फिल्म शूटिंग

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऋषिकेश की पहचान विश्वभर में योग और आध्यात्मिक नगरी के रूप में है। 'द बीटल्स' का भी इस शहर से ऐतिहासिक जुड़ाव रहा है। ऐसे में यहां अंतरराष्ट्रीय फिल्म की शूटिंग होने से उत्तराखंड की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिलेगी और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन को प्रोत्साहन मिलेगा।

ब्रिटिश फिल्मकार को भेंट

मुख्यमंत्री से भेंट करने वाले प्रतिनिधिमंडल में बाफ्टा पुरस्कार के लिए नामित ब्रिटिश फिल्म निर्माता एलेक्जेंड्रा डर्बीशायर, भारतीय फिल्म निर्माता दिलीप सिंह राठौर शामिल थे।

बीटल्स फिल्म से उत्तराखंड में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे

ऋषिकेश में प्रस्तावित शूटिंग के दौरान 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय और लगभग 150 भारतीय क्रू सदस्य शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त स्थानीय तकनीशियनों और अन्य सहयोगियों की सेवाएं भी ली जाएंगी। भारत में फिल्म निर्माण से जुड़े कार्यों का समन्वय 'ऑन द रोड इंडिया' कर रहा है। फिल्म परियोजना से होटल, परिवहन, खानपान और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों को गति मिलने की संभावना है। साथ ही स्थानीय युवाओं, कलाकारों और तकनीशियनों को काम के अवसर मिल सकते हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड अपनी प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत और विविध शूटिंग स्थलों के कारण प्रमुख फिल्म गंतव्य के रूप में पहचान बना रहा है। राज्य सरकार की फिल्म नीति-2024 के तहत फिल्म निर्माताओं को अनुकूल वातावरण और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। सरकार का प्रयास है कि देश-विदेश की अधिक से अधिक फिल्म परियोजनाएं उत्तराखंड में आएं, जिससे स्थानीय प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के अवसर मिलें।

मुख्यमंत्री घोषणा में शामिल हुआ जयानंद भारती के भवन का जीर्णोद्धार

मुख्यमंत्री धामी ने स्वीकारा सतपाल महाराज का प्रस्ताव

अनिल थपलियाल

पौड़ी। उत्तराखंड के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने स्वतंत्रता सेनानी एवं समाज सुधारक उत्तराखंड रत्न कर्मवीर जयानंद भारती से संबंधित भवन के जीर्णोद्धार को मुख्यमंत्री घोषणा में शामिल करने पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार जताया है। विधानसभा क्षेत्र चौबट्टाखाल के अंतर्गत विकासखंड बीरोंखाल के साबली, पंचपुरी में स्थित इस ऐतिहासिक भवन के जीर्णोद्धार पर लगभग 50 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे।

सतपाल महाराज ने कहा कि कर्मवीर जयानंद भारती का प्रदेश के सामाजिक एवं ऐतिहासिक जीवन में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भागीदारी निभाने के साथ समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने, जनजागरण फैलाने और सामाजिक समानता स्थापित करने के लिए उल्लेखनीय कार्य किए। उनका जीवन और योगदान उत्तराखंड की अमूल्य ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहर है। ऐसे में उनके जीवन से संबंधित भवन का संरक्षण आवश्यक है।

महाराज ने बताया कि भवन वर्तमान में जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है। इसके उचित रखरखाव और जीर्णोद्धार के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से अनुरोध किया था।



भावी पीढ़ियों तक पहुंचेगा भारती का योगदान

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने उनके आग्रह को स्वीकार करते हुए भवन के जीर्णोद्धार को मुख्यमंत्री घोषणा में शामिल किया है। इससे ऐतिहासिक धरोहर को सुरक्षित रखने के साथ भावी पीढ़ियों को जयानंद भारती के जीवन, संघर्ष और सामाजिक योगदान से परिचित कराने में मदद मिलेगी।

महाराज ने जयंती समारोह में किया था वादा

ज्ञात हो कि 17 अक्टूबर को स्वतंत्रता सेनानी एवं समाज सुधारक कर्मवीर जयानंद भारती की 146वीं जयंती के अवसर पर विकासखंड बीरोंखाल स्थित राजकीय इंटर कॉलेज परिसर, स्यूंसी में दो दिवसीय राजकीय मेले का शुभारंभ हुआ था। इस दौरान कैबिनेट मंत्री एवं चौबट्टाखाल विधायक सतपाल महाराज ने भवन के जीर्णोद्धार के संबंध में मुख्यमंत्री से हुई बातचीत की जानकारी देते हुए क्षेत्रीय जनता से किया गया वादा पूरा करने की बात कही थी।

'मेरी शुरुआत खुद से', नशा-मुक्ति का संदेश लेकर गुजरात रवाना हुआ उत्तराखंड पुलिस का 12 सदस्यीय मोटरसाइकिल दल

उत्तराखंड पुलिस की पहल, छात्रों और युवाओं सहित 1,000 लोगों ने ली नशा-मुक्ति की शपथ

विकास बलूनी

देहरादून। राष्ट्रीय एकता दिवस 2026 के अवसर पर नशे के दुष्प्रभावों के प्रति युवाओं एवं आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से 'नशे के विरुद्ध संघर्ष' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय मोटरसाइकिल रैली में भाग लेने के लिए उत्तराखंड पुलिस का बारह सदस्यीय दल गुजरात रवाना हुआ। इस राष्ट्रीय अभियान की नोडल एजेंसी केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल है।

31 अक्टूबर को एकता नगर (गुजरात) में राष्ट्रीय परेड में शामिल होगा दल

देहरादून की पुलिस लाइन में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत 'मेरी शुरुआत खुद से' विषय पर जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। अपर पुलिस महानिदेशक, अपराध एवं कानून व्यवस्था वी. मुरुगेशन ने उपस्थित लोगों को नशा न करने और समाज को नशा मुक्त बनाने की शपथ दिलाई। इसके बाद हरी झंडी दिखाकर दल को रवाना किया। उन्होंने प्रतिभागियों को अनुशासन, सड़क सुरक्षा नियमों का पालन और राज्य पुलिस की गरिमा बनाए रखने के निर्देश दिए।

उत्तराखंड पुलिस का दल देहरादून से हरिद्वार होते हुए नई दिल्ली पहुंचेगा। यहां 21 अक्टूबर को राष्ट्रीय पुलिस स्मारक से उत्तरी क्षेत्र के दलों को संयुक्त रूप से रवाना किया जाएगा। विभिन्न राज्यों से होते हुए दल 31 अक्टूबर को गुजरात के एकता नगर में आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह एवं परेड में भाग लेगा।

यात्रा के दौरान पुलिसकर्मी स्थानीय नागरिकों, छात्र-छात्राओं और युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करेंगे तथा नशा मुक्त समाज के निर्माण में भागीदारी के लिए प्रेरित करेंगे। जन-जागरूकता कार्यक्रम में लगभग एक हजार लोगों ने भाग लिया। गोष्ठी में डॉ. शिल्पी अरोड़ा ने नशे के मानसिक एवं शारीरिक दुष्प्रभावों की जानकारी दी। विद्यार्थियों के साथ संवाद एवं प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया।



◆ **राष्ट्रीय एकता दिवस-2026: 'नशे के विरुद्ध संघर्ष' थीम पर पुलिस की राष्ट्रीय मोटरसाइकिल रैली को एडीजी लॉ एंड ऑर्डर ने दिखाई हरी झंडी**

नारायणबगड़ पीएचसी को सीएचसी बनाने की मांग तेज



भारतेन्दु संवाददाता, नारायणबगड़ (चमोली)। चमोली जिले के विकासखंड नारायणबगड़ में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) को उच्चीकृत कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बनाने की मांग को लेकर क्षेत्रवासियों का आंदोलन सातवें दिन भी जारी रहा। मंगलवार को जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने धरना स्थल से मुख्य बाजार होते हुए परखाल पुल तक रैली निकालकर शासन-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन में विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि शामिल हुए।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि क्षेत्र की बड़ी आबादी स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर निर्भर है, लेकिन पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं नहीं होने के कारण मरीजों को उपचार के लिए दूसरे स्थानों पर जाना पड़ता है। उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को उपजिलाधिकारी थराली के माध्यम से ज्ञापन भेजकर अस्पताल को उच्चीकृत करने की मांग की। क्षेत्र पंचायत सदस्य नीरज नेगी और विपिन परिहार ने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की मांग लंबे समय से उठाई जा रही है, लेकिन समाधान नहीं होने से लोगों को आंदोलन करना पड़ रहा है।

मुख्यमंत्री धामी ने 'रन फॉर यूनिटी' को दिखाई हरी झंडी

चंपावत के सर्वांगीण विकास को सरकार प्रतिबद्ध



भारतेन्दु संवाददाता, चंपावत। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बनबसा और चंपावत के दौरे के दौरान जनप्रतिनिधियों से मुलाकात कर क्षेत्र के विकास और जनसमस्याओं पर चर्चा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का शीघ्र निस्तारण करने और विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने पर जोर देते हुए स्थानीय जरूरतों के अनुरूप विकास कार्यों को गति देने की बात कही। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं का समाधान सरकार की प्राथमिकता है और इसके लिए अधिकारियों को तत्परता से कार्य करना चाहिए।

दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने 'एकता दौड़' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने सुंदरकांड पाठ में प्रतिभाग किया और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। पाठ के समापन के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

न्यूज ब्रीफ

यशपाल बेनाम ने भाजपा से दिया इस्तीफा जल्द करेंगे अगला फैसला

भारतेन्दु संवाददाता, पौड़ी। पूर्व विधायक एवं पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष यशपाल बेनाम ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। रविवार को प्रेस वार्ता में उन्होंने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए त्यागपत्र देने की जानकारी दी। करीब आठ साल तक भाजपा में रहे बेनाम ने कहा कि वह जल्द ही अपने अगले राजनीतिक कदम को लेकर निर्णय लेंगे। वर्ष 2007 में निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में पौड़ी विधानसभा सीट से विधायक निर्वाचित हुए बेनाम के इस्तीफे से जिले की राजनीति में चर्चाएं तेज हो गई हैं।

कुंजापुरी मेले में खिलाड़ियों पर हुई पुरस्कारों की बौछार



भारतेन्दु संवाददाता, नई टिहरी। 50वें मां कुंजापुरी पर्यटन विकास मेले के खेल महोत्सव में कबड्डी और मैराथन प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित किए गए। पुरुष कबड्डी में राजन क्लब लक्सर और बालिका वर्ग में विकासनगर अकादमी विजेता बनी। पुरुष मैराथन में मुकेश और महिला वर्ग में तनुश्री चौहान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया। प्रतियोगिता में 11 वर्षीय कुलदीप भारद्वाज आकर्षण का केंद्र रहे।

उत्तरकाशी के खिलाड़ियों ने जीते कई खिताब



भारतेन्दु संवाददाता, उत्तरकाशी। खेल महाकुंभ मुख्यमंत्री चैंपियनशिप ट्रॉफी 2026 के अंतर्गत नेहरू पर्वतारोहण संस्थान में आयोजित राज्यस्तरीय स्पीड क्लाइंबिंग प्रतियोगिता का शनिवार को पदक और प्रमाणपत्र वितरण के साथ समापन हुआ। अंडर-14 बालक वर्ग में अरमान प्रथम, अभिनव द्वितीय और कृष्णा उनियाल तृतीय रहे। बालिका वर्ग में दिव्यानी, अनन्या और सानिया ने क्रमशः पहला, दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। अंडर-19 बालक वर्ग में पौड़ी के साहिल गुसाईं विजेता बने। वहीं, बालिका वर्ग में उत्तरकाशी की अन्वेषा प्रथम रहीं। लीड क्लाइंबिंग स्पर्धाओं में भी उत्तरकाशी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। नगर पालिका अध्यक्ष भूपेंद्र चौहान ने विजेताओं को पदक और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया।

◆ **स्पीड क्लाइंबिंग में अरमान और दिव्यानी प्रथम**

टिहरी में मेडिकल कॉलेज की मांग पर आंदोलन तेज

जीतराम भट्ट का सत्याग्रह 78वें दिन भी जारी



भारतेन्दु संवाददाता, नई टिहरी। टिहरी में मेडिकल कॉलेज की स्थापना की मांग को लेकर टिहरी मेडिकल कॉलेज निर्माण संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले चल रहा अनिश्चितकालीन धरना रविवार को 48वें दिन भी जारी रहा। वहीं, वरिष्ठ सत्याग्रही जीतराम भट्ट का सत्याग्रह 78वें दिन भी जारी रहा। रविवार को क्रमिक अनशन पर टैक्सी यूनियन के अध्यक्ष टीकम सिंह चौहान और दिनेश भट्ट बैठे। आंदोलन को विभिन्न सामाजिक संगठनों और स्थानीय नागरिकों ने समर्थन दिया।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी मंच के कार्यकारी अध्यक्ष राकेश राणा और राज्य आंदोलनकारी देवेंद्र नौटियाल ने कहा कि मेडिकल कॉलेज की स्थापना क्षेत्र की जनता की जरूरत और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। सरकार को आश्वासन देने के बजाय ठोस निर्णय लेकर निर्माण की प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि मांग की अनदेखी जारी रही तो जनता 2027 के विधानसभा चुनाव में लोकतांत्रिक तरीके से जवाब देगी। जीतराम भट्ट ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर बौराड़ी अस्पताल को उच्चीकृत कर 300 बेड का बेस अस्पताल बनाने और इसके लिए वित्तीय स्वीकृति देने की मांग की।

त्योहारों से पहले परिवहन विभाग की सख्ती

भारतेन्दु संवाददाता, हरिद्वार। त्योहारों के मद्देनजर सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए परिवहन विभाग ने रविवार को विशेष जांच अभियान चलाया। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देश पर सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) नेहा झा के नेतृत्व में की गई कार्रवाई के दौरान चार ओवरलोड वाहनों को सीज किया गया, जबकि 25 वाहनों के चालान किए गए। इनमें परमिट की शर्तों का उल्लंघन करने वाली पांच बसें भी शामिल हैं। जनपद के विभिन्न मार्गों पर वाहनों की सघन जांच की गई। मीडिया में सामने आई सूचनाओं के आधार पर जमालपुर कलां क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान निर्धारित क्षमता से अधिक भार लेकर चल रहे चार वाहनों को सीज किया गया, जिनमें एक ट्रैक्टर-ट्रॉली भी शामिल है। अभियान में मालवाहक वाहनों की भार क्षमता और यात्री वाहनों के परमिट की शर्तों की जांच की गई। नियमों का उल्लंघन करने पर कुल 25 वाहनों के चालान किए गए।

भारतेंदु शिखर की खबर का असर

मोहब्बेवाला- हाईवे हादसा, जनभावना के सम्मान में विधायक विनोद चमोली ने किया भैरव मंदिर का भूमि पूजन

तान्या सैरवाल



एआई निर्मित चित्र।

देहरादून। देहरादून के मोहब्बेवाला-आशारोड़ी चेक पोस्ट के पास लगातार हो रहे सड़क हादसों ने एक बार फिर हाईवे की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आए दिन होने वाली दुर्घटनाओं से स्थानीय लोगों में चिंता और आक्रोश का माहौल है। इसी बीच, जनभावनाओं का सम्मान करते हुए विधायक विनोद चमोली ने आज भगवान भैरव मंदिर के निर्माण के लिए भूमि पूजन किया।

इस पूरे मामले में स्थानीय लोगों की आस्था के साथ-साथ सड़क सुरक्षा का मुद्दा भी प्रमुखता से सामने आया है। भारतेन्दु शिखर की ओर से लगातार उठाए जा रहे सड़क हादसों और संबंधित विभागों की जवाबदेही के सवालों को भी इस विषय पर जनचर्चा का एक अहम हिस्सा माना जा रहा है।

सड़क सुरक्षा की मांग के बीच भैरव मंदिर निर्माण शुरू

साथ ही विधायक विनोद चमोली ने रोड सेफ्टी के लिए सीएसआईआर से किया संपर्क किया और जल्द से जल्द इस क्षेत्र में सड़क सुरक्षा से जुड़ी समस्या का समाधान निकालने की बात कही।

आखिर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अब सभी की निगाहें लोक निर्माण विभाग और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण पर टिकी हैं कि किस तरह वह इसका समाधान करती है।

एम्स ऋषिकेश में नियुक्ति फर्जीवाड़ा, एक गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, ऋषिकेश। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ऋषिकेश में भर्ती प्रक्रिया के दौरान पहचान संबंधी गड़बड़ी का मामला सामने आया है। अभिलेख सत्यापन के दौरान परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थी और नियुक्ति पाकर कार्यभार ग्रहण करने वाले व्यक्ति की पहचान में अंतर मिलने पर पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि दूसरे की तलाश जारी है। ऋषिकेश कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक यशपाल सिंह बिष्ट के अनुसार, बीते शनिवार को एम्स ऋषिकेश में सीआरई-3 भर्ती प्रक्रिया के तहत अभ्यर्थियों का बायोमेट्रिक सत्यापन किया जा रहा था। इस दौरान वायरमैन पद के लिए पहुंचे अभ्यर्थी विकास कुमार मीणा की पहचान को लेकर संदेह हुआ।

विकास कोटद्वार और पौड़ी गढ़वाल की भविष्य की बिजली जरूरतें पूरी करने में मिलेगी मदद

कोटद्वार में 675 करोड़ से बनेगा 400 केवी विद्युत उपकेंद्र



भारतेन्दु संवाददाता, पौड़ी गढ़वाल। कोटद्वार विधानसभा क्षेत्र के हल्दुखाता तल्ला में 400 केवी क्षमता का विशाल विद्युत उपकेंद्र स्थापित करने की दिशा में पहल की गई है। लगभग 675 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित इस महत्वाकांक्षी परियोजना के पूरा होने पर कोटद्वार सहित पौड़ी गढ़वाल जिले की विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है। इसके साथ ही क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार, नए निवेश और रोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा मिल सकता है। परियोजना को कोटद्वार के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

वर्तमान में कोटद्वार क्षेत्र को सतपुली स्थित विद्युत उपकेंद्र से बिजली की आपूर्ति की जा रही है। हल्दुखाता तल्ला में नए 400 केवी विद्युत उपकेंद्र की स्थापना से बिजली आपूर्ति की क्षमता और गुणवत्ता में सुधार होने की संभावना है। इससे क्षेत्र में बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी। भविष्य में आबादी, औद्योगिक गतिविधियों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के विस्तार के साथ बिजली की खपत बढ़ने की स्थिति में भी यह परियोजना उपयोगी साबित हो सकती है।

परियोजना को मंजूरी दिलाने के लिए तेज हुई प्रक्रिया

विधानसभा अध्यक्ष एवं कोटद्वार विधायक ऋतु खण्डूडी भूषण के प्रयासों से इस परियोजना का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। प्रस्ताव को आगे बढ़ाने के लिए संबंधित विभागों की संस्तुतियां भी प्राप्त होने की जानकारी दी गई है। अब परियोजना को धरातल पर उतारने के लिए आगामी प्रक्रियाओं पर नजर रहेगी।

उद्योगों को मिलेगी भरोसेमंद बिजली आपूर्ति

प्रस्तावित उपकेंद्र से सिगड्डी ग्रोथ सेंटर को विशेष लाभ मिलने की संभावना है। औद्योगिक क्षेत्र में निर्बाध और भरोसेमंद बिजली आपूर्ति किसी भी उद्योग के सुचारु संचालन के लिए महत्वपूर्ण होती है। बिजली की उपलब्धता बेहतर होने से औद्योगिक इकाइयों को उत्पादन संबंधी परेशानियों से राहत मिल सकती है।

विकास को गति

विधायक ऋतु खण्डूडी भूषण ने कहा कि कोटद्वार का सर्वांगीण विकास और क्षेत्रवासियों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि 400 केवी विद्युत उपकेंद्र की स्थापना से आम लोगों को बेहतर बिजली आपूर्ति का लाभ मिलने के साथ सिगड्डी ग्रोथ सेंटर और आसपास के क्षेत्रों के औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी।

नशीली दवाएं बेचने वाले मेडिकल स्टोरों का होगा बहिष्कार

भारतेन्दु संवाददाता, अमृतसर

पंजाब केमिस्ट एसोसिएशन ने मेडिकल स्टोरों की आड़ में नियमों के विपरीत नशीली दवाओं की खरीद-फरोख्त करने वालों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। एसोसिएशन ने स्पष्ट किया कि यदि कोई भी मेडिकल स्टोर संचालक नियमों का उल्लंघन करते हुए नशीली दवाएं बेचता या खरीदता पाया गया तो उसका पूर्ण बहिष्कार किया जाएगा। एसोसिएशन ने कहा कि मेडिकल स्टोर का पेशा सीधे तौर पर लोगों के स्वास्थ्य और जीवन की सुरक्षा से जुड़ा है। ऐसे में इस पेशे की आड़ में नशे का अवैध कारोबार करने वालों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

एसोसिएशन के महासचिव मनमोहन सिंह, व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष मनिंदर दत्ता और राज कुमार की ओर से जारी पत्र में मानसा में हुई घटना को बेहद दुखद बताया गया। उन्होंने कहा कि कुछ लोग मेडिकल स्टोरों की आड़ में नियमों के विपरीत नशीली दवाओं की खरीद-फरोख्त कर रहे हैं। ऐसे लोग न केवल कानून का उल्लंघन करते हैं, बल्कि पूरे केमिस्ट समुदाय की छवि को भी नुकसान पहुंचाते हैं। एसोसिएशन



ने स्पष्ट किया कि वह अवैध कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति का समर्थन नहीं करती और न ही उसे किसी प्रकार का संरक्षण देने के पक्ष में है।

एसोसिएशन ने चेतावनी दी कि यदि कोई व्यक्ति नशीली दवाओं के अवैध कारोबार में शामिल पाया जाता है तो उसके साथ खड़े होने और उसे संरक्षण देने वालों के खिलाफ भी आवाज उठाई जाएगी। संगठन ने कहा कि कुछ लोगों की गलत गतिविधियों के कारण पूरे केमिस्ट समुदाय को बदनाम नहीं होने दिया जाएगा। सभी मेडिकल स्टोर संचालकों को अपने कारोबार में पारदर्शिता बनाए रखनी चाहिए और दवाओं की बिक्री के दौरान निर्धारित नियमों का पूरी तरह पालन करना चाहिए।

एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों और औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के तहत दवाओं की बिक्री से जुड़े नियमों का पालन करना प्रत्येक मेडिकल स्टोर संचालक की जिम्मेदारी है। विशेष रूप से नियंत्रित दवाओं की खरीद और बिक्री का रिकॉर्ड व्यवस्थित तरीके से रखना आवश्यक है। संचालकों को दवाओं की खरीद, बिक्री और संबंधित पर्चों का पूरा हिसाब सुरक्षित रखना चाहिए, ताकि जरूरत पड़ने पर इसकी जांच की जा सके। नियमों का पालन करने से न केवल अवैध कारोबार पर रोक लगाने में मदद मिलेगी, बल्कि आम लोगों के स्वास्थ्य की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी।

नशे के खिलाफ अभियान में केमिस्ट समुदाय की भागीदारी जरूरी

पंजाब केमिस्ट एसोसिएशन ने कहा कि नशे की समस्या से निपटना केवल सरकार या प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है। समाज के प्रत्येक वर्ग और विशेष रूप से दवा कारोबार से जुड़े लोगों को अपनी भूमिका निभानी होगी। एसोसिएशन ने अपने सदस्यों से अपील की कि वे नियमों के अनुसार दवाओं की बिक्री करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि को बढ़ावा न दें। संगठन ने दोहराया कि नशे के अवैध कारोबार में शामिल लोगों को संरक्षण देने के बजाय उनके खिलाफ कार्रवाई में सहयोग करना चाहिए।सिविल सर्जन डॉ. भारती धवन ने एसोसिएशन के निर्णय को सराहनीय बताया। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन स्वास्थ्य विभाग की मदद करते हुए नशे का कारोबार करने वालों के खिलाफ आवाज उठाती रही है। स्वास्थ्य विभाग उन संगठनों का सम्मान करता है, जो नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ प्रशासन का सहयोग करते हैं। उन्होंने कहा कि नशे की समस्या पर प्रभावी नियंत्रण के लिए विभागों और सामाजिक संगठनों के बीच समन्वय जरूरी है। मेडिकल स्टोर संचालकों की सतर्कता और जिम्मेदारी से नशीली दवाओं के दुरुपयोग पर अंकुश लगाने में मदद मिल सकती है।

अमृतसर में बिना स्पष्ट कारण ई-चालान से वाहन चालक परेशान

चालान की वजह और स्थान स्पष्ट करने की मांग, ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने पर जोर

भारतेन्दु संवाददाता, अमृतसर

अमृतसर में ई-चालान को लेकर वाहन चालकों की परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। कई वाहन मालिकों का कहना है कि उनके मोबाइल फोन पर चालान कटने का संदेश तो आ जाता है, लेकिन उसमें चालान काटे जाने की स्पष्ट वजह और स्थान की जानकारी नहीं मिलती। कुछ लोगों ने दावा किया है कि यातायात नियमों का पालन करने के बावजूद उनके वाहनों के चालान काटे जा रहे हैं। इससे आम नागरिकों में असमंजस और नाराजगी है। शहर की विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं ने इस मामले को उठाते हुए ट्रैफिक पुलिस से पारदर्शी व्यवस्था बनाने की मांग की है।

वाहन चालकों का कहना है कि चालान की जानकारी मिलने के बाद यह पता लगाना भी मुश्किल होता है कि जुर्माना कहां और किस प्रक्रिया के तहत जमा करवाना है। लोगों ने मांग की है कि चालान के संदेश में उल्लंघन का कारण, स्थान और संबंधित साक्ष्य स्पष्ट रूप से उपलब्ध करवाए जाएं, ताकि वाहन मालिक अपनी शिकायत दर्ज करवा सकें और गलती होने पर उचित समाधान प्राप्त कर सकें।

एक घंटे में दो बार चालान काटने का आरोप : इस संबंध में महिला वाहन चालक अरुणा कुमारी ने बताया कि उनकी गाड़ी का 20 सितंबर को अजनाला रोड स्थित टी-प्वाइंट पर लगभग एक घंटे के अंतराल में दो बार चालान काटा गया। उनके अनुसार, एक चालान रेड लाइट जंप करने और दूसरा जेब्रा क्रॉसिंग पार करने के कारण काटे जाने की जानकारी दी गई। अरुणा कुमारी ने बताया कि उन्होंने 24 और 25 सितंबर को विभाग के ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज करवाने की कोशिश की, लेकिन उन्हें वहां यह सुविधा नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने ईमेल के जरिए एडीसीपी ट्रैफिक को शिकायत भेजी। हालांकि, उनके अनुसार, अभी तक इस मामले में सुनवाई नहीं हुई है।

सुविधाएं उपलब्ध करवाने के बाद निष्पक्षता से लागू हों नियम : अमृतसर हरियावल मंच के अध्यक्ष इंजीनियर दलजीत सिंह कोहली ने कहा कि यातायात नियमों का पालन करवाना जरूरी है, लेकिन प्रशासन की भी जिम्मेदारी है कि वह नागरिकों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाए। उन्होंने कहा कि चालान और जुर्माना वसूलने के साथ उन समस्याओं का समाधान भी किया जाना चाहिए, जिनका सामना लोग रोजाना करते हैं। यातायात नियमों को समान रूप से लागू किया जाना चाहिए और चालान की प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए, ताकि किसी भी वाहन चालक को अनावश्यक परेशानी न हो।

फुटपाथों और पार्किंग व्यवस्था में सुधार की मांग : शहर के बुद्धिजीवियों और समाजसेवी संस्थाओं ने फुटपाथों की खराब स्थिति पर भी चिंता जताई है। उनका कहना है कि कई इलाकों में फुटपाथ टूटे हुए हैं, जबकि कुछ स्थानों पर वाहनों की पार्किंग और अतिक्रमण के कारण पैदल चलने वालों के लिए जगह नहीं बचती। कई सड़कों पर फुटपाथ की सुविधा भी उपलब्ध नहीं है। ऐसे में पैदल यात्रियों को सड़क पर चलने के लिए मजबूर होना पड़ता है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है।

संस्थाओं ने ट्रैफिक प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए स्पष्ट सड़क संकेतक, सुचारू यातायात सिग्नल, व्यवस्थित पार्किंग और उपयोग योग्य फुटपाथ उपलब्ध करवाने की मांग की है। उनका कहना है कि गलत पार्किंग, व्यावसायिक अतिक्रमण और अन्य अवरोधों के कारण सड़कें संकरी हो जाती हैं और यातायात प्रभावित होता है।

समाजसेवी संस्थाओं के अनुसार, यातायात नियमों को लागू करने का उद्देश्य सड़क सुरक्षा बढ़ाना और व्यवस्था सुधारना होना चाहिए। इसलिए प्रशासन को चालान काटने के साथ-साथ बुनियादी समस्याओं के समाधान पर भी ध्यान देना चाहिए, ताकि वाहन चालकों और पैदल यात्रियों दोनों को राहत मिल सके।

पूर्व डीजीपी मुस्तफा ने जताया जान का खतरा, मांगी सुरक्षा

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) मोहम्मद मुस्तफा ने अपनी और परिवार की जान को खतरा बताते हुए पुलिस के आला अधिकारियों से सुरक्षा की गुहार लगाई है। उन्होंने मलेरकोटला के एक निवासी पर धमकियां देने, आपराधिक साजिश रचने और मानहानि के आरोप लगाए हैं। मुस्तफा ने मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित करने की मांग की है। मलेरकोटला के एसएसपी हरकमल प्रीत सिंह की निगरानी में थाना सिटी-1 पुलिस शिकायत की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि धमकियों के पीछे के तथ्यों और आरोपों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी। मुस्तफा आतंकवाद के दौर में पंजाब पुलिस में सेवाएं दे चुके हैं। अक्टूबर 2025 में उनके बेटे अकील अख्तर की पंचकूला स्थित आवास पर संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। इसके बाद मलेरकोटला निवासी शमशुद्दीन चौधरी ने पंचकूला पुलिस में शिकायत दी थी। अप्रैल 2026 में मुस्तफा की शिकायत पर मलेरकोटला पुलिस ने कथित मानहानि के मामले में प्राथमिकी दर्ज की थी। अब उन्होंने अपनी और परिवार की सुरक्षा को लेकर नई शिकायत दी है। पुलिस मामले से जुड़े आरोपों और उपलब्ध साक्ष्यों की जांच कर रही है।

20 अक्टूबर को पंजाब पहुंचेंगे शाह, नशे और कानून-व्यवस्था पर उठेंगे सवाल

अमित शाह के दौरे से पहले पंजाब में नशे पर सियासत तेज

भाजपा ने नशामुक्त पंजाब की मांग उठाई, आप सरकार पर साधा निशाना

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब में नशे की समस्या और कानून-व्यवस्था को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। शिरोमणि अकाली दल और कांग्रेस के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) भी इन मुद्दों पर आम आदमी पार्टी (आप) सरकार को घेर रही है। इसी बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के 20 अक्टूबर को प्रस्तावित पंजाब दौरे से पहले भाजपा नेता ने राज्य को नशामुक्त बनाने के लिए निर्णायक कार्रवाई की जरूरत पर जोर दिया है। भाजपा ने नशे की समस्या से निपटने, युवाओं को सुरक्षित रखने और राज्य के भविष्य को लेकर सामूहिक प्रयास करने की अपील की है।

भाजपा नेता ने इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट कर अमित शाह का पंजाब दौरे पर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि पंजाब इस समय नशे की गंभीर समस्या का सामना कर रहा है। ऐसे



में मजबूत नेतृत्व, ठोस कार्रवाई और युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए दृढ़ संकल्प की आवश्यकता है। उन्होंने लोगों से नशे के खिलाफ अभियान में सहयोग करने और पंजाब को नशामुक्त बनाने के प्रयासों में भागीदारी निभाने की अपील की।

पोस्ट में आम आदमी पार्टी की सरकार पर भी निशाना साधा गया। भाजपा नेता ने दावा किया कि आप सरकार अपने कार्यकाल के दौरान ही जनता का विश्वास खो चुकी है। उन्होंने राज्य के युवाओं को नशे से बचाने और पंजाब का भविष्य सुरक्षित करने के लिए एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया। हालांकि, ये टिप्पणियां भाजपा नेता के राजनीतिक आरोप हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अमित शाह अपने पंजाब दौरे के दौरान मानसा, संगरूर और गुरदासपुर जा सकते हैं। इस दौरान उनके पीड़ित परिवारों से मुलाकात करने की भी संभावना जताई जा रही है। दौरे के दौरान नशे की समस्या और कानून-व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए जा सकते हैं।

मानसा में परविंदर सिंह झोटा की हत्या के बाद अमित शाह ने इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट कर पंजाब के हालात को लेकर राज्य सरकार से जवाब मांगने की बात कही थी। इस घटना के बाद नशे के खिलाफ काम करने वाले लोगों की सुरक्षा और राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर भी राजनीतिक बहस तेज हुई है।

नशामुक्ति यात्रा निकाल चुकी है भाजपा

पंजाब में नशे के मुद्दे को लेकर भाजपा पहले भी अभियान चला चुकी है। पार्टी की ओर से नशामुक्ति यात्रा निकाली गई थी, जिसमें कई केंद्रीय मंत्रियों ने हिस्सा लिया था। भाजपा लगातार नशे की समस्या को लेकर राज्य सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रही है। दूसरी ओर, कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल भी नशे और कानून-व्यवस्था के मुद्दों पर सरकार की आलोचना कर रहे हैं।अमित शाह का प्रस्तावित पंजाब दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब राज्य में नशे की समस्या और कानून-व्यवस्था राजनीतिक चर्चा के प्रमुख विषय बने हुए हैं। भाजपा इस दौरे के माध्यम से इन मुद्दों को प्रमुखता से उठा सकती है। वहीं, दौरे के दौरान होने वाली बैठकों, मुलाकातों और बयानों से राज्य की राजनीति में इन विषयों पर बहस आगे बढ़ने की संभावना है।

बकाया चुकाने के लिए कंपनी को एक माह की मोहलत

ईडी जांच के बीच पंजाब सरकार का बड़ा फैसला

मोहाली की कंपनी की 40 करोड़ की छूट रद्द

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। मोहाली में दिल्ली की कंपनी रेमिगेट बिल्डेस्टेट्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड को आवंटित व्यावसायिक साइट के मामले में पंजाब सरकार ने करीब 40 करोड़ रुपये की छूट रद्द कर दी है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच के बीच राज्य के आवास एवं शहरी विकास विभाग ने पहले दी गई राहत को वापस लेने का फैसला किया है। सरकार ने ग्रेटर मोहाली एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (गमाडा) को बकाया राशि की दोबारा गणना करने के निर्देश दिए हैं। कंपनी को संशोधित बकाया चुकाने के लिए एक महीने का समय मिलेगा। निर्धारित अवधि में भुगतान नहीं करने पर साइट का आवंटन रद्द करने और जमा राशि जब्त करने की कार्रवाई की जा सकती है।

आवास एवं शहरी विकास विभाग के प्रधान सचिव विकास गर्ग ने 15 अक्टूबर को 19 पन्नों का आदेश जारी कर गमाडा के अपीलीय प्रशासक के पांच फरवरी 2026 के आदेश को खारिज कर दिया। इसके साथ ही दिसंबर 2025 में संपदा अधिकारी (आवास) की ओर से किस्तों के भुगतान में दी गई रियायत भी वापस ले ली गई है। सरकार के इस फैसले को सार्वजनिक राजस्व की सुरक्षा और आवंटन संबंधी नियमों के पालन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

यह मामला मोहाली के सेक्टर-62 में 1.13 एकड़ के फूड कोर्ट स्थल से जुड़ा है। सितंबर 2015 में नीलामी के माध्यम से यह साइट कंपनी को 32.50 करोड़ रुपये में आवंटित की गई थी। कंपनी ने शुरुआत में कुल कीमत का 20 प्रतिशत जमा कराया था। इसके बाद करीब 19.87 करोड़ रुपये की एक किस्त भी जमा कराई गई। हालांकि, बकाया भुगतान को लेकर कंपनी और गमाडा के बीच विवाद पैदा हो गया।

कंपनी का दावा था कि बार-बार मांग करने के बावजूद उसे सभी बाधाओं से मुक्त साइट उपलब्ध नहीं कराई गई। दूसरी ओर, प्राधिकरण ने बकाया राशि का भुगतान नहीं होने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया था।



ईडी की जांच के दायरे में आवंटन का मामला

साइट आवंटन और बकाया राशि में छूट का मामला ईडी की जांच के दायरे में है। अगस्त में एजेंसी ने गमाडा के तीन अधिकारियों को समन जारी कर संबंधित रिकॉर्ड और दस्तावेज उपलब्ध कराने को कहा था। इनमें मुख्य अभियंता अजय गर्ग, पूर्व मुख्य अभियंता सुनील कंसल और तत्कालीन भूमि अधिग्रहण अधिकारी हरदीप सिंह शामिल हैं। पिछले महीने गमाडा कार्यालय में ईडी की तीन दिन तक चली तलाशी के बाद मामले ने और गंभीर रूप ले लिया। एजेंसी ने जांच के दौरान आरोप लगाया था कि बिना बिके भूमि के टुकड़ों के आरक्षित मूल्य में कथित हेरफेर से गमाडा और पंजाब सरकार को करीब 10,000 करोड़ रुपये का संभावित नुकसान हो सकता है।

झोटा हत्याकांड पर भाजपा सख्त, न्याय मिलने तक काली पगड़ी पहनेंगे ढिल्लों

मानसा में चल रहे मोर्चे को समर्थन, पंजाब सरकार पर बढ़ाया दबाव

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब में परविंदर सिंह झोटा हत्याकांड को लेकर न्याय की मांग तेज हो रही है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने मामले में इंसाफ मिलने तक काली पगड़ी बांधकर आम आदमी पार्टी सरकार के खिलाफ अपना विरोध जारी रखने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि जब तक परविंदर सिंह झोटा के परिवार को न्याय नहीं मिलता, तब तक वह काली पगड़ी पहनकर विरोध जताते रहेंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भाजपा पीड़ित परिवार और इंसाफ की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन के साथ खड़ी है।

शनिवार को केवल सिंह ढिल्लों मानसा पहुंचे, जहां उन्होंने परविंदर सिंह झोटा को न्याय दिलाने के लिए चल रहे मोर्चे में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने पंजाब के लोगों से अपील की कि वे



न्याय मिलने तक काली पगड़ियां, काली चुन्नियां और काले झंडे लेकर अपना विरोध दर्ज कराएं। उनके अनुसार, इस तरह शांतिपूर्ण तरीके से विरोध जताकर मामले में न्याय की मांग को मजबूत किया जा सकता है।

झोटा हत्याकांड को लेकर मानसा में चल रहे मोर्चे में पीड़ित परिवार और समर्थकों की ओर से न्याय की मांग की जा रही है। केवल सिंह ढिल्लों ने आंदोलन को समर्थन देते हुए कहा कि भाजपा इस संघर्ष में हर स्तर पर सहयोग करेगी।

पंजाब सरकार पर बढ़ रहा राजनीतिक दबाव

हत्याकांड को लेकर मानसा में चल रहे मोर्चे के बीच भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के विरोध के ऐलान से मामला राजनीतिक रूप से भी चर्चा में आ गया है। भाजपा ने राज्य सरकार से न्याय सुनिश्चित करने और मामले में प्रभावी कार्रवाई की मांग की है। वहीं, आंदोलन से जुड़े लोगों की नजर पुलिस जांच और आगे होने वाली कार्रवाई पर है। केवल सिंह ढिल्लों ने दोहराया कि न्याय मिलने तक उनका विरोध जारी रहेगा। काली पगड़ी पहनने का उनका फैसला पीड़ित परिवार के प्रति समर्थन और न्याय की मांग से जुड़ा है। आने वाले दिनों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि जांच में क्या प्रगति होती है और पीड़ित परिवार की मांगों पर क्या कार्रवाई की जाती है।

पठानकोट में 60 इमारतों पर बुलडोजर का खतरा, 150 परिवार प्रभावित



अशोक ठाकुर, पठानकोट। पठानकोट में अमृतसर-पठानकोट-कुल्लू मार्ग पर इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट की 47.41 एकड़ भूमि को लेकर 31 साल से चल रहे कानूनी विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाएं खारिज कर दी हैं। अदालत के फैसले के बाद अब ट्रस्ट के लिए जमीन पर कब्जा लेने का रास्ता साफ हो गया है। इससे इस भूमि पर बनी करीब 40 रिहायशी मकानों सहित लगभग 60 इमारतों पर कार्रवाई का खतरा मंडरा रहा है। इस जमीन पर 14 वर्कशॉप, छह बड़े शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, गोदाम, मेडिकल लैब और बाजार भी बने हैं। ट्रस्ट अधिकारियों के मुताबिक, 1995 में जारी अधिग्रहण अधिसूचना के बाद हुए निर्माण हटाकर कब्जे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट ने 1995 में पॉकेट-सी, एरिया-1 की 47.41 एकड़ जमीन के अधिग्रहण की अधिसूचना जारी की थी। सितंबर 2023 में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने ट्रस्ट के पक्ष में फैसला सुनाया था।

चंडीगढ़ में मार्च तक मुफ्त ई-रिक्शा सेवा का होगा विस्तार

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) में हिंसा की घटनाओं की जांच को लेकर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने सोमवार को पंजाब सरकार की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई। अदालत ने इंटरनेट मीडिया पर दो लड़कियों के यौन उत्पीड़न और हत्या का दावा करने वाली पोस्ट साझा करने वाली 18 वर्षीय छात्रा से पुलिस की पूछताछ पर सवाल उठाए। मुख्य न्यायाधीश अश्वनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति रोहित कपूर की खंडपीठ ने कहा कि यह पता लगाना जरूरी है कि छात्रा ने जानबूझकर संदेश प्रसारित किया या किसी अन्य व्यक्ति ने उसका इस्तेमाल करके पोस्ट साझा करवाई। अदालत ने मामले की गंभीरता से जांच करने के निर्देश दिए।

सुनवाई के दौरान पंजाब सरकार ने बताया कि छात्रा ने इंटरनेट मीडिया मंच के माध्यम से संदेश आगे भेजा था, लेकिन उसका कोई आपराधिक इरादा नहीं था। पुलिस की ओर से छात्रा के बयान से संबंधित रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में अदालत के समक्ष पेश की गई। हालांकि, अदालत ने लिफाफे की जांच की तो उसमें छात्रा का बयान मौजूद नहीं मिला। इस पर खंडपीठ ने नाराजगी जताते हुए जांच प्रक्रिया पर सवाल उठाए।



328 नई बसों से शहर की परिवहन व्यवस्था होगी मजबूत

पदोन्नति में देरी से पंजाब के स्कूलों में नेतृत्व संकट बढ़ा

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब के सरकारी स्कूलों में प्रिंसिपलों के रिक्त पद और लेक्चररों की लंबित पदोन्नति शिक्षा विभाग के लिए चुनौती बनती जा रही है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, राज्य में प्रिंसिपलों के 1,927 स्वीकृत पदों में से 1,113 खाली हैं। शिक्षक संगठनों का कहना है कि पदोन्नति में देरी के कारण कई शिक्षक बिना प्रिंसिपल बने ही सेवानिवृत्त हो रहे हैं। डेमोक्रेटिक टीचर्स फ्रंट के जून में जारी आंकड़ों के मुताबिक, जालंधर में प्रिंसिपलों के 159 पदों में से 110 रिक्त हैं। एसबीएस नगर में 52 में से 45 और मानसा में 73 में से 63 पद खाली हैं। वहीं, अमृतसर में 119 में से 47 और पटियाला में 109 में से 39 पदों पर नियुक्तियां नहीं हुई हैं। लेक्चरर प्रमोशन फ्रंट के अनुसार, नवंबर 2022 में 194 लेक्चररों को पदोन्नति दी गई थी। इसके बाद से नई पदोन्नति नहीं हुई। फ्रंट के हरमिंदर देयोल का कहना है कि इससे प्रिंसिपलों की नियुक्ति प्रक्रिया भी प्रभावित हो रही है।

हलवारा से दिल्ली का सफर आसान, दिन में दो उड़ानें शुरू

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना। पंजाब से दिल्ली आने-जाने वाले यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। एयर इंडिया ने लुधियाना के हलवारा हवाई अड्डे और नई दिल्ली के बीच संचालित होने वाली उड़ानों का शीतकालीन समय जारी कर दिया है। नया समय 25 अक्टूबर से प्रभावी होगा। इसके तहत दोनों शहरों के बीच दिन में दो बार विमान सेवा उपलब्ध रहेगी। सुबह और शाम की उड़ानों से व्यापारिक वर्ग, नौकरीपेशा लोगों और अन्य यात्रियों को अपनी यात्रा की योजना बनाने में सुविधा मिलेगी। एयरलाइन की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार, यात्रियों को नए समय के मुताबिक अपनी यात्रा की तैयारी करनी होगी। उड़ानों के समय में बदलाव को देखते हुए टिकट बुक करने से पहले संबंधित उड़ान की स्थिति और समय की पुष्टि करना भी जरूरी होगा।



- **25 अक्टूबर से लागू होगा शीतकालीन उड़ान कार्यक्रम, यात्रियों को मिलेगी बेहतर सुविधा**

सुबह के समय दिल्ली से हलवारा आने वाली उड़ान संख्या एआई 481 नई दिल्ली से सुबह 9:50 बजे रवाना होगी और सुबह 11:05 बजे हलवारा हवाई अड्डे पर पहुंचेगी। इसके बाद वापसी की उड़ान संख्या एआई 482 हलवारा से सुबह 11:40 बजे उड़ान भरेगी और दोपहर 12:55 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। इस समय-सारिणी से सुबह दिल्ली पहुंचने और दोपहर में वापस लौटने की योजना बनाने वाले यात्रियों को सुविधा मिल सकती है।

गुटबाजी मनीष तिवारी और लक्की समर्थकों को मिली जगह, पवन बंसल गुट रहा बाहर

चंडीगढ़ कांग्रेस में गुटबाजी, चुनाव समितियों के गठन से बढ़ी चुनौती

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

दिसंबर में प्रस्तावित नगर निगम चुनाव से पहले चंडीगढ़ कांग्रेस में गुटबाजी एक बार फिर उभरकर सामने आती दिखाई दे रही है। चुनाव की तैयारियों को गति देने के लिए गठित की गई विभिन्न समितियों में सांसद मनीष तिवारी और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एचएस लक्की के करीबी नेताओं को जगह मिली है, जबकि पूर्व केंद्रीय मंत्री पवन कुमार बंसल गुट से जुड़े नेताओं को प्रतिनिधित्व नहीं मिलने से पार्टी के भीतर राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। समिति गठन को कांग्रेस के आंतरिक शक्ति संतुलन और स्थानीय नेतृत्व के बीच चल रहे सियासी समीकरणों से जोड़कर देखा जा रहा है।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ने चुनाव प्रबंधन एवं समन्वय, प्रचार, घोषणा पत्र और अनुशासनात्मक कार्रवाई समितियों के गठन को मंजूरी दी है। सभी नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी। इन समितियों को नगर निगम चुनाव की तैयारियों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभानी होगी। हालांकि, पार्टी के सामने विभिन्न गुटों के बीच तालमेल बैठाने और चुनावी रणनीति को एक दिशा देने की चुनौती भी रहेगी। शहर के 35 वार्डों में मजबूत उम्मीदवारों का चयन, प्रचार अभियान की रूपरेखा तैयार करना और स्थानीय समस्याओं को चुनावी मुद्दा बनाना पार्टी की प्राथमिकताओं में शामिल होगा।



पूर्व केंद्रीय मंत्री पवन कुमार बंसल, सांसद मनीष तिवारी और प्रदेशाध्यक्ष एचएस लक्की।

घोषणा पत्र और अनुशासन समितियां भी गठित

घोषणा पत्र समिति की अध्यक्षता कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता राजीव शर्मा करेंगे। समिति में जीएस काम्बोज, मीनाक्षी चौधरी, जतिन सिंह, इमरान मंसूरी, यदविंदर मेहता और पूर्व मेयर प्रदीप छाबड़ा की पत्नी रितु छाबड़ा को शामिल किया गया है। समिति स्थानीय समस्याओं और जनता की अपेक्षाओं के आधार पर पार्टी के चुनावी वादों को तैयार करने का काम करेगी। वहीं, अनुशासनात्मक कार्रवाई समिति में पवन शर्मा, सुरिंदर सिंह, जतिंदर भाटिया, एनके नंदा, अच्छेलाल गौर, अनीता शर्मा और बीएम खन्ना को जगह मिली है। यह समिति संगठन में अनुशासन बनाए रखने से जुड़े मामलों पर काम करेगी। कुल मिलाकर, समितियों के गठन के बाद कांग्रेस ने चुनावी तैयारियों की दिशा में कदम बढ़ाया है, लेकिन गुटीय मतभेदों के बीच सभी नेताओं को साथ लेकर चलना प्रदेश नेतृत्व के लिए बड़ी परीक्षा होगी।

चंद्र मुखी शर्मा को चुनाव प्रबंधन की कमान

चुनाव प्रबंधन एवं समन्वय समिति का संयोजक चंद्र मुखी शर्मा को बनाया गया है। उन्हें सांसद मनीष तिवारी का करीबी माना जाता है। समिति में पूर्व मेयर रविंदर सिंह पाली, मीनाक्षी चौधरी, दयाल प्रताप सिंह रंधावा, संदीप कपूर, अमित जायसवाल, अच्छेलाल गौर, आनंद वालिया, गुरदर्शन सिंह, जीशान उल हक और मनोज फूल सिंह को शामिल किया गया है। यह समिति चुनाव संबंधी संगठनात्मक गतिविधियों के संचालन, नेताओं के बीच समन्वय और चुनावी तैयारियों को व्यवस्थित करने में भूमिका निभाएगी। मनोज फूल सिंह पूर्व डिप्टी मेयर शीला के बेटे हैं।

महिला अधिकारी से दुर्व्यवहार पर कांग्रेस महिला मोर्चा का प्रदर्शन, इस्तीफे की मांग

महिला अधिकारी को न्याय दिलाने की मांग, श्रीनगर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के श्रम एवं रोजगार विभाग के प्रशासनिक सचिव राजीव रंजन और जम्मू-कश्मीर प्रशासनिक सेवा की अधिकारी बीनिश वानी के बीच विवाद लगातार तूल पकड़ रहा है। महिला अधिकारी के साथ कथित दुर्व्यवहार के विरोध में प्रदेश कांग्रेस महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने श्रीनगर में प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने संबंधित अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और बीनिश वानी को न्याय दिलाने की मांग उठाई। इस दौरान मुख्य चुनाव अधिकारी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग भी की गई।

प्रदर्शन के लिए श्रीनगर स्थित कांग्रेस मुख्यालय में बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता एकत्र हुईं। उन्होंने नारेबाजी करते हुए राजीव रंजन को पद से हटाने की मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि महिला अधिकारियों के साथ किसी भी तरह का दुर्व्यवहार स्वीकार नहीं किया जा सकता। प्रशासन को मामले को गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष जांच करनी चाहिए और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ उचित कार्रवाई करनी चाहिए।



महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने कहा कि महिलाओं के अधिकारों और सम्मान से जुड़े मामलों में प्रशासन को संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। उन्होंने मांग की कि शिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई हो और किसी भी अधिकारी को पद का दुरुपयोग करने की छूट न मिले। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो वे आंदोलन तेज करेंगी।

महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने कहा कि सरकारी संस्थानों में काम करने वाली महिलाओं को सम्मानजनक और सुरक्षित वातावरण मिलना चाहिए। यदि किसी महिला अधिकारी के साथ अनुचित व्यवहार होता है तो उसकी शिकायत पर उचित प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने बीनिश वानी के मामले में भी न्याय सुनिश्चित करने की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव अधिकारी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए नारे लगाए। इसके बाद उन्होंने कांग्रेस मुख्यालय से बाहर निकलकर घंटाघर की ओर मार्च करने का प्रयास किया। हालांकि, पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। इस दौरान पुलिस ने हल्के बल का प्रयोग कर प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित किया।

प्रदर्शनकारियों ने अपना विरोध जारी रखते हुए मुख्य चुनाव अधिकारी ज्ञानेश कुमार का पुतला भी फूंका। उन्होंने कहा कि संबंधित मुद्दों पर जवाबदेही तय होनी चाहिए और प्रशासन को उनकी मांगों पर ध्यान देना चाहिए।

श्रम एवं रोजगार विभाग के प्रशासनिक सचिव राजीव रंजन और अधिकारी बीनिश वानी के बीच विवाद के बाद मामला लगातार चर्चा में है। कांग्रेस महिला मोर्चा के प्रदर्शन से यह मुद्दा राजनीतिक रूप से भी गरमा गया है। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित कदम उठाए जाएं, ताकि महिला अधिकारी को न्याय मिल सके और सरकारी कार्यस्थलों पर महिलाओं के सम्मान की रक्षा हो।

25 अक्टूबर से लखनपुर-जम्मू तक निकलेगी बहुजन हक यात्रा

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में संवैधानिक अधिकारों, सामाजिक न्याय, समानता और बहुजन एकता का संदेश देने के लिए 25 अक्टूबर से तीन दिवसीय बहुजन हक यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा लखनपुर से शुरू होकर 27 अक्टूबर को जम्मू के डॉ. बी.आर. अंबेडकर चौक पर संपन्न होगी। इसका आयोजन बहुजन हक यात्रा समन्वय समिति की ओर से किया जा रहा है। आयोजकों के अनुसार, यात्रा का उद्देश्य आरक्षण नीतियों को प्रभावी ढंग से लागू करवाना, विभिन्न विभागों में खाली पड़े आरक्षित पदों को भरना तथा शिक्षा और रोजगार में समान अवसर सुनिश्चित करने की मांग उठाना है। इसके साथ ही लोगों को उनके संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाएगा। यात्रा के दौरान महिलाओं के अधिकारों, सुरक्षा, सम्मान और सशक्तीकरण के मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाया जाएगा। प्रस्तावित मार्ग में कालीबाड़ी, हीरानगर, सांबा, विजयपुर, बड़ी ब्राह्मणा और सतवारी सहित कई क्षेत्र शामिल हैं। भीम क्रांति सेना, भीम आर्मी, अंबेडकर युवा संगठन और विभिन्न दलित एवं पिछड़ा वर्ग संगठनों ने यात्रा को समर्थन दिया है।

मौसम साफ होते ही कटाई में जुटे किसान, जल्द मुआवजा देने की मांग

बारिश-ओलावृष्टि से धान बर्बाद, मुआवजे के लिए किसानों ने दी आंदोलन की चेतावनी

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

मीरा साहिब, 18 अक्टूबर। जम्मू के मीरा साहिब क्षेत्र में बारिश और ओलावृष्टि के बाद मौसम साफ होते ही किसानों ने धान की कटाई शुरू कर दी है। खेतों में पानी भरने और फसल को भारी नुकसान पहुंचने के बावजूद किसान बची-खुची उपज समेटने में जुटे हैं। किसानों का कहना है कि अगली रबी की फसल की बुवाई के लिए खेत खाली करना जरूरी है, इसलिए नुकसान के बावजूद उन्हें कटाई का काम शुरू करना पड़ रहा है।



बारिश ने बर्बाद कर दी धान की खेती।

क्षेत्र में पिछले दिनों हुई लगातार बारिश और ओलावृष्टि से धान की फसल प्रभावित हुई है। कई खेतों में पानी भरने से फसल को नुकसान पहुंचा है। किसानों के अनुसार, उनकी अधिकांश उपज बर्बाद हो चुकी है और जो फसल बची है, उसे जल्द से जल्द घर पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्हें आशंका है कि खेतों में पानी भरा रहने और कटाई में देरी होने से बची हुई फसल को भी नुकसान पहुंच सकता है।

किसान धर्मपाल चौधरी, अमित सिंह, राजेश कुमार और गुलशन शर्मा सहित अन्य किसानों ने कहा कि प्राकृतिक आपदा के कारण उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। खेती पर निर्भर परिवारों के सामने अब अगली फसल की तैयारी और रोजमर्रा के खर्चों को पूरा करने की चुनौती खड़ी हो गई है। किसानों का कहना है कि धान की फसल खराब होने से उनकी आय प्रभावित हुई है, जबकि अगली फसल की बुवाई के लिए बीज, खाद और खेत तैयार करने पर भी खर्च करना होगा।

किसानों ने आरोप लगाया कि फसल को भारी नुकसान पहुंचने के बावजूद अब तक मुआवजे की घोषणा नहीं की गई है। उन्होंने प्रशासन से प्रभावित खेतों का जल्द सर्वेक्षण और गिरदावरी करवाने की मांग की है, ताकि नुकसान का सही आकलन हो सके और पात्र किसानों को उचित राहत मिल सके। किसानों का कहना है कि समय पर मुआवजा मिलने से उन्हें अगली फसल की बुवाई करने में मदद मिलेगी और आर्थिक संकट से उबरने का अवसर मिलेगा।

किसानों ने सरकार और प्रशासन से जल्द राहत देने की अपील की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि फसल के नुकसान का आकलन कर उचित मुआवजा देने की प्रक्रिया शुरू नहीं की गई तो वे सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। किसानों ने कहा कि उनकी मांग है कि प्रभावित परिवारों को जल्द राहत मिले, ताकि वे अगली फसल की तैयारी कर सकें। मीरा साहिब क्षेत्र के गांव गाजिया में मौसम साफ होने के बाद किसान धान की कटाई में जुटे हुए हैं। जम्मू के मीरा साहिब क्षेत्र में बारिश और ओलावृष्टि से धान की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। मौसम साफ होने के बाद किसान बची हुई फसल की कटाई में जुट गए हैं। किसानों ने प्रशासन से नुकसान की गिरदावरी करवाकर उचित मुआवजा देने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि राहत नहीं मिलने पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

बिना पुलिस सत्यापन किरायेदार रखने पर जम्मू में मकान मालिक पर केस दर्ज

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू शहर में बिना अनिवार्य पुलिस सत्यापन किरायेदार रखने वाले मकान मालिकों के खिलाफ पुलिस ने सख्ती बढ़ा दी है। इसी कड़ी में रिहाड़ी इलाके में बिना पुलिस सत्यापन कुलगाम निवासी को मकान किराये पर देने के आरोप में एक मकान मालिक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने यह कार्रवाई जिला मजिस्ट्रेट जम्मू की ओर से जारी आदेश के उल्लंघन के मामले में की है। पुलिस के अनुसार, रिहाड़ी पुलिस चौकी की टीम जांच और सत्यापन ड्यूटी पर थी। इसी दौरान जानकारी मिली कि न्यू प्लाट निवासी अनमोल भारद्वाज ने कुलगाम निवासी सरताज अहमद को रहने के लिए मकान दिया था। आरोप है कि मकान मालिक ने किरायेदार को रखने से पहले संबंधित पुलिस थाने या चौकी में उसका अनिवार्य सत्यापन नहीं करवाया था। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने इसे जिला मजिस्ट्रेट जम्मू की ओर से किरायेदारों के सत्यापन को लेकर जारी आदेश का उल्लंघन माना। एसएचओ पक्का डंगा राकेश मैनी के अनुसार, इस संबंध में पक्का डंगा पुलिस थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अब मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

जम्मू की गुर्जर कॉलोनी में फ्लाईओवर के पास मिला शव

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू के चन्नी हिम्मत स्थित गुर्जर कॉलोनी इलाके में रविवार सुबह एक निर्माणाधीन फ्लाईओवर के पास करीब 50 वर्षीय व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में हलचल मच गई। स्थानीय लोगों ने सुबह शव देखा और इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में ले लिया। अधिकारियों के अनुसार, शव को आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस उसकी पहचान करने के प्रयास कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि मामले का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी गई है। व्यक्ति की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका पता जांच और आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद ही चल सकेगा।

रामबन में ट्रक की चपेट में आने से हाईवे कर्मचारी की मौत, कंडक्टर घायल

खराब ट्रक हटाते समय दूसरे ट्रक की चपेट में आया कर्मचारी, मौत

भारतेंदु संवाददाता, रामबन

जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार सुबह हुए सड़क हादसे में राजमार्ग निर्माण कंपनी से जुड़े एक कर्मचारी की मौत हो गई, जबकि ट्रक का कंडक्टर घायल हो गया। हादसा सेरी के पास उस समय हुआ, जब सड़क पर खराब पड़े एक ट्रक को हटाने का काम किया जा रहा था। इसी दौरान वहां से गुजर रहे दूसरे ट्रक की चपेट में आने से कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गया।



एआई निर्मित चित्र

मृतक की पहचान किश्तवाड़ जिले के बोंजवा निवासी शौकत अली के बेटे मोहम्मद आजम (30) के रूप में हुई है। वहीं, घायल ट्रक कंडक्टर की पहचान कुपवाड़ा निवासी मोहम्मद शफी के बेटे मोहम्मद इरफान के रूप में की गई है।

जानकारी के अनुसार, बीती रात राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक ट्रक खराब हो गया था। रविवार सुबह मोहम्मद आजम उस ट्रक को हटाने के काम में जुटे हुए थे। इसी दौरान एक अन्य ट्रक वहां से गुजरा और आजम उसकी चपेट में आ गए। हादसे में उन्हें गंभीर चोटें आईं। इस दौरान ट्रक का कंडक्टर मोहम्मद इरफान भी घायल हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग, पुलिसकर्मी और रामबन की सिविल क्विक रिस्पॉन्स टीम के स्वयंसेवक मौके पर पहुंचे। उन्होंने दोनों घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल रामबन पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने मोहम्मद आजम को जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। घायल कंडक्टर का उपचार किया गया।

गांदरबल में सीआरपीएफ जवान ने शिविर में की आत्महत्या

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले के मानसबल इलाके में रविवार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान ने शिविर के अंदर आत्महत्या कर ली। अधिकारियों के अनुसार, मृतक की पहचान कांस्टेबल रंजीत दास के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया कि रंजीत दास ने मानसबल स्थित सीआरपीएफ शिविर में फांसी लगाकर जान दे दी। वह असम के कामरूप जिले की हाजो तहसील के निवासी थे। घटना की जानकारी मिलने के बाद संबंधित अधिकारियों ने आवश्यक कार्रवाई की और जवान के शव को चिकित्सकीय एवं कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के लिए भेज दिया गया। अधिकारियों के मुताबिक, जवान द्वारा यह कदम उठाने के पीछे के कारणों का तत्काल पता नहीं चल पाया है। मामले में आगे की जानकारी का इंतजार है।

लेह में हाईकोर्ट बेंच से लद्दाख को मिलेगा सुलभ न्याय

हाईकोर्ट बेंच शुरू होने से लद्दाखवासियों को अब न्याय के लिए जम्मू-श्रीनगर नहीं जाना पड़ेगा

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लोगों को अब न्याय पाने के लिए जम्मू या श्रीनगर की लंबी यात्रा नहीं करनी पड़ेगी। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्य कांत ने रविवार को लेह में जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख हाईकोर्ट की नवनिर्मित लद्दाख बेंच का उद्घाटन किया। इस बेंच के शुरू होने से क्षेत्र के लोगों को न्यायिक सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेंगी। इसे लद्दाख में न्यायिक पहुंच बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

इस अवसर पर सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा, न्यायमूर्ति अरुण पल्ली, भारत के अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणि, जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति पुष्पेंद्र सिंह भाटी, लद्दाख के उपराज्यपाल वीके सक्सेना और हाईकोर्ट के अन्य न्यायाधीश मौजूद रहे।

हाईकोर्ट प्रशासन के अनुसार, लद्दाख बेंच में 21 अक्टूबर से मामलों की सुनवाई शुरू होगी। इसके लिए कुल 75 मामलों को सूचीबद्ध किया गया है। पहले दिन मुख्य न्यायाधीश पुष्पेंद्र सिंह भाटी और न्यायमूर्ति संजय परिहार की खंडपीठ पांच मामलों की सुनवाई करेगी। इसके बाद न्यायमूर्ति परिहार गुरुवार और शुक्रवार को एकल पीठ के रूप में मामलों की सुनवाई करेंगे। इससे स्थानीय लोगों को विभिन्न न्यायिक मामलों में अपने क्षेत्र के भीतर ही सुनवाई का अवसर मिलेगा।



केंद्र सरकार ने अगस्त में लद्दाख बेंच को मंजूरी दी थी। इसके बाद हाईकोर्ट ने पांच अक्टूबर को लेह को बेंच के स्थान के रूप में अधिसूचित किया। लद्दाख के मुख्य सचिव आशीष कुंद्रा ने इसे पिछले 40 वर्षों में न्यायपालिका के इतिहास की बड़ी पहल बताया। उन्होंने कहा कि बेंच स्थापित होने से लोगों को रिट याचिकाओं सहित अन्य मामलों के लिए जम्मू और श्रीनगर जाने की लंबी और कठिन यात्रा से राहत मिलेगी।

गौरतलब है कि वर्ष 2019 में जम्मू-कश्मीर के पुनर्गठन के बाद लद्दाख अलग केंद्र शासित प्रदेश बना था। इसके बावजूद अब तक जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख हाईकोर्ट की बेंच जम्मू और श्रीनगर में ही थीं। लेह में नई बेंच शुरू होने से लद्दाख के लोगों की न्यायिक संस्थानों तक पहुंच आसान होगी और क्षेत्र में न्यायिक सेवाओं का विस्तार होगा।

बिशनाह के चुम्बिया जटा गांव में दो गाय चोरी, ग्रामीणों में रोष

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

जम्मू के बिशनाह क्षेत्र के चुम्बिया जटा गांव में बीती रात दो गाय चोरी होने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि अज्ञात लोग नागर मल की हवेली से दो गाय चुराकर ले गए। घटना की जानकारी सुबह मिलने के बाद गांव में चिंता और रोष का माहौल है। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से मामले की जांच कर चोरी हुई गायों को जल्द बरामद करने की मांग की है।



जानकारी के अनुसार, सुबह चोरी की घटना का पता चलते ही स्थानीय लोग एकत्रित हो गए। ग्रामीणों ने पशुधन की सुरक्षा को लेकर चिंता जताते हुए कहा कि ऐसी घटनाओं से पशुपालकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। उन्होंने क्षेत्र में चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग भी उठाई।

कुछ ग्रामीणों ने एक विशेष समुदाय के लोगों पर चोरी में शामिल होने का संदेह जताया है। हालांकि, इन आरोपों की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मामले में किसी की संलिप्तता जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

ग्रामीणों ने पुलिस से अपील की है कि घटना की निष्पक्ष जांच की जाए और दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाए। उन्होंने प्रशासन से गांव और आसपास के क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने की मांग भी की, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

नाले के चौड़ीकरण से 200 घरों को राहत, अधूरा काम पूरा करने की मांग

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

अधूरा नाला बना परेशानी का कारण



जम्मू के अंबेडकर नगर, त्रिकुटा नगर एक्सटेंशन और नानक नगर की गली नंबर 15 व 16 के निवासियों को नाले के चौड़ीकरण कार्य से राहत मिलने लगी है। रविवार को हुई मूसलाधार बारिश के दौरान नाले के मुहाने से अवरोध हटाए जाने के कारण पानी की निकासी बेहतर रही। इससे करीब 200 घरों में जलभराव से होने वाला बड़ा नुकसान टल गया। पहले भारी बारिश के दौरान चार से पांच फीट तक गंदा पानी घरों में घुस जाता था, जिससे लोगों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता था। इस बार गलियों में पानी का स्तर करीब एक फुट तक सीमित रहा और पानी घरों के भीतर नहीं घुसा।

करीब 1.47 करोड़ रुपये की लागत से 1.8 किलोमीटर लंबे नाले का चौड़ीकरण किया जा रहा है। हालांकि, स्थानीय निवासियों का कहना है कि अभी काम अधूरा है। नाले के किनारों पर बने पक्के निर्माण और संकरी पुलिया पानी के बहाव में बाधा पैदा करते हैं। लोगों की मांग है कि नाले को गहरा करने के साथ दोनों तरफ मजबूत आरसीसी दीवारें बनाई जाएं, ताकि बारिश के दौरान पानी की निकासी सुचारू बनी रहे। पूर्व पार्षद अजय गुप्ता ने कहा कि हर मानसून में क्षेत्र के लोगों को जलभराव की आशंका सताती थी। घरों में पानी घुसने से घरेलू सामान खराब हो जाता था। अब निर्माण कार्य शुरू होने से राहत की उम्मीद जगी है।

जम्मू-कश्मीर में 23 अक्टूबर तक मौसम शुष्क रहने के आसार

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में अगले कुछ दिनों तक मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहने की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर ने 23 अक्टूबर की शाम तक केंद्र शासित प्रदेश के अधिकांश क्षेत्रों में मौसम शुष्क बने रहने का पूर्वानुमान जताया है। हालांकि, 24 और 25 अक्टूबर को मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। इस दौरान कुछ स्थानों पर हल्की बारिश और ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी होने के आसार हैं।

मौसम विज्ञान केंद्र के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, 18 अक्टूबर को जम्मू-कश्मीर में मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहेगा। हालांकि, अधिक ऊंचाई वाले कुछ स्थानों पर थोड़े समय के लिए हल्की बर्फबारी हो सकती है। इसके बाद 19 अक्टूबर से 23 अक्टूबर की शाम तक मौसम के शुष्क बने रहने की संभावना है। इस अवधि में किसी बड़े मौसमी बदलाव के संकेत नहीं हैं।



मौसम विभाग के अनुसार, 24 और 25 अक्टूबर को आसमान में आमतौर पर बादल छाए रह सकते हैं। इस दौरान कुछ स्थानों पर हल्की बारिश होने की संभावना है, जबकि अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी हो सकती है। इसके साथ ही कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ तेज हवाएं चलने की भी आशंका जताई गई है। ऐसे में मौसम में होने वाले बदलाव को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

वहीं, 26 से 29 अक्टूबर तक मौसम एक बार फिर मुख्य रूप से शुष्क रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के इस पूर्वानुमान के अनुसार, अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में जम्मू-कश्मीर के अधिकांश हिस्सों में मौसम सामान्य रहने की संभावना है, हालांकि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में परिस्थितियां अलग हो सकती हैं।

गौरतलब है कि ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी और बारिश से तापमान में गिरावट आ सकती है। ऐसे में पहाड़ी क्षेत्रों में आने-जाने वाले लोगों और पर्यटकों को मौसम की ताजा जानकारी लेकर ही यात्रा की योजना बनाने की जरूरत है।

जम्मू में सेना अधिकारी की पत्नी पर जासूसी का आरोप

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू में सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी की पत्नी के खिलाफ देश की सुरक्षा से जुड़ी संवेदनशील जानकारी विदेशी खुफिया एजेंसियों तक पहुंचाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। महिला पर चीन समेत अन्य देशों से जुड़े कथित खुफिया एजेंटों के संपर्क में रहने और गोपनीय जानकारी साझा करने का संदेह है। गांधी नगर पुलिस थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। मिली जानकारी के अनुसार, महिला की पहचान पलपार्थी नागा अनघा लक्ष्मी के रूप में हुई है। वह तेलंगाना के सिकंदराबाद की रहने वाली बताई जा रही है और जम्मू के सतवारी सैन्य क्षेत्र में आई हुई थी। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, विश्वसनीय सूचना मिलने के बाद महिला की गतिविधियां संदेह के घेरे में आईं। आरोप है कि वह देश की सुरक्षा से जुड़े संवेदनशील दस्तावेज, तस्वीरें और इलेक्ट्रॉनिक आंकड़े एकत्र करने, अपने पास रखने तथा कथित तौर पर आगे भेजने जैसी गतिविधियों में शामिल थी। जांच एजेंसियों को संदेह है कि यह जानकारी इंटरनेट के जरिए सुरक्षित और कूटबद्ध संचार माध्यमों से चीन समेत अन्य विदेशी देशों से जुड़े कथित खुफिया एजेंटों तक पहुंचाई जा रही थी। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि कौन-सी जानकारी साझा की गई और कथित विदेशी संपर्क किन लोगों से थे।

हज 30 अक्टूबर तक पहली किस्त करनी होगी जमा, दो नवंबर तक चिकित्सा प्रमाणपत्र जरूरी रहेगा

डिजिटल चयन से 20 तीर्थयात्रियों को बिना मेहरम मिला हज का अवसर

भारतेंदु संवाददाता, कटड़ा

श्रीनगर। अगले वर्ष होने वाली हज यात्रा के लिए जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के 20 तीर्थयात्रियों का चयन बिना मेहरम यात्रा करने वाले आवेदकों की श्रेणी में किया गया है। हज कमेटी ऑफ इंडिया ने 14 अक्टूबर को आयोजित डिजिटल रैंडम चयन प्रक्रिया के माध्यम से इन आवेदकों को चुना। चयनित लोगों में जम्मू-कश्मीर के 19 और लद्दाख का एक तीर्थयात्री शामिल है। हज यात्रा की तैयारी के तहत चयनित आवेदकों को निर्धारित समयसीमा में पहली किस्त जमा करने और स्वास्थ्य संबंधी औपचारिकताएं पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं।



जम्मू-कश्मीर और लद्दाख से बिना मेहरम 20 तीर्थयात्रियों का चयन। (फाइल फोटो)

हज कमेटी ऑफ इंडिया की ओर से जारी परिपत्र के अनुसार, बिना मेहरम यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों के लिए निर्धारित 500 सीटों के मुकाबले कुल 1,044 आवेदन प्राप्त हुए थे। इनमें से 1,008 आवेदन योग्य पाए गए। उपलब्ध सीटों की तुलना में योग्य आवेदकों की संख्या अधिक होने के कारण मुंबई स्थित हज हाउस में डिजिटल रैंडम चयन प्रक्रिया आयोजित की गई। इसी प्रक्रिया के तहत विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के आवेदकों का चयन किया गया।

हज कमेटी ने चयनित आवेदकों के साथ प्रतीक्षा सूची भी जारी की है। इस सूची में कुल 508 तीर्थयात्रियों को शामिल किया गया है, जिनमें जम्मू-कश्मीर के 17 आवेदक भी हैं। प्रतीक्षा सूची में शामिल आवेदकों को आगे सीट उपलब्ध होने की स्थिति में अवसर मिल सकता है। हालांकि, इसके लिए हज कमेटी की ओर से जारी निर्देशों और संबंधित प्रक्रिया का पालन करना होगा।

चयनित तीर्थयात्रियों को 30 अक्टूबर, 2026 तक हज यात्रा की पहली किस्त के रूप में 1,52,300 रुपये जमा करने होंगे। भुगतान हज कमेटी की आधिकारिक वेबसाइट या हज सुविधा ऐप के माध्यम से क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड अथवा नेट बैंकिंग से किया जा सकता है। इसके अलावा, निर्धारित भुगतान पर्ची और बैंक संदर्भ संख्या का इस्तेमाल कर भारतीय स्टेट बैंक या यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की शाखाओं में भी राशि जमा कराई जा सकती है।

2 नवंबर तक मेडिकल प्रमाणपत्र जमा करना जरूरी

हज कमेटी ने चयनित आवेदकों को प्राथमिक चिकित्सा जांच पूरी कराने और स्वास्थ्य संबंधी औपचारिकताएं समय पर पूरी करने के निर्देश दिए हैं। आवेदकों को दो नवंबर, 2026 तक प्राथमिक चिकित्सा जांच एवं फिटनेस प्रमाणपत्र के साथ भुगतान रसीद की प्रति जमा या अपलोड करनी होगी। यह प्रक्रिया हज कमेटी के एक और 15 सितंबर, 2026 को जारी परिपत्रों के अनुसार पूरी की जानी है। कमेटी ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समयसीमा में भुगतान नहीं करने, चिकित्सा जांच पूरी नहीं कराने या जरूरी दस्तावेज जमा करने में विफल रहने पर आवंटित सीट रद्द की जा सकती है।

अपनी मांगों को

मनवाने के लिए क्या हिंसा ही एकमात्र रास्ता है



भारत का इतिहास इस बात का साक्षी है कि बिना हिंसा के भी बड़े-बड़े परिवर्तन किए जा सकते हैं। सत्य और अहिंसा के पुजारी महात्मा गांधी ने अंग्रेजों के अन्यायपूर्ण कानूनों का विरोध सत्याग्रह, असहयोग आंदोलन और दांडी मार्च जैसे शांतिपूर्ण तरीकों से किया था। उनका मानना था कि अन्याय का विरोध दृढ़ता से किया जाना चाहिए, लेकिन विरोध करते समय मानवता और नैतिकता का साथ कभी नहीं छोड़ना चाहिए। उनके आंदोलनों ने सिद्ध किया कि जनता की एकता, साहस और शांतिपूर्ण संघर्ष अन्यायपूर्ण व्यवस्था को चुनौती देने की क्षमता रखते हैं।

अहिंसा का अर्थ अन्याय को चुपचाप सहना नहीं है, बल्कि उसके विरुद्ध मजबूती से खड़े होना है। इसका अर्थ है अपने उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए किसी को शारीरिक या मानसिक नुकसान पहुंचाए बिना संघर्ष करना। शांतिपूर्ण विरोध भी सत्ता और व्यवस्था को झुकाने की क्षमता रखता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिकों के पास अपनी मांगों को सरकार और प्रशासन तक पहुंचाने के अनेक साधन उपलब्ध हैं। शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन, रैलियां, हस्ताक्षर अभियान, जनसभाएं, ज्ञापन सौंपना और भूख हड़ताल जैसे तरीके अपनाए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त न्यायालय और मीडिया के माध्यम से भी जनमत तैयार कर किसी मुद्दे को प्रभावी ढंग से उठाया जा सकता है।

यदि किसी समस्या का समाधान बातचीत से निकल सकता है, तो उसे प्राथमिकता देनी चाहिए। सरकार और प्रशासन का भी दायित्व है कि वे लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुनें और उनके साथ निष्पक्ष व्यवहार करें। जब तक जनता और प्रशासन के बीच संवाद बना रहता है, विवादों के हिंसक रूप लेने की आशंका कम हो जाती है। हालांकि, कई बार शांतिपूर्ण आंदोलनों की मांगों को लंबे समय तक अनदेखा किया जाता है। ऐसी स्थिति में लोगों का आक्रोश बढ़ना स्वाभाविक है, फिर भी हिंसा के बजाय आंदोलन को संगठित करके आगे बढ़ाना और लोकतांत्रिक संस्थाओं के माध्यम से दबाव बनाए रखना अधिक जिम्मेदार और टिकाऊ रास्ता है।

हिंसा से केवल देश की संपत्ति और जनजीवन को नुकसान नहीं पहुंचता, बल्कि समाज में भय, अविश्वास और वैमनस्य भी पैदा होता है। हिंसक गतिविधियों के कारण उचित मांगों का महत्व पीछे छूट जाता है और चर्चा का केंद्र आंदोलनकारियों की हिंसा बन जाती है। इससे जनता का समर्थन कम हो सकता है। इसके विपरीत, अनुशासित और शांतिपूर्ण आंदोलन लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है, समस्या की वास्तविकता सामने लाता है और सरकार पर नैतिक तथा लोकतांत्रिक दबाव बनाता है। इसलिए किसी आंदोलन की सफलता इस बात से नहीं मापी जानी चाहिए कि उसने सरकार पर कितना दबाव बनाया, बल्कि इस आधार पर आंकी जानी चाहिए कि उससे समाज में कितना सकारात्मक परिवर्तन आया।

आजकल आंदोलनों के नाम पर हिंसा, गुंडागर्दी, मारपीट, तोड़फोड़, अभद्र भाषा, अश्लीलता, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाना और आगजनी जैसी घटनाएं आम होती जा रही हैं। इससे आंदोलनों की मूल भावना प्रभावित होती है और यह समझना कठिन हो जाता है कि आंदोलनकारी समाधान चाहते हैं या व्यवस्था को अस्थिर करने की दिशा में बढ़ रहे हैं।

मां आशापुरी धाम।

पिछले कुछ दिनों से जंतर-मंतर पर चल रहे कॉकरोच पार्टी के आंदोलन के संबंध में आगजनी, तोड़फोड़, पुलिस पर पत्थरबाजी, महिला पुलिसकर्मियों के साथ छेड़छाड़, अभद्र भाषा और अश्लीलता के आरोपों ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं। ऐसी घटनाएं किसी भी आंदोलन की गरिमा और उद्देश्य को नुकसान पहुंचाती हैं।

आंदोलनकारियों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने के साथ अपने कर्तव्यों का भी पालन करना चाहिए। वहीं, सरकार का दायित्व है कि वह जनता की जायज मांगों को सुने और उचित निर्णय लेने में अनावश्यक देरी न करे, ताकि गलतफहमियों और असंतोष को बढ़ने से रोका जा सके। हिंसा किसी भी आंदोलन का अनिवार्य हिस्सा नहीं हो सकती। विवेक, संवाद, एकता और शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक संघर्ष ही मांगों को मनवाने का उचित और स्थायी मार्ग हैं। किसी भी आंदोलन का उद्देश्य केवल अपनी बात मनवाना नहीं, बल्कि न्यायपूर्ण व्यवस्था स्थापित करना और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना भी होना चाहिए।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)



विजय शर्मा

आंतरिक साधना, अहिंसा के पथिक भगवान महावीर स्वामी

दशहरे का मौसम आते ही रावण की पूछ-परख बढ़ जाती है। साल भर समाज में रावण जैसी प्रवृत्तियां फलती-फूलती रहें, किसी को कोई खास परेशानी नहीं होती, लेकिन दशहरा आते ही रावण के पुतले की ऊंचाई पर बहस छिड़ जाती है। कोई 101 फीट का रावण बनाता है, तो कोई 151 फीट का। मानो रावण का कद जितना ऊंचा होगा, बुराई पर विजय उतनी ही शानदार होगी! समझ में नहीं आता कि रावण को हराने की होड़ लगी है या उसे ऊंचा उठाने की। हर साल पुतले का कद बढ़ता है, आतिशबाजी का खर्च बढ़ता है, भीड़ बढ़ती है और जय श्रीराम के जयकारे गूंजते हैं। अंत में रावण धू-धू करके जल उठता है। लोग तालियां बजाते हैं, मोबाइल से वीडियो बनाते हैं और घर लौटकर चैन की नींद सो जाते हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या रावण सचमुच जल गया?

अगर रावण केवल दस सिरों वाला एक पुतला होता, तो मामला बहुत आसान था। एक माचिस की तीली लगाई और बुराई का अंत! मगर आज के रावण के दस सिर नहीं, दसियों चेहरे हैं। कहीं वह भ्रष्टाचार बनकर बैठा है, कहीं रिश्वत की मेज पर मुस्करा रहा है, कहीं गरीब का हक मार रहा है, तो कहीं अपने पद और प्रतिष्ठा का दुरुपयोग कर रहा है। उसके चेहरे पर अच्छाई का मुखौटा है और जेब में स्वार्थ का हिसाब-किताब। आधुनिक रावण को सोने की लंका की जरूरत नहीं है। उसे सरकारी दफ्तर की एक कुर्सी, किसी संस्था का ऊंचा पद, सत्ता का संरक्षण या कानून की कमजोर पकड़ भी काफी है। वह दूसरों को नैतिकता का पाठ पढ़ाता है और खुद नियमों को अपनी सुविधा के अनुसार मोड़ लेता है। पकड़ा जाए तो जांच का इंतजार, आरोप लगे तो साजिश का शोर और सवाल पूछे जाएं तो चुप्पी की दीवार!



एआई निर्मित चित्र।

अब प्रश्न उठता है कि ऐसे रावणों का इलाज क्या है? क्या इनके लिए भी 151 फीट का पुतला बनाया जाए? क्या इनके नाम की आतिशबाजी हो? या फिर इनके पुतलों पर भी बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा जाए—बुराई पर अच्छाई की विजय! सच तो यह है कि इन रावणों के लिए पुतले जलाने से ज्यादा जरूरी है न्याय का दीप जलाना। कानून ऐसा हो, जो गरीब और ताकतवर में अंतर न करे। जांच ऐसी हो, जो रसूख के आगे न झुके और सजा ऐसी हो, जो अपराधी को उसके अपराध के अनुसार मिले। केवल आरोप लगना अपराध सिद्ध होना नहीं है, लेकिन प्रमाणित अपराधों पर कार्रवाई न होना न्याय व्यवस्था के प्रति लोगों का विश्वास जरूर कमजोर करता है।



संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)

विडंबना देखिए, हम हर साल रावण को जलाने का उत्सव मनाते हैं, लेकिन अपने भीतर बैठे अहंकार, लालच, छल और अन्याय को बचाकर रखते हैं। दूसरों के रावण का दहन हमें अच्छा लगता है, लेकिन अपने भीतर के रावण से सामना करना नहीं। हम चाहते हैं कि समाज में ईमानदारी हो, भ्रष्टाचार समाप्त हो और हर व्यक्ति को न्याय मिले, मगर इन बदलावों की शुरुआत अपने आचरण से करने के लिए तैयार नहीं होते। यही विरोधाभास दशहरे के वास्तविक संदेश पर सवाल खड़ा करता है।

इसलिए इस दशहरे पर रावण की ऊंचाई नहीं, अपने चरित्र की गहराई नापिए। पुतले की राख से ज्यादा जरूरी है अन्याय की जड़ों को जलाना। असली विजय उस दिन होगी, जब 151 फीट का रावण जलाने के लिए मैदान में भीड़ जुटाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और समाज में बैठे रावण कानून से बचने के बजाय उसका सम्मान करने लगेंगे। तब शायद दशहरा केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि पूरे साल दिखाई देने वाली अच्छाई की पहचान बनेगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

आधुनिकता की दौड़ में बदलते परिवेश में रोजगार की भूमिका

आधुनिकता की दौड़ में बदलते भारत की तस्वीर क्या नए उद्देश्यों एवं सीमाओं में बंधे सामाजिक सरोकार के बदलाव को भी नया रूप देने में सक्षम हो रही है या फिर नए उद्देश्यों व बदलाव की दौड़ में सामाजिक सामंजस्य पर ऐसा क्या असर डाल रही है जिसके कारण नैतिक मूल्यों पर तीव्रता से परिवर्तन की तस्वीर देखी जा रही हो।

बदलाव की चमक के बीच सामाजिक मूल्यों की चिंता



एआई निर्मित चित्र।

असल में परिवर्तन जो कि स्थिरता के नए आयाम स्थापित करने में इतना सक्षम प्रतीत नहीं हो रहा है जितना कि परिवर्तन की बात के उछाल या उसके उबाल का आभास करवाया जा रहा है । आज के दौर में परिवर्तन शब्द तब ही अच्छा लगेगा जब युवा पीढ़ी को ज्यादा से ज्यादा रोजगार के सृजन का अपनी शिक्षा अनुसार अवसर दिया जाएगा ताकि उन्हें अपनी शिक्षा अनुसार लगे कि जो वो रोजी-रोटी कमा रहे हैं वह उनकी शिक्षा का ही प्रतिफल है । साथ ही उन्हें लगे कि वह इसके लिए ज्यादा परेशान नहीं हो रहे हैं। इसका उत्तर निश्चित रूप से हर किसी को कई बार सोचने पर यह मजबूर कर देता है कि क्या असल में परिवर्तन हो भी रहा है या फिर यह ड्रामा ही दिखाया जा रहा है जोकि स्टेज पर तो देखने को अच्छा लगता है , परंतु जब उसको वास्तविक जीवन शैली में ढाला जाता है तो ढकोसला ही प्रतीत होने लगता है ।

ऐसे जीवन मूल्यों के ऊपर तीव्र गति से होने वाला बदलाव जिसके कारण हमारा देश अपने वजूद को पूरे विश्व में स्थापित करने की पहल व अच्छी कोशिश कर रहा है ताकि हमारा देश दुनियाभर में एक अच्छी पहचान बना सके । इसके लिए युवा पीढ़ी के वास्ते रोजगार का सृजन सर्वोपरि है । इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए विदेश नीति भी जनसंख्या के हिसाब से ज्यादा से ज्यादा नौकरी एवं रोजगार के अवसर पैदा करने के अनुरूप ही बने ताकि कुछ अतिरिक्त बदलाव किया जा सके, जिसका असर हमारे सामाजिक जीवन पर भी देखा जा सके।

ऐसे आधुनिक भारत की तस्वीर जीवन के हर क्षेत्र में देखने को मिलनी चाहिए। चाहे वह खेल जगत का क्षेत्र हो या फिर नैतिक तालमेल हो या फिर सामाजिक सभ्यता एवं संस्कृति का अनूठा तालमेल हो, जिसके कारण हर कार्य क्षेत्र में जिसका अलग किस्म का प्रभाव दिखाई दे जो कि आने वाली पीढ़ियों को एक आईना दिखाने का काम करे।

कई बार देखने से ऐसा प्रतीत होने लगता है कि भारत में आधुनिकता का परिवेश अब विश्व पटल पर जो देखने को मिलता है, जिस तरह हमारा देश हमेशा अपनी संस्कृति और सभ्यता की उदारता के लिए हमेशा अग्रणी रहा है। इस तरह परिवर्तन के चलते कुछ अपने मौलिक सरोकारों एवं सामाजिक मूल्यों का नवीनीकरण करना पड़ेगा और इसके अतिरिक्त कुछ नए आयाम स्थापित करने पड़ेंगे जिससे कि यह साबित हो सके कि आधुनिकता की दौड़ में प्रतिभागी बने भारत का वर्चस्व कायम रखा जा सके।



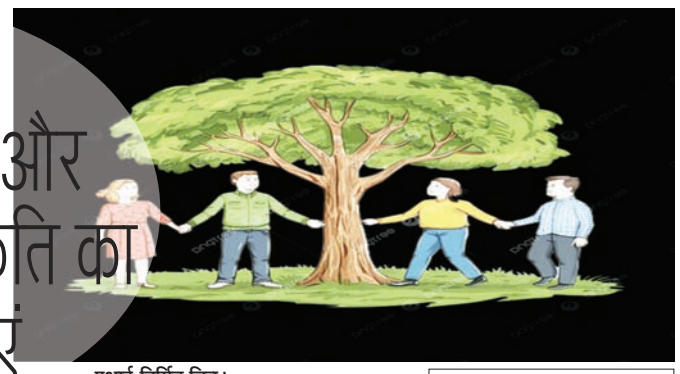
आनंद स्वरूप धीमान

हमेशा हमारी विदेश नीति की वजह से ही जो कि वैश्विक बदलाव का कारण होती है उसके मूल्यों का हनन न होने दिया जाए ताकि पूरी दुनिया में यह संदेश मिल सके कि अब भारत विकास की भूमिका में अपने आप को सर्वोपरि स्थान बनाने में कामयाब हो रहा है, क्योंकि सरकार द्वारा आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस की नीति का दृष्टिकोण अपनाया जा रहा है। इसके तहत किसी भी नियम के उल्लंघन या गलत व्यवहार को बर्दाश्त नहीं किया जाता, परंतु रोजगार गारंटी के बिना विकास की इबारत को लिख पाना भी इतना संभव नहीं है। रोजगार ही विकास का दूसरा नाम है जिसके कारण ही भारत को विश्व पटल पर अपनी गाथा लिखनी होगी ताकि आधुनिक भारत के सपने को साकार किया जा सके।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

वृक्षारोपण को हर उत्सव और परिवार की संस्कृति का हिस्सा बनाएं

पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ' केवल एक नारा नहीं, बल्कि आज के दौर की सबसे बड़ी आवश्यकता है। बढ़ता प्रदूषण, अंधाधुंध कटते जंगल, जलवायु परिवर्तन और लगातार बढ़ता तापमान मानव अस्तित्व के लिए गंभीर चुनौती बन चुके हैं। यदि समय रहते प्रकृति के संरक्षण के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा, शुद्ध जल और संतुलित पर्यावरण के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। ऐसे समय में वृक्षारोपण केवल पर्यावरण संरक्षण का अभियान नहीं, बल्कि जीवन बचाने का सबसे सरल, सस्ता और प्रभावी माध्यम है। इसलिए अब वृक्षारोपण को केवल सरकारी कार्यक्रमों तक सीमित रखने के बजाय समाज के प्रत्येक उत्सव और प्रत्येक परिवार की संस्कृति का हिस्सा बनाना होगा।



एआई निर्मित चित्र।

विद्यार्थी किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति और भविष्य के निर्माता होते हैं। यदि बचपन से ही उनमें प्रकृति के प्रति प्रेम, जिम्मेदारी और संवेदनशीलता का भाव विकसित किया जाए, तो वे भविष्य में पर्यावरण संरक्षण के सच्चे प्रहरी बन सकते हैं। आज बच्चे मोबाइल, इंटरनेट और डिजिटल दुनिया में अधिक समय व्यतीत कर रहे हैं, जिससे उनका प्रकृति से जुड़ाव कम होता जा रहा है। विद्यालयों और परिवारों का दायित्व है कि वे बच्चों को पौधे लगाने, उनकी नियमित देखभाल करने और उन्हें वृक्ष बनते देखने का अवसर दें। जब कोई बच्चा अपने हाथों से लगाया पौधा बड़ा होते देखता है, तो उसके भीतर प्रकृति के प्रति आत्मीयता और संरक्षण की भावना स्वत: विकसित होती है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ, गृह प्रवेश, परीक्षा में सफलता, नौकरी लगने या किसी भी शुभ अवसर पर एक पौधा लगाने की परंपरा शुरू की जाए। जिस प्रकार हम मिठाइयां बांटकर खुशियां साझा करते हैं, उसी प्रकार पौधे भेंट कर भी उत्सव को यादगार बनाया जा सकता है। यदि प्रत्येक परिवार हर वर्ष केवल दो या तीन पौधे भी लगाए और उनका संरक्षण करे, तो कुछ ही वर्षों में देश के पर्यावरण में उल्लेखनीय परिवर्तन दिखाई देगा। वृक्षारोपण का वास्तविक उद्देश्य केवल पौधा लगाना नहीं, बल्कि उसे जीवित रखना और वृक्ष बनने तक उसकी देखभाल करना भी है।

भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं महान वैज्ञानिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने भी युवाओं से अधिकाधिक वृक्ष लगाने और उनका संरक्षण करने का आह्वान किया था। उनका विश्वास था कि हर नागरिक यदि अपने जीवन में कुछ वृक्ष लगाए, तो भारत को हरित, स्वच्छ और समृद्ध बनाया जा सकता है। भारतीय संस्कृति में भी वृक्षों को देवतुल्य माना गया है। पीपल, वट, नीम और तुलसी जैसे वृक्ष केवल धार्मिक आस्था के प्रतीक नहीं, बल्कि प्रकृति संरक्षण की हमारी प्राचीन जीवनशैली के प्रमाण हैं। वृक्ष हमें शुद्ध ऑक्सीजन, फल, छाया, औषधियां और स्वच्छ वातावरण प्रदान करते हैं।



अजय पटियाल

(ये लेखक के निजी विचार हैं)



नशीली जहरीली सफेद मौत

भीम बसेड़ू राजपूत
महादेव, जिला मंडी

नामी नशा जुबां पर एक ही चढ़ा,
चिट्टा-चिट्टा-चिट्टा
चिट्टा खाता पीता बंदा;
देख रहा शाम न भोर,
चिट्टा अपने लिए
तैयार कर रहा नशाखोर,
नशीले का स्वाद लगा-
लगाकर वह है
खाता-पीता,
नशा अमली है तड़प
तड़प कर जीता,
सेहत गिरती;
जिंदगी नापता सेंटीमीटर में फीता,
सफेद चादर ओढ़े जालिम;
मौत की नींद
सुला रहा चिटटा,
ऐसा करें जतन
कि न हावी हो चिट्टा,
उस मां से पूछो खोया
जिसने नशेड़ी लाल,
राम जाने; अब अकेलेपन
का पल-पल कैसे बीता,
आओ मिलकर करें नशा
भंडारण पर करारी चोट,
नशा भगाएं जिंदगी बचाएं; यहां वहां न मिले यह खोट।।

संपादकीय

पहले खुद को जीतें

आत्मविश्वास मनुष्य के व्यक्तित्व की वह ताकत है, जो उसे कठिन परिस्थितियों में भी आगे बढ़ने का साहस देती है। जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए ज्ञान, मेहनत और अवसरों का अपना महत्व है, लेकिन इन सबके साथ आत्मविश्वास होना भी बेहद जरूरी है। जिस व्यक्ति को अपनी क्षमताओं पर भरोसा होता है, वह चुनौतियों का सामना करने, नए अवसरों को अपनाने और असफलताओं से सीखने का साहस रखता है। आत्मविश्वास का अर्थ यह नहीं है कि व्यक्ति को अपनी हर बात सही लगती है, बल्कि इसका वास्तविक अर्थ अपनी खूबियों और कमियों को पहचानते हुए स्वयं को बेहतर बनाने का प्रयास करना है।

आज के प्रतिस्पर्धी दौर में आत्मविश्वास का महत्व और भी बढ़ गया है। पढ़ाई, नौकरी, व्यवसाय और सामाजिक जीवन के हर क्षेत्र में व्यक्ति को अपनी योग्यता साबित करने के अवसर मिलते हैं। कई बार प्रतिभाशाली होने के बावजूद लोग केवल इस डर से पीछे रह जाते हैं कि कहीं उनसे गलती न हो जाए या दूसरे लोग उनके बारे में क्या सोचेंगे। यही डर उनकी क्षमताओं को सीमित कर देता है। इसके विपरीत, आत्मविश्वास से भरा व्यक्ति अपनी बात रखने, निर्णय लेने और नए काम की शुरुआत करने से नहीं घबराता। वह जानता है कि हर प्रयास में सफलता मिलना जरूरी नहीं, लेकिन हर अनुभव कुछ न कुछ सिखाता अवश्य है।

आत्मविश्वास विकसित करने की शुरुआत स्वयं को स्वीकार करने से होती है। प्रत्येक व्यक्ति की अपनी विशेषताएं, रुचियां और क्षमताएं होती हैं। दूसरों से लगातार अपनी तुलना करने के बजाय अपनी प्रगति पर ध्यान देना चाहिए। किसी व्यक्ति की सफलता देखकर निराश होने के बजाय उससे प्रेरणा लेना अधिक उपयोगी है। यह समझना आवश्यक है कि हर किसी की परिस्थितियां, संसाधन और आगे बढ़ने की गति अलग-अलग होती है। अपनी छोटी-छोटी उपलब्धियों को पहचानना और उनका सम्मान करना आत्मविश्वास को मजबूत बनाता है।

लक्ष्य निर्धारित करना भी आत्मविश्वास बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। जब व्यक्ति अपने उद्देश्य को स्पष्ट रखता है और उसे प्राप्त करने के लिए नियमित रूप से मेहनत करता है, तो उसके भीतर अपनी क्षमता के प्रति भरोसा विकसित होता है। बड़े लक्ष्य को छोटे-छोटे चरणों में बांटकर पूरा करना अधिक व्यावहारिक होता है। समय पर काम पूरा करना, नई चीजें सीखना और अपनी जिम्मेदारियों को गंभीरता से निभाना व्यक्ति को मानसिक रूप से मजबूत बनाता है। तैयारी जितनी बेहतर होगी, कठिन परिस्थितियों में स्वयं पर भरोसा बनाए रखना उतना ही आसान होगा।

असफलता को लेकर हमारा नजरिया भी आत्मविश्वास को प्रभावित करता है। जीवन में हर व्यक्ति को कभी न कभी निराशा, आलोचना और असफलता का सामना करना पड़ता है। ऐसे समय में स्वयं को कमजोर समझने के बजाय अपनी गलतियों का विश्लेषण करना चाहिए। असफलता किसी व्यक्ति की अंतिम पहचान नहीं होती, बल्कि वह अपनी रणनीति सुधारने और अनुभव प्राप्त करने का अवसर भी बन सकती है। जो व्यक्ति गलतियों से सीखता है, वह भविष्य की चुनौतियों के लिए अधिक तैयार होता है।

आत्मविश्वास के साथ विनम्रता और सकारात्मक सोच का होना भी जरूरी है। वास्तविक आत्मविश्वास व्यक्ति को दूसरों से बेहतर साबित करने की कोशिश नहीं कराता, बल्कि उसे अपनी क्षमताओं का सही उपयोग करना सिखाता है। दूसरों की राय सुनना, जरूरत पड़ने पर सहायता मांगना और अपनी कमियों को स्वीकार करना कमजोरी नहीं, बल्कि परिपक्वता के संकेत हैं। आत्मविश्वास का अर्थ यह भी नहीं है कि व्यक्ति को कभी डर या संदेह महसूस नहीं होगा। इसका अर्थ है कि वह डर के बावजूद सही दिशा में कदम बढ़ाने का प्रयास करेगा।

युवाओं के लिए आत्मविश्वास विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि उन्हें शिक्षा, रोजगार और भविष्य से जुड़े अनेक निर्णय लेने होते हैं। परिवार, शिक्षकों और समाज को चाहिए कि वे युवाओं की क्षमताओं को पहचानें, उन्हें अपनी बात रखने का अवसर दें और असफल होने पर उनका मनोबल बढ़ाएं। साथ ही युवाओं को भी नियमित अभ्यास, अनुशासन और निरंतर सीखने की आदत विकसित करनी चाहिए।

अंतत: आत्मविश्वास कोई ऐसी विशेषता नहीं है जो केवल कुछ लोगों को जन्म से मिलती है। इसे अनुभव, अभ्यास, मेहनत और आत्ममंथन से विकसित किया जा सकता है। जब व्यक्ति स्वयं पर विश्वास करना सीखता है, तब वह परिस्थितियों से हार मानने के बजाय समाधान खोजने की कोशिश करता है। आत्मविश्वास सफलता की गारंटी नहीं देता, लेकिन सफलता की दिशा में आगे बढ़ने की शक्ति अवश्य प्रदान करता है। यही वह गुण है, जो व्यक्ति को अपनी संभावनाओं को पहचानने और जीवन में बेहतर मुकाम हासिल करने के लिए प्रेरित करता है।

- शिवांश धाकड़

आज की प्रमुख हस्ती

मनोरंजन जगत में पहचान

नौहीद साइरुसी भारतीय मनोरंजन जगत की अभिनेत्री, मॉडल और वीडियो जॉकी हैं। उनका जन्म 19 अक्टूबर 1982 को हुआ था। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, उनका जन्मस्थान मुंबई, महाराष्ट्र, भारत बताया जाता है, जबकि कुछ स्रोतों में बेलफास्ट, ब्रिटेन का उल्लेख भी मिलता है। अपने करियर के दौरान नौहीद ने अभिनय और मॉडलिंग के क्षेत्र में काम करके पहचान बनाई है। मनोरंजन जगत में उनकी बहुमुखी भूमिका उन्हें अभिनेत्री के साथ-साथ मॉडल और वीडियो जॉकी के रूप में भी प्रस्तुत करती है।



नौहीद साइरुसी
जन्म : 19 अक्टूबर 1982

नौहीद साइरुसी का नाम उन कलाकारों में शामिल है, जिन्होंने मनोरंजन के अलग-अलग माध्यमों में काम किया है। अभिनय के क्षेत्र में उनकी पहचान के साथ मॉडलिंग और वीडियो जॉकी के रूप में उनकी भूमिका भी उनके पेशेवर सफर का हिस्सा रही है। मॉडलिंग ने उन्हें कैमरे के सामने काम करने का अनुभव दिया, वहीं वीडियो जॉकी के रूप में काम करना मनोरंजन जगत से जुड़ने का एक अन्य माध्यम बना। अभिनय, मॉडलिंग और प्रस्तुति से जुड़े इन क्षेत्रों में काम करने के कारण उनका करियर कई विधाओं से जुड़ा रहा है।

नौहीद साइरुसी की जन्मतिथि 19 अक्टूबर है और इसी आधार पर उनकी राशि तुला बताई जाती है। अक्टूबर में जन्म लेने वाली नौहीद की उम्र 2026 में 43 वर्ष है। उनके जीवन से संबंधित उपलब्ध जानकारियों में जन्मतिथि, पेशा और जन्मस्थान प्रमुख विवरण हैं। हालांकि, जन्मस्थान को लेकर अलग-अलग स्रोतों में भिन्न जानकारी मिलने के कारण इस संबंध में एक ही स्थान की पुष्टि करना उचित नहीं होगा।

भारतीय मनोरंजन उद्योग में अभिनेत्री, मॉडल और वीडियो जॉकी के रूप में नौहीद साइरुसी का परिचय उनके पेशेवर जीवन के तीन प्रमुख पक्षों को सामने लाता है। उनका नाम अभिनय और मॉडलिंग से जुड़ी जानकारियों के साथ विभिन्न मनोरंजन संबंधी मंचों पर भी मिलता है। उनके बारे में उपलब्ध विवरण उनके जन्म और पेशेवर पहचान पर केंद्रित हैं। इस तरह नौहीद साइरुसी का परिचय मनोरंजन जगत में सक्रिय एक ऐसी कलाकार के रूप में सामने आता है, जिनकी पहचान केवल अभिनय तक सीमित नहीं है, बल्कि मॉडलिंग और वीडियो जॉकी के काम से भी जुड़ी हुई है।

'भारतेन्दु शिखर'

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

हिमाचल में अक्तूबर में ही सर्दी तेज जनजातीय क्षेत्रों में पारा शून्य से नीचे

केलांग में माइनस 1.6 और कुकुमसेरी में माइनस 0.3 डिग्री तापमान

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में अक्टूबर के दौरान ठंड का असर तेजी से बढ़ने लगा है। राज्य के जनजातीय क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे पहुंच गया है। लाहौल-स्पीति के केलांग में रविवार को न्यूनतम तापमान माइनस 1.6 डिग्री और कुकुमसेरी में माइनस 0.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, किन्नौर के कल्पा में तापमान 2.8 डिग्री रहा। हालांकि, शिमला और मनाली सहित प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में धूप खिलने से मौसम सुहावना बना हुआ है।



मौसम विभाग के अनुसार 24 अक्टूबर तक प्रदेश में बारिश और बर्फबारी की संभावना नहीं है। इस दौरान अधिकांश क्षेत्रों में मौसम साफ रहने और धूप खिलने के आसार हैं। दिन में सुहावने मौसम के बावजूद जनजातीय और ऊंचाई वाले इलाकों में सुबह तथा रात के समय ठंड बनी रहेगी। केलांग में पिछले 24 घंटों के दौरान न्यूनतम तापमान में 0.9 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। किन्नौर के कल्पा में न्यूनतम तापमान 2.8 डिग्री और ताबो में 1.5 डिग्री सेल्सियस रहा। रविवार को प्रदेश का औसत न्यूनतम तापमान सामान्य से 0.8 डिग्री नीचे दर्ज किया गया। बीते 24 घंटों में लाहौल-स्पीति के कुकुमसेरी में 4.8 मिलीमीटर, किन्नौर के निचार में 2.3 मिलीमीटर और चंबा के जोत में 1.2 मिलीमीटर बारिश हुई। हालांकि, प्रदेश में कहीं भी बर्फबारी दर्ज नहीं की गई। रविवार को शिमला में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री, सोलन में 8.8, मनाली में 7.4, धर्मशाला में 14.2 और ऊना में 14.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पांवटा साहिब में न्यूनतम तापमान 21 डिग्री रहा। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार फिलहाल मौसम साफ रहेगा, लेकिन ऊंचाई वाले क्षेत्रों में ठंड का असर जारी रहेगा।

जनजातीय क्षेत्रों में सुबह शाम बढ़ेगी ठंड

मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में आगामी दिनों में मौसम साफ रहने की संभावना है। 24 अक्टूबर तक बारिश और बर्फबारी के कोई आसार नहीं हैं। हालांकि, जनजातीय और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में रात तथा सुबह के समय ठंड का असर बना रहेगा। तापमान में गिरावट के कारण लोगों को गर्म कपड़ों का सहारा लेना पड़ रहा है। वहीं, दिन में धूप खिलने से मौसम सुहावना बना रहेगा। शिमला, मनाली और अन्य पर्यटन स्थलों पर मौसम अनुकूल रहने से पर्यटकों को राहत मिलने की उम्मीद है। मैदानी क्षेत्रों में भी दिन के समय मौसम सामान्य बना रह सकता है, जबकि सुबह और शाम हल्की ठंड महसूस होगी। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, फिलहाल प्रदेश में किसी भी स्थान पर बर्फबारी दर्ज नहीं की गई है। विशेषज्ञों के अनुसार, ऊंचाई वाले इलाकों में तापमान में उतार-चढ़ाव जारी रहने की संभावना है।

एचपीयू अंतर-महाविद्यालय बास्केटबॉल प्रतियोगिता का कल होगा समापन



आशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय (एचपीयू) शिमला के तत्वावधान में एमसीएम डीएवी कॉलेज कांगड़ा में आयोजित अंतर-महाविद्यालय बास्केटबॉल प्रतियोगिता के दूसरे दिन खिलाड़ियों ने शानदार खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विभिन्न कॉलेजों की टीमों के बीच हुए मुकाबलों में खिलाड़ियों ने तकनीक और अनुशासन का परिचय दिया।

प्रतियोगिता के दूसरे दिन पालमपुर ने सोलन को 62-48 से हराया। भोरंज ने नाहन को 33-22 से पराजित किया, जबकि ठियोग ने पीजी सेंटर शिमला को 43-20 से मात दी। मेजबान कांगड़ा की टीम ने नादौन को 46-5 के बड़े अंतर से शिकस्त दी। धर्मशाला ने घुमारवीं को 44-19 से हराया, वहीं हमीरपुर ने संजोली के खिलाफ 39-21 से जीत दर्ज की।

पालमपुर ने अपने दूसरे मुकाबले में बिलासपुर को 41-16 से पराजित किया। पीजी सेंटर शिमला ने घुमारवीं को 30-18 से हराया, जबकि दिन के अंतिम मुकाबले में कोटशेरा ने सोलन को 47-27 से शिकस्त दी। आयोजन समिति के अनुसार, दो दिनों की कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद प्रतियोगिता अब निर्णायक चरण में पहुंच गई है। सोमवार को सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। इसके बाद विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। प्रतियोगिता के खिताबी मुकाबलों को लेकर खेल प्रेमियों में खासा उत्साह है।

न्यूज ब्रीफ

बोर्ड कर्मचारियों पर मनरेगा मजदूरों के दस्तावेज फाड़ने का सीटू ने लगाया आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। श्रमिक कल्याण बोर्ड पर मजदूरों के सहायता फार्मों के साथ जमा दस्तावेज गायब करने का आरोप लगा है। बोर्ड सदस्य एवं सीटू के मंडी जिला अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने कहा कि वर्ष 2021-22 में जमा छात्रवृत्ति, विवाह और अन्य सहायता के फार्म पांच साल बाद आपत्तियां लगाकर लौटाए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 95 हजार मजदूरों की करीब 400 करोड़ रुपये की सहायता लंबित है। सरकाघाट कार्यालय में 16 हजार से अधिक मामले लंबित हैं। इसके विरोध में 23 अक्टूबर को प्रदर्शन होगा।

महाविद्यालय युवा उत्सव में घुमारवीं कॉलेज का दबदबा

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर में 13 से 17 अक्टूबर तक आयोजित अंतर-महाविद्यालय युवा उत्सव (ग्रुप-2) में राजकीय महाविद्यालय घुमारवीं के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया। छात्रों ने लोक वाद्य वृंद में प्रथम और पाश्चात्य एकल वाद्य प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान हासिल किया। विद्यार्थियों ने विभिन्न संगीत विधाओं में प्रस्तुतियां देकर निर्णायक मंडल की सराहना प्राप्त की। तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने इस उपलब्धि पर विद्यार्थियों और संगीत विभाग के प्राध्यापकों को बधाई दी तथा हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया।

12 वर्षीय बालिका से कथित दुष्कर्म के आरोप में पिता गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। जिला कुल्लू के सैंज थाना क्षेत्र में 12 वर्षीय नाबालिग से कथित दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने उसके 48 वर्षीय पिता को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 14 अक्टूबर को मंडी जिले के गोहर थाने में जीरो एफआईआर दर्ज हुई थी। बाद में मामला ऑनलाइन सीसीटीएनएस पोर्टल के माध्यम से सैंज थाना स्थानांतरित किया गया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे 27 अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

माँ बगलामुखी मंदिर सेहली में कन्या पूजन एवं हवन-पाठ सम्पन्न हुआ

भारतेन्दु संवाददाता, तुगल। प्रसिद्ध शक्तिपीठ माता बगलामुखी मंदिर सेहली में दुर्गा अष्टमी पर विशेष धार्मिक अनुष्ठान किए गए। इस दौरान कन्या पूजन, हवन-पाठ और पूर्णाहुति में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर माता का आशीर्वाद प्राप्त किया। पुजारी अमरजीत शर्मा ने बताया कि मंदिर में हर वर्ष यह परंपरा निभाई जाती है। अनुष्ठान के बाद भंडारा लगाया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। भक्तों ने भजन-कीर्तन भी किया।

नूरपुर पुलिस ने 11 ग्राम चिट्टे के साथ पंजाब निवासी पति-पत्नी को पकड़ा

अशोक ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। नूरपुर पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 11 ग्राम चिट्टा बरामद कर पंजाब निवासी पति-पत्नी को गिरफ्तार किया है। एसपी इल्मा अफरोज के निर्देश पर सीआईए नूरपुर और सदवां पुलिस चौकी की टीम ने खज्जन में नजीर टायरमैन फैक्टरी के पास मोटरसाइकिल रोककर तलाशी ली। टूल बॉक्स से चिट्टा बरामद हुआ। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर पुलिस सप्लाई नेटवर्क की जांच कर रही है।

सरकाघाट को जिला बनाने की उठाई मांग सरकार की मंशा पर सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। जिला परिषद सदस्य एवं पूर्व कर्मचारी प्रकोष्ठ के प्रदेश सह-संयोजक श्याम लाल ने प्रदेश सरकार की ओर से नए जिलों के गठन को लेकर की जा रही चर्चाओं को महज शिगूफा करार दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार को सरकाघाट को जिला बनाने की लंबे समय से उठ रही मांग पूरी करनी चाहिए। श्याम लाल ने क्षेत्र की बदहाल सड़कों, स्वास्थ्य सेवाओं और शिक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सरकार को केवल घोषणाओं और चर्चाओं के बजाय क्षेत्र की समस्याओं का समाधान कर जनता को राहत देनी चाहिए।

सुक्खू ने प्रदेश को बर्बादी की दहलीज पर खड़ा कर दिया : राकेश शर्मा

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता राकेश शर्मा ने हिमाचल में नए जिलों के गठन के लिए आयोग बनाने की चर्चाओं को चुनावी स्टंट करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश गंभीर आर्थिक संकट और कर्ज से जूझ रहा है, जबकि सरकार के पास कर्मचारियों को वेतन और पेंशन देने के लिए पर्याप्त धन नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने राजनीतिक स्वार्थों के लिए प्रदेश की अर्थव्यवस्था को दांव पर लगा दिया है। महिलाएं, युवा, किसान और कर्मचारी सरकार की नीतियों से परेशान हैं।

खुद्दर में दशहरा उत्सव की तैयारियां पूरी, विधायक प्रकाश राणा होंगे मुख्य अतिथि

भारतेन्दु संवाददाता, जोगिंद्रनगर। विधानसभा क्षेत्र के खुद्दर में श्री राम कला मंच की ओर से 20 अक्तूबर को दशहरा उत्सव और भव्य झांकी निकाली जाएगी। कार्यक्रम शाम चार बजे शुरू होगा। विधायक प्रकाश राणा मुख्य अतिथि होंगे। मंच पिछले 53 वर्षों से रामलीला का आयोजन कर रहा है। साईं मार्केट में मां दुर्गा पूजा की सातवीं संध्या पर विकास शर्मा और राकेश रावत ने महामाई का गुणगान किया। श्रीकृष्ण की झांकी आकर्षण रही। उधर, छतर में युवक मंडल की दुर्गा पूजा में मींटू भारद्वाज ने भजन प्रस्तुत किए। मुख्य अतिथि जनक चंद कटोच को सम्मानित किया गया। साईं मार्केट में हवन के बाद मां दुर्गा का विसर्जन होगा, जबकि छतर में मंगलवार को विसर्जन किया जाएगा।

धर्मपुर-सरकाघाट हाईवे पर निर्माण की खुली पोल, बिना बारिश गिरा टोरीनाला का डंगा

भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट

धर्मपुर-सरकाघाट राष्ट्रीय राजमार्ग-003 पर टोरीनाला के पास आरसीसी डंगा गिरने से हाईवे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। हैरानी की बात यह है कि डंगा गिरने के दौरान न तो भारी बारिश हुई और न ही किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा की जानकारी सामने आई। ऐसे में निर्माण कार्य में संभावित खामियों को लेकर सवाल उठने लगे हैं।



राष्ट्रीय राजमार्ग जैसे महत्वपूर्ण मार्ग पर निर्माण के दौरान तकनीकी मानकों का पालन और मजबूत ढांचे का निर्माण बेहद जरूरी है। टोरीनाला में डंगा गिरने की घटना ने निर्माण की मजबूती और निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि बिना बारिश के ही डंगे गिरने लगें, तो बरसात के मौसम में सड़क और यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ना स्वाभाविक है।

विधायक के विरोध के बावजूद नहीं सुधरी स्थिति?

हाईवे निर्माण कंपनी की कार्यप्रणाली को लेकर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। धर्मपुर के विधायक चंद्रशेखर ने भी कंपनी के कामकाज पर आपत्तियां जताई थीं। इसके बावजूद टोरीनाला में डंगा गिरने की घटना सामने आने से निर्माण कंपनी और संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही पर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, डंगा गिरने के वास्तविक कारणों की पुष्टि तकनीकी जांच के बाद ही हो सकेगी।

एसडीएम ने दिए गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश:

मामले को लेकर एसडीएम धर्मपुर जोगिंदर पटियाल ने राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारियों को निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए हैं। अब यह देखना होगा कि संबंधित विभाग डंगा गिरने के कारणों की जांच करवाता है या नहीं।

प्रताप वर्ल्ड स्कूल के 22 विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय गणित प्रतिभा परीक्षा उत्तीर्ण की



अशोक ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। प्रताप वर्ल्ड स्कूल के 22 विद्यार्थियों ने एसोसिएशन ऑफ मैथेमेटिक्स टीचर्स ऑफ इंडिया की ओर से आयोजित 58वीं राष्ट्रीय गणित प्रतिभा प्रतियोगिता (एनएमटीसी) 2026 की प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण कर स्कूल का नाम रोशन किया है। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों की तार्किक क्षमता, विश्लेषणात्मक सोच और समस्या समाधान कौशल को परखा जाता है। विद्यालय के निदेशक सन्नी महाजन ने सफल विद्यार्थियों, अभिभावकों और गणित विभाग के शिक्षकों को बधाई दी। प्रधानाचार्या शुभ्रा रानी ने कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। सफल विद्यार्थी अब प्रतियोगिता के अगले चरण की तैयारी करेंगे। विद्यालय प्रबंधन ने सभी विद्यार्थियों को आगामी चरण के लिए शुभकामनाएं दीं। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार, विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से स्कूल में खुशी का माहौल है। प्रबंधन ने कहा कि पढ़ाई के साथ ऐसी प्रतियोगिताओं में भाग लेने से बच्चों की सोचने-समझने की क्षमता विकसित होती है। गणित विषय में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों को नियमित अभ्यास और सही मार्गदर्शन के माध्यम से आगे बढ़ने के अवसर मिलते हैं। स्कूल में विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, ताकि वे अपनी प्रतिभा को पहचानकर बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

कोटली में रामलीला उत्सव की सातवीं संध्या

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। उपमंडल मुख्यालय कोटली में आयोजित रामलीला उत्सव की सातवीं संध्या पर जिला परिषद सदस्य हेमलता ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने रामलीला कमेटी को 5100 रुपये की सहयोग राशि भेंट की और अपनी निधि से 50 हजार रुपये देने की घोषणा की। वहीं, कमेटी के संस्थापक स्वर्गीय लाभ सिंह ठाकुर के पुत्र जनक राज ने भी 10,001 रुपये भेंट किए। इस अवसर पर अतिथियों का ढोल-नगाड़ों और फूलमालाओं से स्वागत किया गया। उपमंडल अधिकारी जगदीश चंद्र को भी सम्मानित किया गया। रामलीला के मंचन में हनुमान जी का लंका पहुंचना, अशोक वाटिका में सीता माता से मिलना, मेघनाद द्वारा उन्हें बंदी बनाना और रावण की लंका जलाने के दृश्य प्रस्तुत किए गए। इसके अलावा विभीषण के रावण का दरबार छोड़कर रामदल में शामिल होने का प्रसंग भी दिखाया गया।

वोट बचाओ देश बचाओ अभियान के तहत भोरंज में कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान के तहत रविवार को भोरंज में ब्लॉक कांग्रेस के कार्यकर्ताओं और पंचायत प्रतिनिधियों ने केंद्र सरकार तथा चुनाव आयोग के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। विधायक सुरेश कुमार के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मताधिकार की रक्षा की मांग उठाई।

इस दौरान विधायक सुरेश कुमार ने आरोप लगाया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के नाम पर देश के 13 करोड़ से अधिक मतदाताओं को वोट देने के अधिकार से वंचित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को निष्पक्षता से काम करना चाहिए, लेकिन उसकी कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयुक्त केंद्र सरकार के दबाव में काम कर रहे हैं। सुरेश कुमार ने कहा कि लोकतंत्र में मतदाताओं को अपने वोट की सुरक्षा का भरोसा होना जरूरी है। केंद्र सरकार और मुख्य चुनाव आयुक्त के कथित तानाशाही रवैये के खिलाफ प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में बड़ा जन आंदोलन चल रहा है। उन्होंने दावा किया कि आंदोलन के बढ़ते प्रभाव से केंद्र सरकार और उसके मंत्री घबराए हुए हैं। उन्होंने कहा कि मताधिकार नागरिकों का महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक अधिकार है और इसकी रक्षा करना आवश्यक है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अभियान के माध्यम से लोगों को मतदान के अधिकार के प्रति जागरूक करने और लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने का आह्वान किया।



◆ मताधिकार के मुद्दे पर भोरंज में कांग्रेस ने जताया विरोध

प्रदर्शन में भोरंज ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विजय सिंह बन्याल, कांगड़ा सहकारी प्राथमिक कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के चेयरमैन रामचंद्र पठानिया, केशव कौशल, मधुबाला, सविता मिन्हास, तरुण बन्याल, नरेश ठाकुर, पूनम कुमारी, संतोष कुमार, जगदेश ठाकुर, प्रवीण कुमार और सुरेंद्र जरियाल सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महाअष्टमी पर हुई मां महागौरी की पूजा, 251 कन्याओं का किया पूजन

◆ धौलरा मंदिर में महाअष्टमी पर उमड़े श्रद्धालु

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। शहर के ऐतिहासिक धौलरा मंदिर में चल रहे भव्य शारदोत्सव (दुर्गा पूजा) के आठवें नवरात्र पर महाअष्टमी के पावन अवसर पर मां दुर्गा के महागौरी स्वरूप की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान सैकड़ों श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर मां के चरणों में पुष्पांजलि अर्पित की और सुख-समृद्धि की कामना की। शिमला से विशेष रूप से पधारे आचार्य सुधांशु भट्टाचार्य महाराज ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजा की सभी रस्में संपन्न करवाईं।



अष्टमी तिथि पर परंपरा के अनुसार मां गौरी को नारियल का विशेष भोग लगाया गया। मां की भव्य आरती और भोग के पश्चात हवन-यज्ञ, संधिपूजा व बलिदान आरती का भी आयोजन किया गया, जिससे पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा। मान्यता है कि नवरात्र की अष्टमी तिथि पर मां महागौरी की आराधना करने से घर में सुख-शांति बनी रहती है।

अष्टमी के उपलक्ष्य में सुबह 11 बजे दुर्गा पूजा समिति की संस्थापिका डॉ. मल्लिका नड्डा के मार्गदर्शन में भव्य कन्या पूजन का आयोजन किया गया। समिति के सदस्यों ने 251 कन्याओं के चरण धोकर उनका विधिवत पूजन किया और माता रानी से सुख-समृद्धि का आशीर्वाद मांगा। दुर्गा पूजा समिति की संस्थापिका डॉ. मल्लिका नड्डा ने बताया कि महानवमी पर बड़े स्तर पर धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

विधायक राकेश जम्वाल सर्वसम्मति से हिमाचल प्रदेश कयाकिंग एवं कैनोइंग एसोसिएशन के अध्यक्ष निर्वाचित

जल क्रीड़ाओं के विकास और युवा प्रतिभाओं को मिलेगा बढ़ावा

भारतेन्दु संवाददाता, मण्डी/सुन्दरनगर

हिमाचल प्रदेश कयाकिंग एवं कैनोइंग एसोसिएशन (एचपीकेसीए) के चुनाव रविवार को वृद्ध आश्रम, देहरी, सुंदरनगर में संपन्न हुए। चुनाव में सुंदरनगर के विधायक राकेश जम्वाल को सर्वसम्मति से एसोसिएशन का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जल क्रीड़ाओं के विकास और युवा खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध करवाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य किया जाएगा।



चुनाव प्रक्रिया रिटर्निंग ऑफिसर अधिवक्ता पूरन सिंह सेन की देखरेख में हुई। जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारी मंडी कविता ठाकुर तथा भारतीय कयाकिंग एवं कैनोइंग एसोसिएशन की ओर से चंडीगढ़ विश्वविद्यालय के निदेशक खेल दीपक सिंह पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित रहे। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी में कमल कांत गौतम को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, बलबीर सिंह भारद्वाज, सुरेश कुमार, संगीता देवी और पूनम को उपाध्यक्ष तथा डॉ. निर्मल सिंह को महासचिव चुना गया।

बिंदिया चंदेल, जगदीप सहजपाल, देव राज, कमल किशोर ठाकुर और मोनिका देवी संयुक्त सचिव, जबकि कमल कुमार कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए। प्रकाश चंद ठाकुर, शाम लाल, सूरज सिंह, सोम नाथ और रितिश अहलूवालिया कार्यकारिणी सदस्य चुने गए। कार्यकारिणी का कार्यकाल चार वर्ष रहेगा। राकेश जम्वाल ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सर्वसम्मति से मिली जिम्मेदारी उनके लिए सम्मान के साथ महत्वपूर्ण दायित्व भी है।

उनका प्रयास रहेगा कि प्रदेश के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपनी क्षमता दिखाने के पर्याप्त अवसर मिलें और वे राज्य व राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन कर हिमाचल का नाम रोशन करें। उन्होंने पिछली कार्यकारिणी के योगदान की सराहना की। साथ ही, भारतीय खेल प्राधिकरण के बरमाणा स्थित केंद्र के प्रयासों से जल क्रीड़ाओं में मिल रहे सकारात्मक परिणामों की प्रशंसा की।

चुनाव आते ही कांग्रेस को याद आता है कांगड़ा, विपिन परमार ने सरकार को घेरा

भारतेन्दु संवाददाता, पालमपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं सुलह के विधायक विपिन सिंह परमार ने कांग्रेस सरकार पर कांगड़ा जिले की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को कांगड़ा की याद विकास के लिए नहीं, बल्कि चुनाव में सत्ता बचाने के लिए आती है। साढ़े तीन साल तक जिले की समस्याओं की अनदेखी करने के बाद अब चुनाव नजदीक आते ही राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं।

◆ झूठी गारंटियों और खोखली घोषणाओं को लेकर कांग्रेस पर बरसे विपिन परमार

परमार ने कहा कि कांगड़ा प्रदेश का सबसे बड़ा जिला है और यहां 15 विधानसभा क्षेत्र हैं। कांग्रेस को जिले की राजनीतिक अहमियत समझ आती है, लेकिन रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन और बुनियादी सुविधाओं के विकास में इसकी प्राथमिकता स्पष्ट नहीं है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने युवाओं को रोजगार, महिलाओं को आर्थिक सहायता और जनकल्याण से जुड़े कई वादे किए थे। अब सरकार को बताना चाहिए कि कितनी गारंटियां पूरी हुईं और कितने वादे केवल घोषणाओं तक सीमित रह गए। उन्होंने सरकार से कांगड़ा जिले के विकास का रिपोर्ट कार्ड सार्वजनिक करने की मांग भी की। परमार ने कहा कि चुनाव से पहले बैठकों, नियुक्तियों और घोषणाओं में तेजी लाना विकास का विकल्प नहीं हो सकता। जनता अब केवल आश्वासन नहीं, बल्कि जमीनी परिणाम चाहती है।

पश्चिम बंगाल से मंगवाई गई है कतला और सिल्वर कार्प की उच्च गुणवत्ता वाली मत्स्य उंगलिकाएं

गोविंद सागर झील में कतला और सिल्वर कार्प का संग्रहण

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। प्रदेश में मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा देने और स्थानीय मछुआरों की आजीविका मजबूत करने के लिए मत्स्य पालन विभाग ने बड़े जलाशयों में मछली बीज डालने का अभियान शुरू कर दिया है। इसकी शुरुआत बिलासपुर के लुहणू से की गई। पहले चरण में गोविंद सागर झील में कतला और सिल्वर कार्प मछलियों की कुल 2,05,866 उंगलिकाएं डाली गईं। ये मछलियां पश्चिम बंगाल के कोलकाता से मंगवाई गई हैं।

मत्स्य पालन विभाग के निदेशक ओम कांत ठाकुर ने बताया कि विभाग हर वर्ष गोविंद सागर, पौंग बांध, कोल बांध और चमेरा बांध सहित प्रदेश के प्रमुख जलाशयों में मछली बीज डालता है। इसका उद्देश्य मछली उत्पादन बढ़ाने के साथ स्थानीय मछुआरों की आजीविका को सुदृढ़ करना है। उन्होंने कहा कि विभाग ठेकेदारों के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाला मत्स्य बीज प्रदेश के बाहर से मंगवाता है और इसे चरणबद्ध तरीके से विभिन्न जलाशयों में डाला जाता है। इस बार मछुआरों और स्थानीय हितधारकों की मांग को ध्यान में रखते हुए कतला और सिल्वर कार्प का बेहतर गुणवत्ता वाला बीज उपलब्ध करवाया गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस पहल से आने वाले समय में गोविंद सागर झील में मछली उत्पादन बढ़ेगा और स्थानीय मछुआरों को आर्थिक लाभ मिलेगा। इस अवसर पर संयुक्त निदेशक पवन कुमार, सहायक निदेशक पंकज ठाकुर, नीतू सिंह, राकेश कुमार सहित विभागीय अधिकारी, स्थानीय मछुआरे और मत्स्य पालक समितियों के सदस्य मौजूद रहे। विभाग ने बताया कि अभियान के तहत प्रदेश के अन्य जलाशयों में भी चरणबद्ध तरीके से उच्च गुणवत्ता वाला मछली बीज डाला जाएगा।



गोविंद सागर झील में 2.05 लाख मछलियों का बीज डाला।

न्यूज ब्रीफ

नारनौल में माइंस के विरोध में उतरे ग्रामीण नियमों की अनदेखी के लगाए आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, नारनौल। नांगल चौधरी क्षेत्र के दौंखेरा गांव में पहाड़ पर प्रस्तावित माइंस के विरोध में ग्रामीणों ने सोमवार से जिला उपायुक्त कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू करने का निर्णय लिया है। रविवार को हुई बैठक में ग्रामीणों ने एनओसी जारी करने की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए नियमों की अनदेखी के आरोप लगाए। ग्रामीणों का कहना है कि पहाड़ के पास मंदिर, आवासीय मकान और सार्वजनिक संपत्तियां होने के बावजूद माइंस की लीज आवंटित की गई। उन्होंने निष्पक्ष पैमाइश कराकर वास्तविक स्थिति सार्वजनिक करने की मांग की। ग्रामीणों ने आशंका जताई कि खनन और भारी ब्लास्टिंग से आसपास के लोगों की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। उनका आरोप है कि करीब एक महीने से मिट्टी उठाने और रास्ता बनाने का काम जारी है। जिला माइंस अधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि विभिन्न विभागों की एनओसी मिलने के बाद ही लीज आवंटन की प्रक्रिया पूरी की गई।

रेवाड़ी: नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ में म्यूजिक टीचर को पांच साल की सजा

भारतेन्दु संवाददाता, रेवाड़ी। नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ के मामले में फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट ने दोषी म्यूजिक टीचर को पांच वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. मैनपाल रामावत की अदालत ने दोषी पर 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना नहीं भरने पर उसे एक माह का अतिरिक्त कठोर कारावास भुगतना होगा। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, शहर निवासी महिला ने महिला थाना रेवाड़ी में शिकायत दी थी कि उनकी नौ वर्षीय बेटी निजी स्कूल में चौथी कक्षा की छात्रा थी। 29 दिसंबर 2021 को स्कूल के म्यूजिक टीचर ने परिसर में बच्ची से अश्लील हरकत और छेड़छाड़ की थी। बच्ची ने घर पहुंचकर मां को घटना बताई, जिसके बाद पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। जांच के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आरोपपत्र अदालत में पेश किया। सुनवाई के दौरान साक्ष्यों और गवाहों के बयान के आधार पर अदालत ने उसे दोषी करार दिया।

करनाल में श्रीनगर जा रही बस पर पथराव, कार से टच होने पर विवाद

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल। दिल्ली से श्रीनगर जा रही जम्मू-कश्मीर नंबर की बस पर हरियाणा के करनाल में पथराव किया गया। घटना शनिवार रात नीलोखेड़ी स्थित डिवाइन स्टार रेस्टोरेंट के बाहर हुई। पथराव के कारण बस के कई शीशे टूट गए। बताया जा रहा है कि एक कार के बस से टच होने के बाद विवाद शुरू हुआ, जिसके बाद बस पर पत्थर फेंके गए। घटना के बाद मौके पर आसपास के लोग एकत्र हो गए। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने मामले को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। घटना ने यात्रियों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े किए हैं। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में विवाद के कारणों और पथराव में शामिल लोगों के संबंध में विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। मामले में आगे की कार्रवाई को लेकर आधिकारिक जानकारी का इंतजार है।

लॉरेंस गैंग के बदमाश धोलिया को गुरुग्राम कोर्ट से जमानत

भारतेन्दु संवाददाता, चरखी दादरी। लॉरेंस गैंग से जुड़े रंगदारी व अवैध हथियार रखने के चर्चित मामले में गिरफ्तार चरखी दादरी के बाढड़ा निवासी अंकित उर्फ धोलिया (30) को गुरुग्राम कोर्ट से जमानत मिल गई है। आरोपी पर उसके चाचा की हत्या समेत करीब 20 मामले दर्ज बताए जा रहे हैं। उस पर कारोबारियों को रंगदारी के लिए धमकाने के आरोप भी हैं। मामले में लॉरेंस गैंग के सदस्यों पर भारतीय और विदेशी जेलों से वॉट्सऐप तथा सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापारियों से रंगदारी वसूलने का आरोप है। पुलिस ने इसी मामले में धोलिया को गिरफ्तार किया था। वह करीब डेढ़ साल से जेल में बंद था। अब अदालत से जमानत मिलने के बाद उसे राहत मिली है। हालांकि, जमानत मिलने का अर्थ आरोपों से बरी होना नहीं है। मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी रहेगी।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष बेनीवाल के घर बजेगी शहनाई, राहुल गांधी को भी न्योता

भारतेन्दु संवाददाता, सिरसा। हरियाणा के सिरसा जिला कांग्रेस अध्यक्ष संतोष बेनीवाल के छोटे बेटे नीतेश बेनीवाल जल्द ही शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। नीतेश 21 अक्टूबर को चंडीगढ़ निवासी कोमल प्रीत रंधावा के साथ सात फेरे लेंगे। कोमल प्रीत रिटायर्ड कर्नल जगजीत सिंह की इकलौती बेटी हैं। दोनों की यह लव मैरिज है। नीतेश और कोमल प्रीत करीब पांच साल पहले चंडीगढ़ में मिले थे। इसके बाद दोनों के बीच जान-पहचान बढ़ी और अब उन्होंने शादी करने का फैसला लिया है। शादी को लेकर परिवारों में तैयारियां चल रही हैं। इस समारोह के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत करीब 20 हजार लोगों को निमंत्रण भेजे जाने की जानकारी सामने आई है। संतोष बेनीवाल सिरसा में कांग्रेस संगठन से जुड़े प्रमुख नेताओं में शामिल हैं। उनके बेटे की शादी को लेकर राजनीतिक और सामाजिक हलकों में भी चर्चा है। 21 अक्टूबर को होने वाले इस विवाह समारोह में बड़ी संख्या में मेहमानों के शामिल होने की संभावना है।

घूमने जा रहे 19 वर्षीय चेतन को कार ने मारी टक्कर, मौके पर मौत

भारतेन्दु संवाददाता, रेवाड़ी। रेवाड़ी जिले के गांव लूला अहीर निवासी 19 वर्षीय चेतन की सड़क हादसे में मौत हो गई। वह तीन बहनों का इकलौता भाई था और अग्निवीर भर्ती में फिजिकल समेत अन्य टेस्ट पास कर चुका था। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, शनिवार देर शाम चेतन घूमने के लिए गांव दड़ौली की ओर जा रहा था। इसी दौरान टाटा टियागो कार ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी गंभीर थी कि चेतन की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर कोसली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को नागरिक अस्पताल कोसली में रखवा दिया। हादसे के बाद परिवार में शोक का माहौल है। पुलिस फरार कार चालक की तलाश में जुटी हुई है।

पूरी सरकार मुझसे परेशान, चाय पीने पर भी दिक्कत : दीपेंद्र हुड्डा

देवराज दीवान की पुण्यतिथि पर सोनीपत में श्रद्धांजलि सभा, कांग्रेस नेताओं ने जनसेवा को किया याद

भारतेन्दु संवाददाता, सोनीपत



कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने हरियाणा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पूरी सरकार उनसे परेशान है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि वह ऊपर चढ़ जाएं तो परेशानी, नीचे उतर जाएं तो परेशानी और चाय या कॉफी पी लें तो भी सरकार को दिक्कत होती है। हुड्डा रविवार को सोनीपत में पूर्व विधायक देवराज दीवान की पुण्यतिथि पर दीवान फार्म में आयोजित श्रद्धांजलि सभा के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

इस अवसर पर सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने पूर्व विधायक देवराज दीवान को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके जनसेवा के कार्यों को याद किया। कार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं, समाजसेवियों, पार्षदों और अन्य गणमान्य नागरिकों ने भी भाग लिया। सभी ने देवराज दीवान के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि सभा में हरियाणा प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी संजय दत्त और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह भी पहुंचे। दोनों नेताओं ने पूर्व विधायक देवराज दीवान के सामाजिक योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने अपना जीवन जनसेवा और समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित किया। उनके विचार और जनहितकारी कार्य आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि देवराज दीवान ने समाज के दबे-कुचले और जरूरतमंद वर्गों के हितों के लिए काम किया। उनका जीवन लोगों की समस्याओं को समझने और उनके समाधान के लिए प्रयास करने की प्रेरणा देता है। ऐसे जनप्रतिनिधियों का योगदान समाज में लंबे समय तक याद रखा जाता है। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित लोगों ने भी उनके सामाजिक कार्यों को याद करते हुए उन्हें नमन किया।

कार्यक्रम के दौरान देवराज दीवान के व्यक्तित्व और जनहित से जुड़े कार्यों को याद किया गया। नेताओं ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर चलना और जरूरतमंद लोगों की मदद करना महत्वपूर्ण है। देवराज दीवान ने अपने कार्यों से जनसेवा की भावना को आगे बढ़ाया। श्रद्धांजलि सभा के बाद दीपेंद्र हुड्डा की सरकार पर की गई टिप्पणी राजनीतिक चर्चा का विषय रही। उन्होंने अपने बयान के जरिए यह संदेश देने की कोशिश की कि उनके सार्वजनिक कार्यक्रमों और गतिविधियों को लेकर सरकार परेशान रहती है।

चाय-कॉफी पीने तक का उल्लेख करते हुए उन्होंने व्यंग्यात्मक अंदाज में अपनी बात रखी। कार्यक्रम में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी और पूर्व विधायक को दी गई श्रद्धांजलि ने जनसेवा के मुद्दे को प्रमुखता दी। नेताओं ने देवराज दीवान के आदर्शों को याद करते हुए कहा कि उनके जनहितकारी कार्य आने वाली पीढ़ियों के लिए भी प्रेरणा बने रहेंगे। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि दीवान के विचारों को अपनाकर समाजसेवा और जनकल्याण के कार्यों को आगे बढ़ाना चाहिए।

पानीपत में लिव-इन पार्टनर की संदिग्ध मौत, महिला पर जहर देने का आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत। शहर के सेक्टर 13-17 स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रहने वाले टूर एंड ट्रैवल संचालक लोकेश उर्फ सौरव की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने उसके साथ लिव-इन में रह रही महिला पर जहरीला पदार्थ देकर हत्या करने का आरोप लगाया है। लोकेश अपनी पत्नी और बेटी से अलग रह रहा था। जानकारी के अनुसार, लोकेश की रात के समय अचानक तबीयत बिगड़ गई। गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। सुबह परिवार को उसकी मौत की सूचना मिली। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजनों में शोक छा गया। परिजनों ने मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषी के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। फिलहाल, महिला पर लगाए गए आरोपों की पुष्टि नहीं हुई है।

सिमरन की पांच साल की मुहिम, पर्यावरण संरक्षण की मिसाल

इस्तेमाल के बाद फेंके जाने वाले पैकेटों को सहेजकर पर्यावरण संरक्षण में योगदान

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत



जिस प्लास्टिक को लोग इस्तेमाल करने के बाद बेकार समझकर कूड़े में फेंक देते हैं, वही प्लास्टिक पानीपत के सेक्टर-12 निवासी सिमरन बठला के लिए पर्यावरण संरक्षण का माध्यम बन गया है। सिमरन पिछले पांच वर्षों से घर में इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं के खाली प्लास्टिक पैकेट अलग एकत्र कर रही हैं और उन्हें रीसाइक्लिंग के लिए भेजती हैं। उनकी यह पहल प्लास्टिक कचरे के उचित प्रबंधन और पर्यावरण को स्वच्छ रखने की दिशा में एक प्रेरणादायक उदाहरण बन रही है।

सिमरन की इस मुहिम की खास बात यह है कि वह प्लास्टिक पैकेटों को सामान्य कचरे में मिलाने के बजाय उन्हें अलग रखती हैं। उनकी मेहनत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि लगभग 20 से 25 दिनों में प्लास्टिक के खाली पैकेटों से एक कट्टा भर जाता है। इसके बाद वह इन पैकेटों को रीसाइक्लिंग के लिए भेज देती हैं, ताकि उनका दोबारा उपयोग किया जा सके और वे पर्यावरण को नुकसान न पहुंचाएं।

आज प्लास्टिक कचरा पर्यावरण के लिए गंभीर चुनौती बना हुआ है। घरों से निकलने वाले खाली पैकेट, रैपर और अन्य प्लास्टिक सामग्री अक्सर दूसरे कचरे के साथ फेंक दी जाती है। इससे कचरे के निपटान में परेशानी बढ़ती है और पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। ऐसे में सिमरन की पहल बताती है कि घर से शुरुआत करके भी इस समस्या को कम करने में योगदान दिया जा सकता है। सिमरन केवल प्लास्टिक कचरे के प्रबंधन पर ही ध्यान नहीं देतीं, बल्कि रसोई से निकलने वाले सब्जियों और अन्य खाद्य पदार्थों के छिलकों का उपयोग पौधों की देखभाल के लिए भी करती हैं।

इससे जैविक कचरे का सदुपयोग करने और पौधों को बेहतर तरीके से संभालने का प्रयास होता है। सिमरन की पांच साल से जारी यह मुहिम संदेश देती है कि पर्यावरण संरक्षण के लिए बड़े अभियान की प्रतीक्षा करने के बजाय हर व्यक्ति अपनी रोजमर्रा की आदतों में छोटे बदलाव कर सकता है।

फतेहाबाद पुलिस ने पकड़े सात जुआरी 1.16 लाख जब्त

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद। शहर के अशोक नगर क्षेत्र में पुलिस ने एक मकान पर छापा मारकर जुआ खेलते सात लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक लाख 16 हजार रुपये की जुआ राशि बरामद की है। सभी के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत कार्रवाई शुरू कर दी गई है। थाना शहर प्रभारी उपनिरीक्षक संजय कुमार ने बताया कि जिले में जुआ और सट्टा जैसी गैरकानूनी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान गुरुनानकपुरा चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक रजत के नेतृत्व में टीम को अशोक नगर के एक मकान में जुआ खेले जाने की सूचना मिली। पुलिस ने तुरंत दबिश देकर सातों आरोपियों को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान धर्मवीर, बृजभूषण, पवन कुमार, अमन, हिमांशु, तरुण कुमार और सोनू के रूप में हुई है। पुलिस मामले में नियमानुसार कानूनी कार्रवाई कर रही है।

टोहाना के बैटरी स्टोर में लगी भीषण आग, लाखों का नुकसान



भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद। टोहाना में अमानी से खनौरा रोड पर स्थित मलिक बैटरी स्टोर में रविवार दोपहर अचानक भीषण आग लग गई। आग ने देखते ही देखते पूरे स्टोर को अपनी चपेट में ले लिया। इससे अंदर रखा सामान जलकर राख हो गया और लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान है। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

सूचना मिलते ही टोहाना, जाखल और धारसूल से दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने में जुट गईं। आग की भयावहता को देखते हुए फतेहाबाद और भूना से भी अतिरिक्त दमकल गाड़ियां बुलानी पड़ीं। दमकल कर्मचारियों ने घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। प्रशासनिक अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे। ग्रामीण सुरजीत ने बताया कि वह अमानी बस स्टैंड पर मौजूद थे, तभी उन्हें दूर से धुआं उठता दिखाई दिया।

◆ टोहाना में आग का तांडव, पांच स्थानों से पहुंचीं दमकल की गाड़ियां

मौके पर पहुंचने पर स्टोर में आग की ऊंची लपटें उठ रही थीं। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस और प्रशासन मामले की जांच कर रहे हैं।

नारनौल में कॉलेज जाने के लिए निकली बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा लापता

भारतेन्दु संवाददाता, नारनौल

जिले के बलाना स्थित आरपीएस कॉलेज में बीए द्वितीय वर्ष की पढ़ाई कर रही 20 वर्षीय छात्रा संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। छात्रा 16 अक्टूबर को घर से कॉलेज जाने के लिए निकली थी, लेकिन शाम तक वापस नहीं लौटी। परिजनों ने अपने स्तर पर उसकी तलाश की और रिश्तेदारों व परिचितों से भी पूछताछ की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद छात्रा की मां ने पुलिस को शिकायत देकर बेटी को तलाशने की गुहार लगाई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।



पुलिस के अनुसार, चरखी दादरी जिले के बाढ़ड़ा निवासी महिला ने माधोगढ़ पुलिस चौकी में शिकायत दी थी। महिला ने बताया कि उसकी 20 वर्षीय बेटी बलाना स्थित आरपीएस कॉलेज में बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा है। 16 अक्टूबर को वह रोजाना की तरह घर से कॉलेज जाने के लिए निकली थी। परिजनों को उम्मीद थी कि वह शाम तक घर लौट आएगी, लेकिन देर शाम तक उसके वापस नहीं पहुंचने पर परिवार को चिंता होने लगी। छात्रा के घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू कर दी। उन्होंने रिश्तेदारों और परिचितों से संपर्क कर उसके बारे में जानकारी जुटाने का प्रयास किया, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। काफी तलाश के बाद भी बेटी का पता नहीं चलने पर उसकी मां माधोगढ़ पुलिस चौकी पहुंची और शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस चौकी में मिली शिकायत के आधार पर मामले को सतनाली थाने भेजा गया। पुलिस ने 17 अक्टूबर को अभियोग दर्ज कर जांच शुरू की। मामले से संबंधित दस्तावेज जांच अधिकारी को भेज दिए गए हैं। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है और लापता छात्रा का पता लगाने के प्रयास जारी हैं। फिलहाल छात्रा के लापता होने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस छात्रा के मोबाइल फोन और अन्य संभावित सुरागों के आधार पर भी जांच कर सकती है। हालांकि, इस संबंध में अभी कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। परिजन बेटी के सुरक्षित घर लौटने की उम्मीद लगाए हुए हैं।

कबड्डी, क्रिकेट, हॉकी, कुश्ती समेत 11 खेलों में दिखेगा खिलाड़ियों का दम

हरियाणा दिवस पर खेल महोत्सव 2.0 का आगाज

भारतेन्दु संवाददाता, कलायत



खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने और खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर देने के उद्देश्य से सांसद नवीन जिंदल की ओर से कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र में खेल महोत्सव 2.0 का आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव की शुरुआत एक नवंबर को हरियाणा दिवस के अवसर पर होगी। इसमें 11 खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। विजेता टीमों को एक लाख रुपये तक के नकद पुरस्कार दिए जाएंगे।

महोत्सव के तहत कबड्डी, क्रिकेट, फुटबाल, हॉकी, वालीबाल, कुश्ती, बाक्सिंग, जूडो, शूटिंग, एथलेटिक्स और रस्साकशी के मुकाबले होंगे। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने और खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। आयोजन का उद्देश्य युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करना और उन्हें प्रतिस्पर्धा के लिए बेहतर मंच उपलब्ध कराना है। दो चरणों में होंगी प्रतियोगिताएं खेल महोत्सव का पहला चरण एक से 20 नवंबर तक चलेगा। इस दौरान विधानसभा स्तर पर मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। इसके बाद दूसरे चरण में सात से 16 दिसंबर तक लोकसभा स्तर की प्रतियोगिताएं होंगी। 16 दिसंबर को समापन समारोह आयोजित किया जाएगा।

प्रतियोगिताओं का डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सीधा प्रसारण भी किया जाएगा, जिससे खेल प्रेमी मुकाबलों को देख सकेंगे। पिछले वर्ष की तरह इस बार भी कलायत क्षेत्र के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। विभिन्न खेलों में भाग लेने से खिलाड़ियों को अपनी क्षमता परखने और बेहतर प्रदर्शन करने का मौका मिलेगा। नकद पुरस्कारों से खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने की भी योजना है। सांसद नवीन जिंदल की ओर से निर्धारित रूपरेखा के अनुसार पूर्व मंत्री कमलेश ढांडा ने खेल महोत्सव का पोस्टर जारी किया। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष राजीव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

आयोजकों को उम्मीद है कि प्रतियोगिताओं में बड़ी संख्या में खिलाड़ी भाग लेंगे और खेल महोत्सव युवाओं के लिए प्रेरणादायक साबित होगा। आयोजकों के अनुसार, खेल महोत्सव के जरिए ग्रामीण क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को पहचान दिलाने और उन्हें बड़े मंच तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भविष्य में भी खेलों से जुड़े अवसरों के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

फरुखनगर में नाला निर्माण में लापरवाही का आरोप, स्थानीय लोगों ने जताई चिंता

भारतेन्दु संवाददाता, फरुखनगर



एआई चित्र

फरुखनगर बस स्टैंड से डाबोदा मोड़ तक सड़क के साथ बनाए जा रहे नाले की गुणवत्ता को लेकर स्थानीय लोगों ने सवाल उठाए हैं। लोगों का आरोप है कि निर्माण कार्य में निर्धारित मानकों की अनदेखी की जा रही है। नाले में पहले से भरे पानी को निकाले बिना ही उसके अंदर निर्माण सामग्री डाली जा रही है। इससे नाले की मजबूती और लंबे समय तक टिकाऊ रहने को लेकर चिंता बढ़ गई है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, नाले का निर्माण जिस तरीके से किया जा रहा है, उससे इसकी गुणवत्ता प्रभावित होने की आशंका है। लोगों का कहना है कि निर्माण कार्य में नियमों और तकनीकी मानकों का पालन किया जाना जरूरी है, ताकि तैयार होने के बाद नाले में पानी की निकासी सुचारु रूप से हो सके और लोगों को भविष्य में परेशानी का सामना न करना पड़े। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि ठेकेदार की ओर से नाले का निर्माण रात के समय कराया जा रहा है।

उनका कहना है कि अंधेरे में काम होने के कारण निर्माण की गुणवत्ता पर निगरानी रखना मुश्किल हो सकता है। आरोप है कि नाले में जमा पानी को बाहर निकाले बिना ही उसके अंदर निर्माण सामग्री डालकर काम किया जा रहा है। लोगों ने इस तरीके पर आपत्ति जताते हुए निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच कराने की मांग की है। लोगों के मुताबिक, किसी भी निर्माण कार्य में उसकी मजबूती और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। यदि शुरुआत में ही मानकों की अनदेखी होती है, तो आगे चलकर निर्माण की उपयोगिता प्रभावित हो सकती है।

नाले का उद्देश्य सड़क के आसपास पानी की निकासी को बेहतर बनाना है। ऐसे में इसके निर्माण में लापरवाही होने पर समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाएगा। स्थानीय लोगों ने संबंधित अधिकारियों से निर्माण कार्य का निरीक्षण करने और इस्तेमाल की जा रही सामग्री की गुणवत्ता की जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर निर्माण की स्थिति का जायजा लेना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि काम निर्धारित मानकों के अनुसार हो रहा है।

तस्करी बदायूं के रहने वाले हैं दोनों आरोपी, फरीदाबाद की मोहन सरपंच कॉलोनी में रह रहे थे

फरीदाबाद में 1.588 किलो अफीम के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद



फरीदाबाद पुलिस की अपराध शाखा बॉर्डर ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 1.588 किलोग्राम अफीम के साथ तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, दो आरोपित उत्तर प्रदेश के नोएडा से करीब चार लाख रुपये में अफीम खरीदकर फरीदाबाद लाए थे। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने अफीम सप्लाई करने के आरोप में नोएडा निवासी रानू को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से एक मोटरसाइकिल भी बरामद की है।

पुलिस प्रवक्ता के मुताबिक, 16 अक्टूबर को अपराध शाखा बॉर्डर की टीम को नशीले पदार्थों की तस्करी से संबंधित गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर टीम ने नहर पार रोड स्थित पल्ला क्षेत्र में कार्रवाई की। इस दौरान पुलिस ने विपिन और सुखवीर को काबू किया। तलाशी लेने पर उनके पास से 1.588 किलोग्राम अफीम बरामद हुई।

इसके बाद पुलिस ने नशीला पदार्थ और मोटरसाइकिल अपने कब्जे में लेकर दोनों आरोपितों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि विपिन और सुखवीर कथित तौर पर नोएडा से अफीम खरीदकर फरीदाबाद में लाए थे। पुलिस के अनुसार, दोनों ने इस खेप के लिए करीब चार लाख रुपये खर्च किए थे। पूछताछ के दौरान उन्होंने नोएडा निवासी रानू से अफीम खरीदने की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने सप्लायर को गिरफ्तार करने के लिए कार्रवाई की और उसे भी पकड़ लिया। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए विपिन और सुखवीर उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले के गांव बांस बरोलिया के रहने वाले हैं। दोनों फिलहाल फरीदाबाद की मोहन सरपंच कॉलोनी में रह रहे थे। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपित अफीम कहां से खरीदते थे और इसे फरीदाबाद में किन लोगों तक पहुंचाने की योजना थी। पुलिस ने विपिन और सुखवीर को अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें पांच दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। रिमांड के दौरान पुलिस उनसे अफीम की खरीद, सप्लाई और तस्करी से जुड़े अन्य पहलुओं के बारे में पूछताछ कर रही है।

पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इस मामले में अन्य लोग शामिल हैं या नहीं। अधिकारियों के अनुसार, नशीले पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने के लिए पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इस मामले में बरामद अफीम की मात्रा, खरीद के लिए इस्तेमाल की गई रकम और नोएडा से फरीदाबाद तक सप्लाई के संबंध की जांच की जा रही है। पुलिस पूछताछ में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी। पुलिस विपिन और सुखवीर से अफीम की खरीद-फरोख्त और सप्लाई के संबंध में पूछताछ कर रही है। साथ ही, तस्करी में अन्य लोगों की संलिप्तता और नोएडा से फरीदाबाद तक नेटवर्क का पता लगाया जा रहा है।

अफीम तस्करी के नेटवर्क की जांच जारी

पुलिस के अनुसार, मामले में बरामद 1.588 किलोग्राम अफीम और करीब चार लाख रुपये की खरीद से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पूछताछ के आधार पर यह पता लगाने का प्रयास है कि अफीम की सप्लाई कहां से हुई और इसे आगे किन लोगों तक पहुंचाया जाना था। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगामी कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली सरकार का बड़ा फैसला, विकास योजनाओं को रफ्तार देने के लिए डीआईटीआई का गठन

नीति आयोग की तर्ज पर दिल्ली में बनेगा विकास का रोडमैप, डीआईटीआई का गठन

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने राजधानी के विकास कार्यों और नीतियों को नई दिशा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सरकार ने दिल्ली इंस्टीट्यूट फॉर ट्रांसफॉर्मेशन एंड इनोवेशन (डीआईटीआई) के गठन की अधिसूचना जारी कर दी है। इस संस्थान का उद्देश्य दिल्ली के विकास के लिए दीर्घकालिक योजनाएं तैयार करना, सरकारी नीतियों का विश्लेषण करना और विभिन्न विभागों के कामकाज में सुधार लाना है।

इसे केंद्र सरकार के नीति आयोग की तर्ज पर गठित किया गया है। डीआईटीआई सरकार को 'विजन दिल्ली 2047' सहित विभिन्न विकास योजनाओं का रोडमैप तैयार करने में मदद करेगा। इसके माध्यम से राजधानी के भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए योजनाओं की रूपरेखा बनाई जाएगी। साथ ही, सरकारी कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी बनाने और जनसेवाओं की गुणवत्ता सुधारने पर भी ध्यान दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता होंगी गवर्निंग बोर्ड की अध्यक्ष

डीआईटीआई के गवर्निंग बोर्ड की अध्यक्ष मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता होंगी। अधिसूचना के अनुसार, बोर्ड के उपाध्यक्ष को नामित करने का अधिकार भी मुख्यमंत्री के पास होगा। संस्थान के कामकाज को व्यवस्थित ढंग से आगे बढ़ाने के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक कार्यकारी समिति का भी गठन किया गया है।

यह व्यवस्था संस्थान की नीतिगत गतिविधियों और विभिन्न विभागों के साथ समन्वय को मजबूत करने में मदद करेगी। गवर्निंग बोर्ड और कार्यकारी समिति के माध्यम से विकास योजनाओं की प्राथमिकताओं तथा उनके



क्रियान्वयन से जुड़े विषयों पर काम किया जाएगा।डीआईटीआई विभिन्न क्षेत्रों में नीतिगत शोध, विश्लेषणात्मक अध्ययन और सरकारी योजनाओं के प्रभाव का आकलन करेगा। इसका उद्देश्य यह पता लगाना होगा कि योजनाओं से लोगों को कितना लाभ मिल रहा है और उनमें सुधार की कहां जरूरत है। संस्थान सरकारी विभागों को योजनाओं के निर्माण और क्रियान्वयन के लिए साक्ष्य आधारित सुझाव देगा।

इससे नीतियां तैयार करते समय आंकड़ों, शोध और वास्तविक परिस्थितियों को अधिक महत्व दिया जा सकेगा। इसके अलावा, डीआईटीआई योजनाओं की निगरानी, उनके परिणामों के मूल्यांकन और सरकारी कार्यक्रमों की प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए भी सुझाव देगा। इससे विभागों को अपनी योजनाओं की कमियों को पहचानने और उन्हें दूर करने में मदद मिलने की उम्मीद है।दिल्ली इंस्टीट्यूट फॉर ट्रांसफॉर्मेशन एंड इनोवेशन डेटा, प्रौद्योगिकी, साझेदारी और नीति अनुसंधान के माध्यम से सरकारी कामकाज में सुधार की संस्कृति को बढ़ावा देगा।

1 नवंबर को रामलीला मैदान में होगी कांग्रेस की रैली, दिल्ली पुलिस ने दी मंजूरी

एजेंसी ,नई दिल्ली

दिल्ली में कांग्रेस पार्टी की प्रस्तावित रैली को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। दिल्ली पुलिस ने 1 नवंबर को रामलीला मैदान में रैली आयोजित करने की अनुमति दे दी है। सुरक्षा व्यवस्था का आकलन करने के बाद पुलिस की ओर से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) जारी किया गया है। इसके साथ ही रैली के आयोजन का रास्ता साफ हो गया है। कांग्रेस ने 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में रैली करने का ऐलान किया था।

हालांकि, राजधानी में लगातार जारी विरोध-प्रदर्शनों और उनसे व्यापारिक गतिविधियों पर पड़ रहे असर के बीच रैली के आयोजन को लेकर कई तरह की आशंकाएं जताई जा रही थीं। ऐसे में पुलिस की अनुमति मिलने के बाद आयोजन की तैयारियां आगे बढ़ सकेंगी।

सुरक्षा और यातायात व्यवस्था पर रहेगा जोर मध्य दिल्ली के पुलिस



कांग्रेस सांसद राहुल गांधी,

उपायुक्त रोहित राजबीर सिंह के अनुसार, रैली के लिए 25 अक्टूबर से 3 नवंबर तक की अवधि के लिए एनओसी जारी की गई है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि आयोजन को सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए सभी जरूरी व्यवस्थाओं पर ध्यान दिया जाएगा।

रैली के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने और यातायात का प्रभावी प्रबंधन करने के लिए दिल्ली पुलिस आयोजकों, यातायात पुलिस और अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय कर रही है। मैदान की उपलब्धता की पुष्टि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की ओर से किए जाने के बाद पुलिस ने सुरक्षा संबंधी आकलन पूरा कर एनओसी जारी की। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, कांग्रेस की यह रैली मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर विपक्ष की ओर से चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सितंबर में एक बड़ी रैली आयोजित करने की घोषणा की थी।

न्यूज ब्रीफ

ग्रेटर नोएडा में मानव तस्करी गिरोह का पर्दाफाश, दो महिलाओं समेत सात गिरफ्तार

एजेंसी ,नई दिल्ली ग्रेटर नोएडा के कासना में पुलिस ने छह साल के बच्चे का अपहरण कर दो लाख रुपये में बेचने वाले कथित मानव तस्करी गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने पांच पुरुषों और दो महिलाओं समेत सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, शनिवार को गांव डाढ़ा गोलचक्कर के पास मुठभेड़ के दौरान तीन आरोपियों के पैर में गोली लगी।



सांकेतिक तस्वीर

आरोपियों की निशानदेही पर छह प्रतिशत आबादी क्षेत्र से अपहृत बच्चे को सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप दिया गया। जांच में सामने आया कि बच्चा घर से खेलने निकला था, तभी उसका अपहरण कर कथित तौर पर दो लाख रुपये में बेच दिया गया। गिरफ्तार आरोपियों में गुरमीत सिंह, सुमित कुमार, अंकित कुमार, विकास और नकुल के अलावा पुष्पा और कमलेश नाम की दो महिलाएं शामिल हैं। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

आगरा एमएलसी चुनाव की तैयारी पूरी, 22 अक्टूबर को रवाना होंगी 75 पोलिंग पार्टियां

एजेंसी, नई दिल्ली आगरा में एमएलसी चुनाव की तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है। शनिवार को सूरसदन प्रेक्षागृह में मतदान कार्मिकों को दूसरा प्रशिक्षण दिया गया। इसमें प्रथम, द्वितीय और तृतीय मतदान अधिकारियों को मतदान प्रक्रिया, मतपत्र के इस्तेमाल और बैलेट बॉक्स सील करने की जानकारी दी गई।22 अक्टूबर को रवाना होंगी पोलिंग पार्टियां चुनाव के लिए 22 अक्टूबर की सुबह साढ़े 10 बजे फिरोजाबाद रोड स्थित गल्ला मंडी से 75 पोलिंग पार्टियां रवाना होंगी। सभी पार्टियों को निर्धारित मतदान केंद्रों पर पहुंचकर चुनाव संबंधी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करनी होंगी।एमएलसी चुनाव के लिए 23 अक्टूबर को सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक मतदान कराया जाएगा। इसमें ईवीएम के बजाय मतपत्र का इस्तेमाल किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि केवल वही मतदाता वोट डाल सकेंगे, जिनका नाम मतदाता सूची में दर्ज है। मतदाताओं को मतदान से पहले अपने जरूरी दस्तावेज साथ रखने चाहिए। अधिकारियों का उद्देश्य चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराना है। आगरा में एमएलसी चुनाव की तैयारियां पूरी, 22 अक्टूबर को 75 पोलिंग पार्टियां रवाना होंगी, 23 अक्टूबर को मतदान होगा।

हांगकांग के जिम में हुआ प्यार, अब मेरठ के अंशुल की दुल्हन बनेंगी फिलीपींस की क्यूरिटा

एजेंसी, नई दिल्ली । प्यार न देश की सीमाएं देखता है और न ही संस्कृति का अंतर। मेरठ के शास्त्रीनगर निवासी अंशुल और फिलीपींस की क्यूरिटा की प्रेम कहानी इसकी खूबसूरत मिसाल है। करीब दो साल पहले हांगकांग के एक जिम में हुई मुलाकात अब शादी के रिश्ते में बदलने जा रही है। हांगकांग में हुई मुलाकात, दोस्ती से प्यार तक पहुंचा रिश्ता अंशुल और क्यूरिटा की पहली मुलाकात हांगकांग के जिम में हुई थी। शुरुआत में दोनों के बीच सामान्य परिचय हुआ, लेकिन धीरे-धीरे यह दोस्ती में बदल गया। समय के साथ दोनों एक-दूसरे को पसंद करने लगे और उनका रिश्ता गहरा होता चला गया। अलग-अलग देशों और संस्कृतियों से आने के बावजूद दोनों ने अपने रिश्ते को आगे बढ़ाने का फैसला किया।अब अंशुल और क्यूरिटा मेरठ के बाईपास स्थित एक होटल में शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। सोमवार को होने वाले विवाह समारोह में दोनों के परिवारों और मेहमानों के शामिल होने की उम्मीद है। इस अंतरराष्ट्रीय प्रेम कहानी को लेकर परिवार में खुशी का माहौल है। मेरठ के अंशुल और फिलीपींस की क्यूरिटा की प्रेम कहानी अब शादी में बदलने जा रही है। हांगकांग के जिम में करीब दो साल पहले शुरू हुई दोस्ती प्यार में बदली। अब दोनों मेरठ के बाईपास स्थित होटल में विवाह करेंगे।

फरीदाबाद में नशा तस्करी का भंडाफोड़, 1.588 किलो अफीम के साथ तीन गिरफ्तार

एजेंसी ,नई दिल्ली



फरीदाबाद में नशा तस्करी के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 1.588 किलोग्राम अफीम के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की अपराध शाखा बार्डर की टीम ने यह कार्रवाई की। जांच में सामने आया कि दो आरोपी नोएडा से करीब चार लाख रुपये में अफीम खरीदकर फरीदाबाद लाए थे। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने कथित सप्लायर को भी नोएडा से गिरफ्तार कर लिया।

गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई

पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, 16 अक्टूबर को क्राइम ब्रांच बार्डर की टीम को नशीले पदार्थों की तस्करी के संबंध में गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस ने नहर पार रोड के पल्ला क्षेत्र में कार्रवाई की और विपिन तथा सुखवीर नाम के दो आरोपियों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 1.588 किलोग्राम अफीम बरामद हुई। पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ की तो पता चला कि वे अफीम नोएडा से खरीदकर फरीदाबाद लाए थे। इसके बाद पुलिस ने उनकी निशानदेही पर नोएडा में कथित सप्लायर की तलाश शुरू की।पुलिस ने मामले में तीसरे आरोपी को भी नोएडा से गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई के दौरान आरोपियों के कब्जे से एक मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है।

रेवाड़ी में ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर शिकंजा, 927 वाहन जब्त और 3,877 चालान

एजेंसी, नई दिल्ली।

रेवाड़ी में सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने और आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। बिना नंबर प्लेट और हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) के चलने वाले वाहनों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। सितंबर और अक्टूबर के दौरान पुलिस ने कुल 3,877 चालान काटे और 927 वाहनों को जब्त किया। **बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों पर विशेष नजर** रेवाड़ी पुलिस के अनुसार, बिना नंबर प्लेट या निर्धारित एचएसआरपी के वाहन चलाना यातायात नियमों का उल्लंघन है। ऐसे वाहनों की पहचान करना मुश्किल हो सकता है, जिससे सड़क सुरक्षा के साथ-साथ कानून-व्यवस्था से जुड़ी चुनौतियां भी पैदा होती हैं।

दिल्ली में कार चोरी का अनोखा मामला, पूर्व मालिक ने जीपीएस से ट्रैक कर उड़ाई कार

एजेंसी ,नई दिल्ली



कार चोरी करने के मामले में आरोपी गिरफ्तार। सांकेतिक तस्वीर

पूर्वी दिल्ली में कार चोरी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। शाहदरा जिला पुलिस ने बेची हुई कार को जीपीएस की मदद से ट्रैक कर चोरी करने के आरोप में पूर्व मालिक और उसके साथी को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने कार बेचने से पहले उसमें जीपीएस लगवा दिया था और उसकी तीसरी चाबी अपने पास रख ली थी। पुलिस ने चोरी की हुंडई वरना कार और 89,500 रुपये नकद बरामद किए हैं।

दिलशाद गार्डन से चोरी हुई थी कार

पुलिस उपायुक्त राजेंद्र प्रसाद मीणा के अनुसार, आठ अक्टूबर को दिलशाद गार्डन इलाके में खड़ी एक कार चोरी हो गई थी। कार में दो लाख रुपये भी रखे हुए थे। घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस को सूचना दी। नौ अक्टूबर को सीमापुरी थाने में ई-एफआईआर दर्ज की गई। मामले की जांच एएटीएस (एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड) को सौंपी गई।जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि कार के पूर्व मालिक ने उसे बेचने से पहले उसमें जीपीएस डिवाइस लगवा दिया था। इसके अलावा, कार की तीसरी चाबी भी उसने अपने पास रखी थी।

आरोप है कि कार बेचने के बाद उसने अपने साथी के साथ मिलकर जीपीएस के जरिए वाहन की लोकेशन का पता लगाया और फिर तीसरी चाबी की मदद से कार चोरी कर ली। इस तरीके से आरोपियों को वाहन की लोकेशन जानने और उसे खोलने में मदद मिली। पुलिस ने तकनीकी जानकारी और जांच के आधार पर दोनों आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की हुंडई वरना कार और 89,500 रुपये नकद बरामद किए हैं। कार में रखे दो लाख रुपये में से बाकी रकम के संबंध में उपलब्ध जानकारी में विस्तृत विवरण नहीं दिया गया है।

प्रयागराज में विकास कार्यों का हिसाब कौन देगा? 2.24 करोड़ के खर्च पर 48 आपत्तियां

एजेंसी ,नई दिल्ली



सांकेतिक तस्वीर

प्रयागराज जिले की 15 ग्राम पंचायतों में करीब 2.24 करोड़ रुपये के विकास कार्यों के लेखा-जोखा पर सवाल खड़े हो गए हैं। ऑडिट के दौरान इन पंचायतों में कुल 48 आपत्तियां सामने आईं। अब अधिकारियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि इन आपत्तियों का जवाब कौन देगा और सरकारी धन के खर्च का हिसाब कैसे मिलेगा। **एक दशक में ऑडिट**,

फिर भी नहीं मिला हिसाब जानकारी के अनुसार, इन ग्राम पंचायतों में पिछले करीब एक दशक के दौरान समय-समय पर विकास कार्यों का ऑडिट कराया गया। जिला लेखा परीक्षा अधिकारी कार्यालय की टीमों ने सरकारी अभिलेखों की जांच की तो एक के बाद एक 48 आपत्तियां सामने आईं। इन आपत्तियों के जरिए विकास कार्यों में खर्च की गई धनराशि और उससे संबंधित दस्तावेजों को लेकर सवाल उठाए गए। मामले में अधिकारियों की ओर से कई बार आदेश और निर्देश जारी किए गए। संबंधित लोगों से जवाब मांगा गया और पत्राचार भी किया गया, लेकिन इसके बावजूद विकास कार्यों का पूरा लेखा-जोखा उपलब्ध नहीं हो सका।

इस मामले में जवाबदेही तय करना अधिकारियों के लिए मुश्किल हो रहा है। बताया जा रहा है कि संबंधित ग्राम पंचायतों के तत्कालीन प्रधानों का कार्यकाल समाप्त हो चुका है, जबकि कुछ तत्कालीन सचिवों का निधन हो गया है। ऐसे में पुरानी वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ी आपत्तियों का जवाब हासिल करना चुनौतीपूर्ण बन गया है। सरकारी धन से कराए गए विकास कार्यों के खर्च का स्पष्ट हिसाब न मिलने से प्रशासनिक व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं।

मेरठ के भीकुंड वेटलैंड की बदलेगी तस्वीर, 44 लाख से बनेगा ईको टूरिज्म पार्क

एजेंसी ,नई दिल्ली

मेरठ में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हस्तिनापुर वन्यजीव विहार स्थित भीकुंड वेटलैंड को विकसित करने की तैयारी शुरू हो गई है। प्रदेश सरकार की 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन वेटलैंड' पहल के तहत इसे पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई है। इसके लिए शासन ने 44 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की है।भीकुंड वेटलैंड की प्राकृतिक सुंदरता और हरियाली के बीच पांच हेक्टेयर क्षेत्र में ईको टूरिज्म पार्क बनाया जाएगा। इस परियोजना का उद्देश्य पर्यटकों को प्रकृति के करीब लाना और क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देना है। इससे मेरठ और आसपास के लोगों को घूमने-फिरने के लिए एक नया स्थान मिल सकेगा। परियोजना के लिए तीन कंपनियों ने टेंडर दाखिल किए हैं। अधिकारियों के अनुसार, अगले दो से तीन दिनों में टेंडर प्रक्रिया पूरी करने की योजना है। इसके बाद नवरात्र के दौरान ही निर्माण कार्य शुरू कराने की तैयारी है।

नोएडा में कैब चालक की खतरनाक हरकत, बोनट पर लटके दो युवकों को लेकर दौड़ाई कार

एजेंसी ,नई दिल्ली



सेक्टर-18 में युवकों को बोनट पर लटकाकर दौड़ी कार

नोएडा के सेक्टर-18 में सड़क पर एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां कहासुनी के बाद एक कैब ड्राइवर ने दो युवकों को कार के बोनट पर लटकाकर तेज रफ्तार में गाड़ी दौड़ा दी। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा में आ गया है। व्यस्त सड़क पर इस तरह वाहन चलाने से बड़ा हादसा होने का खतरा पैदा हो गया।

कहासुनी के बाद बढ़ा विवाद

जानकारी के अनुसार, नोएडा के सेक्टर-18 में कैब ड्राइवर और दो युवकों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया। आरोप है कि इसके बाद कैब चालक ने कार आगे बढ़ा दी, जबकि दोनों युवक वाहन के बोनट पर लटके हुए थे। बताया जा रहा है कि चालक ने युवकों के बोनट पर होने के बावजूद गाड़ी की रफ्तार कम नहीं की और उन्हें लेकर सड़क पर दौड़ता रहा। इस दौरान आसपास मौजूद लोगों के लिए भी स्थिति खतरनाक हो सकती थी। घटना के समय सड़क पर अन्य वाहनों की आवाजाही भी हादसे का कारण बन सकती थी।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वीडियो सामने आने के बाद लोग सड़क पर इस तरह वाहन चलाने को लेकर चिंता जता रहे हैं। चलती कार के बोनट पर दो युवकों का लटके होना और चालक द्वारा तेज रफ्तार में गाड़ी चलाना गंभीर सड़क सुरक्षा संबंधी सवाल खड़े करता है।

सड़क पर विवाद होने की स्थिति में वाहन को इस तरह चलाना लोगों की जान के लिए खतरा बन सकता है। ऐसी घटनाओं में वाहन चालक के साथ-साथ आसपास से गुजर रहे राहगीरों और अन्य वाहन सवारों की सुरक्षा भी प्रभावित होती है। नोएडा के व्यस्त सेक्टर-18 में हुई इस घटना ने सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन को लेकर सवाल खड़े किए हैं।

ग्रेटर नोएडा में 5 मौतों का मामला : महेश की ऑडियो रिकॉर्डिंग बनी अहम सुराग, 3 गिरफ्तार



नोएडा में पांच मौतों के मामले में दो महिला समेत तीन गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली

ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा क्षेत्र स्थित नगला श्रीपदम गांव में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने मृतक महेश की बड़ी बहन सुनीता, बहनोई शेखर और छोटी बहन सपना को गिरफ्तार किया है। तीनों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, शनिवार को सूचना मिली कि नगला श्रीपदम गांव में महेश (37), उसकी पत्नी ललिता (35) और उनके तीन बच्चे घर में मृत पाए गए हैं।

मृत बच्चों की पहचान लड्डू उर्फ साक्षात (11), मिष्टी (7) और रियांश (3) के रूप में हुई है। एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मामले की जांच के दौरान पुलिस को मृतक महेश के मोबाइल फोन से एक ऑडियो रिकॉर्डिंग मिली।

बताया जा रहा है कि इस रिकॉर्डिंग में महेश ने अपनी बड़ी बहन सुनीता, बहनोई शेखर और छोटी बहन सपना को इस घटना के लिए जिम्मेदार ठहराया था। इस रिकॉर्डिंग के सामने आने के बाद जांच ने नया मोड़ ले लिया। पुलिस ने बताया कि मृतका ललिता के भाई की शिकायत के आधार पर तीनों आरोपियों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है।

दिल्ली में व्यापार ठप होने का खतरा, रोजाना 400 करोड़ प्रभावित होने का अनुमान

दिल्ली में कारोबार पर संकट, 10 दिनों में 4,000 करोड़ प्रभावित होने का अनुमान

एजेंसी, नई दिल्ली



दिल्ली में प्रदर्शनों से व्यापार प्रभावित। चांदनी चौक बाजार

राजधानी दिल्ली में पिछले कुछ दिनों से जारी विरोध-प्रदर्शनों का असर अब व्यापारिक गतिविधियों पर भी दिखाई देने लगा है। बाजारों में कारोबार प्रभावित होने को लेकर व्यापारियों ने चिंता जताई है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने चेतावनी दी है कि यदि विरोध-प्रदर्शनों के कारण बाजारों में व्यवधान लंबे समय तक जारी रहा, तो दिल्ली के व्यापार को प्रतिदिन 400 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हो सकता है। चांदनी चौक से सांसद और कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने रविवार को इस स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि लगातार बाधित हो रही व्यापारिक गतिविधियों का असर राजधानी के कारोबार पर पड़ सकता है।

उन्होंने अनुमान जताया कि यदि मौजूदा स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है, तो अगले 10 दिनों में व्यापार प्रभावित होने का कुल आंकड़ा 4,000 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। **दिल्ली के व्यापारिक ढांचे पर पड़ सकता है असर**

प्रवीन खंडेलवाल के अनुसार, दिल्ली में प्रतिदिन औसतन लगभग 2,200 करोड़ रुपये का व्यापार होता है। राजधानी देश के प्रमुख व्यापारिक केंद्रों में शामिल है, जहां थोक और खुदरा बाजारों के माध्यम से बड़े पैमाने पर वस्तुओं की खरीद-बिक्री होती है। ऐसे में बाजारों तक पहुंच, ग्राहकों की आवाजाही और सामान की आपूर्ति में किसी भी तरह की बाधा व्यापारियों के लिए परेशानी खड़ी कर सकती है। उन्होंने कहा कि व्यापारिक गतिविधियों में लंबे समय तक व्यवधान रहने से कारोबारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। इसका असर केवल दुकानदारों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि व्यापार से जुड़े अन्य लोगों और आपूर्ति व्यवस्था पर भी पड़ सकता है।

व्यापारियों की बढ़ी चिंता

दिल्ली के बाजारों में कारोबार प्रभावित होने की आशंका के बीच व्यापारिक संगठनों ने स्थिति को लेकर चिंता जताई है। व्यापारियों के लिए ग्राहकों की नियमित आवाजाही और सामान की समय पर आपूर्ति बेहद महत्वपूर्ण है।

कैट की चेतावनी के मुताबिक, यदि विरोध-प्रदर्शनों के कारण बाजारों में व्यवधान जारी रहता है, तो आर्थिक नुकसान बढ़ सकता है। हालांकि, 400 करोड़ रुपये प्रतिदिन और 10 दिनों में 4,000 करोड़ रुपये के प्रभावित कारोबार के आंकड़े कैट के अनुमान हैं।

आगरा में 19 से 21 अक्टूबर तक यातायात में बदलाव, यमुना किनारा मार्ग पर रहेगी पाबंदी

एजेंसी ,नई दिल्ली

आगरा में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन और दशहरा के आयोजनों को देखते हुए यातायात पुलिस ने शहर में यातायात व्यवस्था में बदलाव करने का निर्णय लिया है। 19 से 21 अक्टूबर तक यमुना किनारा मार्ग सहित कई प्रमुख रास्तों पर रूट डायवर्जन लागू रहेगा। इस दौरान वाहन चालकों को निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करना होगा। यातायात पुलिस के अनुसार, दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान शहर के प्रमुख घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ जुटती है। इसके साथ ही दशहरा के आयोजन भी होने हैं। ऐसे में यातायात को सुचारु बनाए रखने और जाम की स्थिति से बचने के लिए यह व्यवस्था की गई है।

शहर के चार प्रमुख घाटों पर होगा विसर्जन

आगरा में दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन चार प्रमुख घाटों पर किया जाता है। इनमें सिकंदरा स्थित कैलाश घाट, कमला नगर का बल्केश्वर घाट, छत्ता क्षेत्र का दशहरा घाट और हाथीघाट शामिल हैं। इन स्थानों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए यातायात पुलिस ने विशेष इंतजाम किए हैं।

यमुना किनारा मार्ग पर 19 से 21 अक्टूबर तक यातायात प्रतिबंध और मार्ग परिवर्तन लागू रहने के कारण वाहन चालकों को अपनी यात्रा की योजना पहले से बनाने की सलाह दी गई है। विशेष रूप से घाटों की ओर जाने वाले रास्तों पर यातायात का दबाव बढ़ सकता है।यातायात पुलिस का उद्देश्य विसर्जन और दशहरा के दौरान श्रद्धालुओं की आवाजाही सुरक्षित बनाए रखना और आम लोगों को यातायात संबंधी परेशानियों से बचाना है। वाहन चालकों से अपील है कि वे यातायात संकेतों और पुलिसकर्मियों के निर्देशों का पालन करें।

न्यूज ब्रीफ

मटौर में महामाई की महिमा का किया गुणगान



भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। नवरात्र के पावन अवसर पर दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से मटौर में बीपी शर्मा के निवास स्थान पर आध्यात्मिक प्रवचन व भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। अष्टमी और नवमी के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में महामाई की महिमा का गुणगान किया गया। नूरमहल से पहुंचे स्वामी गिरिधरानंद ने कहा कि मनुष्य के अंतःकरण में व्याप्त अज्ञान और विकारों का निवारण ब्रह्मज्ञान की साधना से संभव है। उन्होंने कहा कि अहंकार मनुष्य के पतन का कारण बनता है और क्रोध, लोभ तथा ईर्ष्या जैसे विकारों को जन्म देता है। स्वामी ने कहा कि मां दुर्गा की आराधना हमें अपने भीतर की नकारात्मक प्रवृत्तियों पर विजय पाने की प्रेरणा देती है। पूर्ण गुरु द्वारा प्रदान ब्रह्मज्ञान आत्मजागरण का मार्ग प्रशस्त करता है। महात्मा मनप्रीत जी ने सुमधुर भजनों से वातावरण भक्तिमय बनाया। कार्यक्रम के अंत में विश्व कल्याण के लिए ध्यान-साधना की गई तथा सामूहिक भंडारे का आयोजन हुआ। श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर सुख-शांति की कामना की।

अर्की रामलीला के आठवें दिन हुआ लंका दहन, दर्शकों ने सराहे रोमांचक दृश्य



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। नगर पंचायत अर्की के ऐतिहासिक चौगान मैदान में चल रही रामलीला के आठवें दिन माता की वंदना के साथ मंचन का शुभारंभ हुआ। इस दौरान हनुमान जी का लंका प्रस्थान, अशोक वाटिका उजाड़ना, रावण दरबार में हनुमान को लाना, लंका दहन और कुंभकरण को जगाने सहित कई रोमांचक दृश्य प्रस्तुत किए गए। दर्शकों ने कलाकारों के अभिनय की खूब सराहना की। रामलीला क्लब के निदेशक हेमेंद्र गुप्ता, संगीत निर्देशक मनोज सोनी और प्रधान अजय रघुवंशी ने बताया कि क्लब करीब 200 वर्षों से चली आ रही परंपरा को जारी रखे हुए है। रामलीला के माध्यम से बच्चों को भारतीय संस्कृति और धार्मिक आदर्शों की शिक्षा मिलती है। इस अवसर पर क्लब के सदस्य हेमंत शर्मा और सचिन रघुवंशी के आकस्मिक निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में क्लब के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे।

एनएसएस शिविर में नशे से बचाव पर किया जागरूक

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला रायसन में आयोजित सात दिवसीय एनएसएस शिविर के दौरान स्वयंसेवियों को नशे से बचाव, दिव्यांगता और सामाजिक समावेशन के प्रति जागरूक किया गया। सहभागिता एनजीओ के निदेशक एवं सांफिआ फाउंडेशन के ऑपरेशंस हेड बीजू हिमदल ने विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और नशे से दूर रहने का संदेश दिया। उन्होंने दिव्यांग व्यक्तियों के प्रति सम्मानजनक व्यवहार, समान अवसर और समाज में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि समावेशी समाज के निर्माण में प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण है। सत्र में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर सहभागिता एनजीओ के सचिवालय प्रमुख अमन भारती और एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी भेद राम भी उपस्थित रहे।

मंडी में क्षतिग्रस्त ड्रेनेज जालियों में फंसा शव वाहन

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। मंडी शहर में श्मशान घाट के समीप क्षतिग्रस्त ड्रेनेज जालियों के कारण अंतिम संस्कार के लिए शव लेकर जा रहा वाहन फंस गया। इसके चलते शव को वाहन से निकालकर श्मशान घाट तक ले जाना पड़ा। मौके पर मौजूद लोगों ने वाहन को बाहर निकालने का प्रयास भी किया। स्थानीय समाजसेवी नीरज हांडा और मनीष दुग्गल ने बताया कि शहर में कई स्थानों पर नालियों की लोहे की जालियां टूटी हुई हैं या गायब हैं, जिससे लोगों को परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि नगर निगम और प्रशासन को पहले भी इस समस्या से अवगत करवाया जा चुका है, लेकिन स्थायी समाधान नहीं हुआ। उन्होंने नगर निगम महापौर, उपमहापौर, आयुक्त और जिला प्रशासन से क्षतिग्रस्त जालियां तुरंत ठीक करवाने तथा पूरे शहर में निरीक्षण कर उचित कार्रवाई करने की मांग की।

बिलासपुर में 16 ग्राम चिट्टे के साथ तीन काबू



भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला पुलिस ने नशे के खिलाफ अभियान के तहत स्वारघाट क्षेत्र में 16 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) बरामद कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मामले में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 और 29 के तहत कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों की पहचान चन्द्रमोहन (38), निवासी गरा, लोकेन्द्र सिंह (30) और सुनील कुमार (35), निवासी धरा, डाकघर स्वाहण, तहसील श्री नयना देवी जी के रूप में हुई है। तीनों को 17 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया। जांच में सामने आया कि आरोपी लोकेन्द्र सिंह के खिलाफ इससे पहले सोलन और बिलासपुर जिले के विभिन्न पुलिस थानों में एनडीपीएस एक्ट के तहत आठ मामले दर्ज हैं। पुलिस मामले की आगामी जांच में जुटी है और नशा तस्करी से जुड़े अन्य पहलुओं की पड़ताल कर रही है।

नेगी ने एकलव्य विद्यालय कुकुमसेरी का किया निरीक्षण

भारतेन्दु संवाददाता, उदयपुर। राजस्व एवं बागवानी मंत्री जगत सिंह नेगी ने उदयपुर प्रवास के दौरान एकलव्य विद्यालय कुकुमसेरी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से मुलाकात कर उनकी पढ़ाई, स्वास्थ्य और विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। मौके पर लाहौल-स्पीति की विधायक अनुराधा राणा भी मौजूद रहीं। उदयपुर पहुंचने पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अनिल ठाकुर के नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने मंत्री जगत सिंह नेगी तथा विधायक अनुराधा राणा का स्वागत किया। इस दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष दोरजे लारजे भी उपस्थित रहे। इसके बाद मंत्री ने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। बैठक में विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की गई। मंत्री के दौरे के दौरान विद्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा लेने और संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर कार्यकर्ताओं से संवाद करने पर विशेष जोर रहा।

निशुल्क चिकित्सा शिविर में उमड़े लोग



भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। महाजन सभा धर्मशाला ने होटल सेंटर पॉइंट, सिविल लाइंस में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। शिविर में करीब 600 ओपीडी दर्ज की गई, जिसमें लोगों ने विभिन्न रोगों की जांच और विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त किया। शिविर में मेडिसिन, बाल रोग, नेत्र रोग, स्त्री रोग, त्वचा रोग, हड्डी एवं जोड़ रोग, ईएनटी, फिजियोथेरेपी और आयुर्वेद सहित विभिन्न विभागों के विशेषज्ञों ने सेवाएं दीं। चिकित्सकों ने मरीजों को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श देने के साथ बीमारियों से बचाव और बेहतर जीवनशैली अपनाने के प्रति जागरूक किया। महाजन सभा के अध्यक्ष वरुण गुप्ता ने शिविर को सफल बनाने में सहयोग देने वाले चिकित्सकों, कार्यकारिणी सदस्यों, स्वयंसेवकों, दानदाताओं और मीडिया प्रतिनिधियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि शिविर में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकता को दर्शाती है। सभा ने भविष्य में भी जनहित में ऐसे चिकित्सा शिविर आयोजित करने की प्रतिबद्धता जताई।

गुरु रविदास द्वारा प्रदान की गई शिक्षाएं आज भी समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत : किशोरी लाल

गुरु रविदास सामुदायिक भवन के निर्माण के लिए 5-5 लाख रुपए देने की घोषणा



भारतेन्दु संवाददाता, बैजनाथ। विधानसभा क्षेत्र बैजनाथ की ग्राम पंचायत बंडियां के वार्ड नंबर चार में गुरु रविदास समाज कल्याण एवं विकास संस्था द्वारा महासभा का आयोजन किया गया।

महासभा में विधायक किशोरी लाल ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस अवसर पर संस्था के सदस्यों एवं स्थानीय लोगों ने विधायक का गर्मजोशी से स्वागत किया। संस्था के सदस्यों ने कहा कि आजादी के बाद पहली बार किसी विधायक ने गांव में पहुंचकर लोगों के साथ संवाद किया है जो समस्त गांववासियों के लिए गर्व का विषय है। इस अवसर पर विधायक किशोरी लाल ने गुरु रविदास जी को नमन करते हुए कहा कि गुरु रविदास जी ने अपने विचारों और शिक्षाओं के माध्यम से समाज को समानता, भाईचारे, सद्भाव और मानवता का संदेश दिया। उनकी शिक्षाएं आज भी समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने कहा कि हमें गुरु रविदास जी के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाते हुए समाज में आपसी प्रेम, सहयोग और समरसता की भावना को मजबूत करना चाहिए। विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास और लोगों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत बंडियां में अब तक लगभग 25 लाख रुपए की लागत से विभिन्न विकास कार्य करवाए गए हैं।

इनमें सड़कों एवं रास्तों के निर्माण और सुधार, कूहलों तथा पेयजल सुविधाओं से संबंधित कार्य शामिल हैं। उन्होंने गांव में गुरु रविदास मंदिर एवं सामुदायिक भवन के निर्माण के लिए भूमि दान करने वाले दीप चंद, भरत कुमार,राजकुमार तथा संतोष कुमार की सराहना करते हुए कहा कि भूमि दान करना समाज के प्रति समर्पण, सेवा और सहयोग की भावना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के पुनीत कार्य समाज को एकजुट करने के साथ आने वाली पीढ़ियों को भी सामाजिक सेवा और परोपकार की प्रेरणा देते हैं। विधायक किशोरी लाल ने बंडियां पंचायत भवन की ऊपरी मंजिल के निर्माण के लिए 5 लाख रुपए तथा गुरु रविदास सामुदायिक भवन के निर्माण के लिए प्रारंभिक चरण में 5 लाख देने की घोषणा की। उन्होंने आश्वासन दिया कि गांव में विकास कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए भविष्य में भी हरसंभव सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी।

मां बज्रेश्वरी मंदिर में अष्टमी पर उमड़ा आस्था का सैलाब, 14 हजार श्रद्धालुओं ने किए दर्शन



आशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। शक्तिपीठ मां बज्रेश्वरी मंदिर कांगड़ा में शारदीय नवरात्र की अष्टमी पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। इस दौरान करीब 14 हजार श्रद्धालुओं ने मां के दरबार में शीश नवाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। वहीं, सप्तम नवरात्र पर श्रद्धालुओं ने मंदिर में 3,65,581 रुपये का चढ़ावा अर्पित किया।

अष्टमी के पावन अवसर पर मंदिर परिसर मां के जयकारों से गूंज उठा। सुबह से ही दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। हिमाचल प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों सहित बाहरी राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां के दर्शन करने पहुंचे। मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा और सुचारू दर्शन के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं कीं। इस अवसर पर एपीएमसी अध्यक्ष एवं कांगड़ा के 20 सूत्रीय कार्यक्रम के अध्यक्ष निशु मोंगरा ने भी मां बज्रेश्वरी के दरबार में शीश नवाया। उन्होंने मंदिर में चल रहे यज्ञ में विधिवत पूजा-अर्चना की। मंदिर के वरिष्ठ पुजारी कांति शर्मा ने उन्हें पूजा संपन्न करवाई। निशु मोंगरा ने प्रदेशवासियों और श्रद्धालुओं के सुख-समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। उन्होंने मंदिर प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया और श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।

गुजरेड़ा में तीन दिवसीय नवरात्रि उत्सव संपन्न, 80 प्रतिभागियों ने किया ध्यान



भारतेन्दु संवाददाता, गोपालपुर। आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के हिमालयन योग एवं ध्यान केंद्र, कैलाश आश्रम गुजरेड़ा में 16 से 18 अक्तूबर तक तीन दिवसीय नवरात्रि उत्सव श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ।

इसमें जिला कांगड़ा सहित हिमाचल प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। उत्सव के दौरान प्रतिदिन हवन-यज्ञ, देवी होम, वैदिक अनुष्ठान और सत्संग का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने विश्व शांति, सुख-समृद्धि और मानव कल्याण के लिए सामूहिक प्रार्थना की। वैदिक मंत्रोच्चार और भक्ति कार्यक्रमों से आश्रम का वातावरण भक्तिमय बना रहा। इस अवसर पर विशेष एडवांस मेडिटेशन कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें 80 प्रतिभागियों ने भाग लिया। स्वामी कौशिक जी के निर्देशन में प्रतिभागियों ने योग, प्राणायाम और ध्यान की विभिन्न विधियों का अभ्यास किया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को आंतरिक शांति, सकारात्मक ऊर्जा और आध्यात्मिक आनंद का अनुभव करवाना रहा। आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के जिला मीडिया कोऑर्डिनेटर देशराज चंबियाल ने बताया कि कैलाश आश्रम में वर्षभर एडवांस मेडिटेशन कोर्स सहित विभिन्न आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इनमें देश-विदेश से लोग भाग लेकर ध्यान-साधना के माध्यम से मानसिक शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त करते हैं। उन्होंने बताया कि संस्था आध्यात्मिक साधना और योग के माध्यम से लोगों को सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित कर रही है।

सिद्धवाड़ी मंडल का विजयादशमी उत्सव हर्षोल्लास से संपन्न

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, योल खंड के सिद्धवाड़ी मंडल का विजयादशमी उत्सव 18 अक्तूबर को जोरावर सिंह मैदान में उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में समाज के प्रबुद्धजनों और मातृशक्ति ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में संघ के प्रांत कार्यकारिणी सदस्य एवं पूर्व प्रांत सह-कार्यवाह अशोक जी उपस्थित रहे। उन्होंने स्वयंसेवकों को राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी और नागरिक कर्तव्यों पर आधारित पंच परिवर्तन को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। उत्सव के दौरान पथ संचलन जोरावर सिंह मैदान से शुरू होकर क्यारी पुल से होते हुए वापस मैदान में संपन्न हुआ। घोषवादकों की सुमधुर धुनों के बीच स्वयंसेवकों ने अनुशासित ढंग से भाग लिया।

आशीष बुटेल ने किया अप्पर डाढ़ में 33 लाख की लागत से निर्मित पंचायत भवन का लोकार्पण



भारतेन्दु संवाददाता, पालमपुर। पालमपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक आशीष बुटेल ने अप्पर डाढ़ में नवनिर्मित पंचायत भवन का लोकार्पण किया। लगभग 33 लाख रुपए की लागत से निर्मित इस पंचायत भवन से स्थानीय लोगों को पंचायत संबंधी कार्यों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

विधायक आशीष बुटेल ने कहा कि पंचायतें ग्रामीण विकास की आधारशिला हैं और पंचायत भवन स्थानीय लोगों की समस्याओं के समाधान तथा विकास कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार करना और लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाना प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पंचायत भवन के ऊपरी हिस्से में पुस्तकालय का निर्माण 50 लाख रुपए की धनराशि से किया जाएगा। पुस्तकालय बनने से क्षेत्र के विद्यार्थियों और युवाओं को पढ़ाई के लिए बेहतर सुविधा मिलेगी। इसके अतिरिक्त पंचायत भवन में हॉल के निर्माण की योजना भी है, जिससे स्थानीय लोगों को विभिन्न बैठकों और सामुदायिक गतिविधियों के आयोजन के लिए उपयुक्त स्थान उपलब्ध हो सकेगा।

विधायक ने पंचायत क्षेत्र के अन्य विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए मैदान के निर्माण के लिए 10 लाख रुपए की आवश्यकता तथा तत्काल कार्य शुरू करने के लिए 2.50 लाख रुपये उपलब्ध करवाने की बात कही। इसके अलावा ओपन जिम के निर्माण के लिए 2 लाख रुपये देने की घोषणा की। साथ ही पंचायत भवन के लिए फर्नीचर के लिए 1.50 लाख रुपए देने की घोषणा की। विधायक आशीष बुटेल ने महिला मंडलों को 15 हजार रुपए देने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप आगे बढ़ाया जाएगा। पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों के सहयोग से क्षेत्र की समस्याओं का समाधान करने तथा विकास योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाने के प्रयास किए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान विधायक आशीष बुटेल ने राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में भाग लेने जा रही वंशिका को सम्मानित किया।

पीएसी बैठक में मंत्री जगत सिंह नेगी ने की विकास कार्यों की समीक्षा

लंबित परियोजनाओं को समयबद्ध पूरा करने के निर्देश

पेयजल, सड़क, पर्यटन व शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर हुई चर्चा



भारतेन्दु संवाददाता, केलांग। उपायुक्त कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में राजस्व, बागवानी, जनजातीय विकास एवं शिकायत निवारण मंत्री जगत सिंह नेगी की अध्यक्षता में पीएसी की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में लाहौल-स्पीति जिले में विभिन्न विभागों के तहत चल रहे विकास कार्यों और प्रस्तावित परियोजनाओं की समीक्षा की गई। मंत्री ने अधिकारियों को लंबित कार्यों में तेजी लाने और परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में सीवरेज व्यवस्था, करगा में कोल्ड स्टोरेज, केलांग में अग्निशमन केंद्र, त्रिलोकीनाथ मैदान के सौंदर्यीकरण और तकनीकी शिक्षा से जुड़े मामलों पर चर्चा हुई। इसके अलावा एसकेटीटी भूमि अधिग्रहण, सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के कार्यों, सड़क किनारे यात्रियों की सुविधाओं और हेलिपोर्ट निर्माण के लिए वन अधिकार अधिनियम तथा वन संरक्षण अधिनियम से संबंधित स्वीकृतियों की समीक्षा की गई। कुकुमसेरी कॉलेज मैदान, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय और उदयपुर सिविल अस्पताल से जुड़े मामलों पर भी विचार-विमर्श किया गया। कृषि एवं बागवानी को बढ़ावा देने के लिए नाबार्ड के सहयोग से पौध सामग्री उपलब्ध करवाने की योजना पर चर्चा हुई। सर्दियों में निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए गोंधला में शीतकालीन जलापूर्ति व्यवस्था और घरों तक एंटी-फ्रीज व्यवस्था पहुंचाने के विषय पर भी विचार किया गया। इसके साथ ही जिले के 60 विद्यालयों में सोलर पैनल लगाने, तिंदी में पर्यटक सूचना केंद्र, जिस्पा में क्लाइम्बिंग वॉल और काजा में उच्च ऊंचाई प्रशिक्षण एवं खेल केंद्र की योजनाओं की समीक्षा हुई। सिस्सू में नेचर इंटरप्रिटेशन सेंटर, गुस्ख्यार में वन स्टॉप सेंटर भवन और विद्यालयों के लिए ईंधन लकड़ी की व्यवस्था पर भी चर्चा की गई। मंत्री ने अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करने, आवश्यक स्वीकृतियों का समयबद्ध निपटारा करने और जनहित से जुड़ी परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में विधायक अनुराधा राणा, एसडीएम कुनिका एकर्स, एसडीएम उदयपुर ओम प्रकाश सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

हरिपुर दशहरा 22 को, नकुल खुल्लर होंगे मुख्यातिथि

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। हरिपुर में दशहरा पर्व का आयोजन 22 अक्तूबर, 2026 को धूमधाम से किया जाएगा। समारोह में अवार्ड ऑफ एक्सीलेंस से सम्मानित नकुल खुल्लर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। आयोजन को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। ठाकुर माधुराई कमेटी और ग्राम पंचायत के संयुक्त तत्वावधान में होने वाले इस समारोह में पंचायत प्रतिनिधियों, कमेटी पदाधिकारियों और क्षेत्र के गणमान्य लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। कमेटी के प्रधान अमर ठाकुर, पंचायत प्रधान चंद्र प्रकाश नेगी और उपप्रधान दीवान नेगी सहित अन्य प्रमुख लोग उपस्थित रहेंगे। आयोजकों द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत एवं अभिनंदन किया जाएगा। हरिपुर दशहरा क्षेत्र की सांस्कृतिक और पारंपरिक विरासत का प्रतीक है। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर उत्सव की शोभा बढ़ाने की अपील की है।

कांगड़ा रामलीला में बच्चों को बांटे पुरस्कार



भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। नगर परिषद मैदान कांगड़ा में आयोजित रामलीला की सातवीं संध्या में व्यापार मंडल अध्यक्ष वेद प्रकाश शर्मा और समाजसेवी नरेंद्र त्रेहन ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस दौरान मुख्य अतिथियों ने अपनी ओर से पर्चियां निकालकर बच्चों को 10 पुरस्कार वितरित किए। इससे पूर्व रामलीला में 20 इनाम पर्चियों के माध्यम से बच्चों को पुरस्कृत किया गया।

हिमालयन कराटे ओपन चैंपियनशिप में हिम मार्शल आर्ट्स अकादमी ने जीते पांच पदक



भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। स्कॉलर्स इंटरनेशनल स्कूल कांगड़ा में आयोजित हिमालयन कराटे ओपन चैंपियनशिप 2026 में हिम मार्शल आर्ट्स अकादमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता में जम्मू, हिमाचल प्रदेश और पंजाब के खिलाड़ियों ने भाग लिया। अकादमी की अनाया सहगल ने 25 किलोग्राम से अधिक भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता, जबकि मेहक ने अंडर-45 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया। अहाना सहगल ने अंडर-25 किलोग्राम और उजयेता ने अंडर-40 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीते। वहीं, काव्या ने अंडर-20 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया। अकादमी के कोच राजेश कुमार ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनकी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास की सराहना की। उन्होंने खिलाड़ियों को भविष्य में भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। इस उपलब्धि से अकादमी और क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

बरोट अस्पताल को समाजसेविका ने दान की एंबुलेंस

भारतेन्दु संवाददाता, बरोट। चौहार घाटी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरोट को समाजसेविका मधुवाला ने अपने दिवंगत पति की स्मृति में एंबुलेंस दान की। समाजसेवक गुलाब सिंह के करीब पांच माह के प्रयासों से अस्पताल को यह सुविधा उपलब्ध हुई। रविवार को एसडीएम पद्धर सुरजीत सिंह और बीएमओ डॉ. संजय गुप्ता की उपस्थिति में एंबुलेंस अस्पताल को सौंपी गई। एसडीएम सुरजीत सिंह ने मधुवाला का आभार जताते हुए कहा कि उनका यह योगदान सराहनीय है। उन्होंने समाजसेवक गुलाब सिंह के प्रयासों की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि बरोट अस्पताल चौहार और छोटाभंगाल घाटी के लोगों के लिए महत्वपूर्ण स्वास्थ्य केंद्र है। एंबुलेंस मिलने से दोनों घाटियों के मरीजों को आपातकालीन स्थिति में अस्पताल पहुंचाने में सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर अस्पताल के चिकित्सकों सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कम भूमि में आत्मनिर्भरता की मिसाल बने करोट के प्रेम ठाकुर

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। पहाड़ी क्षेत्रों में छोटी जोत और जंगली जानवरों से फसलों को होने वाले नुकसान के बीच बिलासपुर जिले के करोट गांव के प्रगतिशील किसान प्रेम लाल ठाकुर ने बड़ी इलायची की प्राकृतिक खेती से आत्मनिर्भरता की नई राह दिखाई है। पिछले 20 वर्षों से इस खेती से जुड़े प्रेम लाल ने साबित किया है कि सही फसल का चयन कर कम भूमि में भी अच्छी आय अर्जित की जा सकती है।

प्रेम लाल मात्र एक बीघा भूमि में प्रतिवर्ष औसतन दो से तीन क्विंटल बड़ी इलायची का उत्पादन कर रहे हैं। बाजार में इसकी मांग के चलते उन्हें 1,800 रुपए प्रति किलोग्राम तक भाव मिल रहा है। उन्होंने बताया कि लगभग तीन गुणा तीन फुट की दूरी पर पौधे लगाकर खेती की जा सकती है। हालांकि, बेहतर उत्पादन के लिए सिंचाई की उचित व्यवस्था जरूरी है। इस फसल का एक लाभ यह भी है कि जंगली जानवरों और पक्षियों से नुकसान अपेक्षाकृत कम होता है। नवंबर-दिसंबर में फसल की तुड़ाई के बाद उचित धुलाई और सुखाई से गुणवत्ता बनाए रखी जाती है। प्रेम लाल ठाकुर की सफलता युवाओं को खेती को स्वरोजगार के रूप में अपनाने की प्रेरणा देती है। वहीं, प्रदेश सरकार द्वारा प्राकृतिक खेती से उत्पादित गेहूं, मक्का, जौ, हल्दी और अदरक पर न्यूनतम समर्थन मूल्य देने की पहल भी किसानों के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है।



◆ बड़ी इलायची की प्राकृतिक खेती से कमा रहे 1,800 प्रति किलो तक का भाव

उहल नदी के पैदल पुल की मरम्मत शुरू, सब्जी उत्पादकों की बढ़ी परेशानी

भारतेन्दु संवाददाता, बरोट। छोटाभंगाल घाटी की स्वाड़ पंचायत के स्वाड़, छेरना, जुधार और लोआई पंचायत के तरमेहर गांव के लोगों की सुविधा के लिए उहल नदी पर बने पैदल पुल की मरम्मत शुरू हो गई है। पुल पर बिछी लोहे की चादरें जर्जर होने के कारण लोक निर्माण विभाग ने इन्हें बदलने का कार्य ठेकेदार को सौंपा है। हालांकि, सब्जियों का सीजन चलने के कारण स्थानीय लोगों ने मरम्मत कार्य शुरू होने पर नाराजगी जताई है। पूर्व प्रधान गुड्डी देवी और प्रवीन कुमार ने कहा कि सब्जी उत्पादकों को अपनी फसल बाजार तक पहुंचाने में परेशानी हो सकती है। उन्होंने मरम्मत कार्य सब्जी सीजन के बाद करवाने की मांग की। लोक निर्माण विभाग के कनिष्ठ अभियंता दिनेश कुमार ने बताया कि लोगों की आवाजाही के लिए नदी पर लकड़ी की अस्थायी पुलिया बनाई गई है। ठेकेदार को तीन दिन में नई चादरें बिछाने के निर्देश दिए गए हैं।

बच्चों के लिए धीमा जहर बन रही स्क्रीन की लत

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। बच्चों को चुप कराने के लिए मोबाइल थमाना उनके शारीरिक और मानसिक विकास पर भारी पड़ सकता है। आरपीजीएमसी कांगड़ा के चाइल्ड एंडोक्राइनोलॉजिस्ट डॉ. अतुल गुप्ता ने अत्यधिक स्क्रीन टाइम को लेकर अभिभावकों को आगाह किया है। उन्होंने बताया कि मोबाइल, टैबलेट और टीवी का अधिक इस्तेमाल बच्चों की एकाग्रता, याददाश्त और भाषा विकास को प्रभावित कर सकता है। इससे चिड़चिड़ापन, नींद की कमी, मोटापा और मानसिक तनाव का खतरा भी बढ़ता है। शारीरिक गतिविधियां कम होने से बच्चों के समग्र विकास पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। डॉ. गुप्ता ने बच्चों के स्क्रीन टाइम पर उम्र के अनुसार सीमाएं तय करने, भोजन और सोने से पहले गैजेट्स से दूरी रखने तथा खेलकूद और किताबों के लिए समय निकालने की सलाह दी। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों के साथ संवाद बढ़ाने और स्वयं भी मोबाइल का सीमित इस्तेमाल करने का आग्रह किया।

नशा तस्करी के आरोपी की जमानत याचिका खारिज

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला जिला में चिट्टा तस्करी के एक मामले में आरोपी को अदालत से राहत नहीं मिली है। रामपुर पुलिस थाना में दर्ज मामले में आरोपी राजा नेगी निवासी झाकड़ी जिला शिमला की जमानत याचिका अदालत ने खारिज कर दी है। आरोपी के कब्जे से छह ग्राम चिट्टा (हेरोइन) बरामद हुआ था। विशेष न्यायाधीश-द्वितीय, किन्नौर स्थित रामपुर बुशहर की अदालत ने शनिवार को जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद इसे खारिज किया। पुलिस के अनुसार यह मामला 5 सितंबर 2026 को पुलिस थाना रामपुर में दर्ज किया गया था। आरोपी के खिलाफ स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस एक्ट) की धारा 21 और 29 के तहत अभियोग दर्ज है।

न्यूज ब्रीफ

जिला स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस में आरवी प्रथम, राज्य स्तर पर दिखाएंगी प्रतिभा



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। लक्ष्य कॉन्वेंट स्कूल मंज्याट की आठवीं कक्षा की छात्रा आरवी ने जिला स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस में प्रथम स्थान हासिल कर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। नालागढ़ में 16 और 17 अक्टूबर को आयोजित प्रतियोगिता की जूनियर साइंस एक्टिविटी श्रेणी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर आरवी ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए भी स्थान सुनिश्चित किया है। आरवी की इस उपलब्धि को उसकी वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और विज्ञान के प्रति रुचि का परिणाम माना जा रहा है। बाल विज्ञान कांग्रेस विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और जिज्ञासा विकसित करने का महत्वपूर्ण मंच है। इस सफलता पर लक्ष्य कॉन्वेंट स्कूल की प्रधानाचार्य डॉ. कुसुम गुप्ता, चेयरमैन डॉ. प्रेम गुप्ता, आकाश गुप्ता तथा एलपीएस अर्की की प्रधानाचार्य वीना गुप्ता ने आरवी को बधाई दी। शिक्षकों ने भी उसकी उपलब्धि पर खुशी जताते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आरवी की सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायक है।

सुगम संगीत में अर्की विद्यालय रहा प्रथम



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। पीएम श्री एससीवीटी राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अर्की के विद्यार्थियों ने जिला स्तरीय अंडर-14 सुगम संगीत प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया। यह प्रतियोगिता 16 और 17 अक्तूबर, 2026 को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय उचागांव में आयोजित की गई। विद्यार्थियों की इस सफलता से विद्यालय में खुशी का माहौल है। इस उपलब्धि को उनकी मेहनत, नियमित अभ्यास और उचित मार्गदर्शन का परिणाम माना जा रहा है। प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन से विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ा है। विद्यालय के प्रधानाचार्य हेम राज गौड़ ने विजेता विद्यार्थियों और उनके मेंटर रमेश पंवार को बधाई दी। उन्होंने विद्यार्थियों की प्रतिभा और लगन की सराहना करते हुए कहा कि संगीत जैसी सांस्कृतिक गतिविधियां बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन और रचनात्मकता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। प्रधानाचार्य ने मेंटर रमेश पंवार के प्रयासों की भी प्रशंसा की और उम्मीद जताई कि विद्यार्थी भविष्य में भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे।

बरोट-मियोट और टिक्कन-थल्टूखोड़ सड़क पर वर्षाशालिकाएं बनाने की मांग

भारतेन्दु संवाददाता, बरोट। लोक निर्माण विभाग के उपमंडल झटींगरी के तहत बरोट-मियोट और टिक्कन-थल्टूखोड़ सड़क मार्ग पर वर्षाशालिकाएं बनाने की मांग जोर पकड़ने लगी है। स्थानीय लोगों ने प्रदेश सरकार से यात्रियों की सुविधा के लिए उचित व्यवस्था करने की मांग की है। बरोट-मियोट के नौ किलोमीटर लंबे सड़क मार्ग से खलैहल पंचायत के मियोट, खलैहल, छोटी झरवाड़ और झरवाड़ गांव जुड़े हैं। सुंदर सिंह, जनक राज, वीरेंद्र, रमेश कुमार और ओम सहित ग्रामीणों ने बताया कि वर्ष 2017 से वाहनों की आवाजाही के बावजूद मार्ग पर एक भी वर्षाशालिका नहीं बनी है। बखलोग, जीरो प्वाइंट, कैंची मोड़ सहित सात बस स्टॉप पर यात्रियों को बस का इंतजार खुले में करना पड़ता है। वहीं, टिक्कन-थल्टूखोड़ मार्ग पर भी टिक्कन, धमच्याण और थल्टूखोड़ में वर्षाशालिकाओं की कमी से लोग परेशान हैं। खलैहल और धमच्याण पंचायत के लोगों ने सरकार से दोनों मार्गों पर वर्षाशालिकाएं बनाने तथा सड़कों की हालत सुधारने की मांग की है, ताकि यात्रियों को गर्मी, बारिश और सर्दी में राहत मिल सके।

जोगिंद्रनगर में स्थानीय व्यापार और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने पर दिया जोर



भारतेन्दु संवाददाता, जोगिंद्रनगर। स्वदेशी जागरण मंच के व्यापारी मंच की ओर से शनिवार को किशनपुरा स्थित एक निजी होटल में 'स्वदेशी से समृद्ध हिमाचल, आत्मनिर्भर भारत' सम्मेलन आयोजित किया गया। इसकी अध्यक्षता प्रदेश भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के सह संयोजक व जोगिंद्रनगर विकास मंच के संस्थापक केके सकलानी ने की। सम्मेलन में पूर्व मंत्री एवं धर्मशाला के विधायक सुधीर शर्मा मुख्यातिथि, जबकि राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष सुनील सिंघी मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। स्वदेशी जागरण मंच के उत्तर क्षेत्र से विनय शर्मा विशेष अतिथि रहे। संयोजक अशोक राणा ने कार्यक्रम की जानकारी साझा की। वक्ताओं ने स्वदेशी उत्पादों को अपनाने, स्थानीय व्यापार को प्रोत्साहित करने और भारतीय उद्यमों को मजबूत बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्वदेशी को बढ़ावा देने से देश की अर्थव्यवस्था सशक्त होगी और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूती मिलेगी। आयोजकों ने कहा कि सम्मेलन का उद्देश्य स्वदेशी की भावना को जन-जन तक पहुंचाना और व्यापारियों को आत्मनिर्भरता के अभियान से जोड़ना है। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक एवं व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

डीएवी बरमाणा में नवरात्र व दशहरा पर्व की धूम

भारतेन्दु संवाददाता, बरमाणा। डीएवी पब्लिक स्कूल बरमाणा में नवरात्र और दशहरा पर्व श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्या दीपिका शर्मा ने मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा-अर्चना से किया। इसके बाद भगवान श्रीराम, माता सीता और हनुमान जी की आरती की गई। कार्यक्रम में नर्सरी से दूसरी कक्षा तक के विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में डांडिया और गरबा नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। वहीं, तीसरी से पांचवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने रामायण के विभिन्न प्रसंगों पर आधारित नाटक प्रस्तुत किया। इसमें सीता हरण, अशोक वाटिका, मेघनाद वध और रावण वध के दृश्यों के माध्यम से अच्छाई की बुराई पर जीत का संदेश दिया गया। प्रधानाचार्या दीपिका शर्मा ने विद्यार्थियों को भगवान श्रीराम के आदर्शों को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि दशहरा सत्य की असत्य पर और अच्छाई की बुराई पर विजय का प्रतीक है। विद्यार्थियों को सत्य, अनुशासन, सदाचार और बड़ों के सम्मान जैसे नैतिक मूल्यों का पालन करना चाहिए।

स्वयंसेवियों ने सीखा आपदा प्रबंधन का महत्व

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ऋषिकेश में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) शिविर के दूसरे दिन स्वयंसेवियों ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। दिन की शुरुआत प्रातःकालीन व्यायाम से हुई। इसके बाद विद्यालय परिसर में सफाई अभियान चलाया गया और क्यारियों का सौंदर्यीकरण किया गया। दोपहर बाद संसाधन व्यक्ति अनंत राम मिश्रा ने आपदा प्रबंधन पर जागरूकता सत्र लिया। उन्होंने भूकंप, बाढ़, भूस्खलन और आग जैसी आपदाओं के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों, प्राथमिक सहायता और सुरक्षित स्थानों की पहचान के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आपदा के समय घबराने के बजाय सतर्कता और सूझबूझ से काम लेना चाहिए। जागरूक युवा अपनी सुरक्षा के साथ जरूरतमंद लोगों की मदद भी कर सकते हैं। शिविर की गतिविधियों से विद्यार्थियों में स्वच्छता, अनुशासन, सामूहिक कार्य और समाजसेवा की भावना विकसित करने पर जोर दिया गया।

अष्टमी पर तहसील चौक कांगड़ा में लगाया लंगर



भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। अष्टमी के पावन अवसर पर कांगड़ा के तहसील चौक में स्थानीय लोगों की ओर से लंगर लगाया गया। इसमें मां बज्रेश्वरी मंदिर में दर्शन करने पहुंचे श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को राजमा-चावल सहित भोजन परोसा गया। लंगर में स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और सेवा भाव से श्रद्धालुओं को भोजन करवाकर मां का आशीर्वाद प्राप्त किया।

हिमाचल में चला मार्कंडेय का डंडा, नतमस्तक होने लगी भाजपा ने अपनाया पुराना फंडा

शीर्ष नेता के फोन से लाहौल के रामलाल मार्कंडेय ने बनाया भाजपा में पुनः जाने का मन, कईयों के अरमान पिघले

सुरेंद्र कटोच, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। ये कहना कोई अतिश्योक्ति नहीं होगा कि लाहौल -स्पीति में जिस प्रकार पूर्व मंत्री रामलाल मार्कंडेय ने हाल ही के पंचायतीराज चुनावों में भाजपा के एक शीर्ष नेता के कहने पर भाजपा को जीत दिलवाई उससे ये तय हो गया है, अब उनकी भाजपा में वापसी लगभग तय हो चुकी है।

ऐसा माना जा रहा है कि भाजपा ने भी अपने तरकश से वहीं पुराना तीर निकाल कर ऐसा फंडा अपनाया कि तीसरे मोर्चे को लेकर जो भी सुगबुगाहट या सरगर्मियां चली थी, वह भी धराशाई होती दिखने लगी है, ऐसे में खासतौर पर उन भाजपाईयों को इसका झटका लगेगा जो तीसरे मोर्चे से आगामी चुनाव लडने के ख्आब देख रहे थे। सूत्रों के मुताबिक पार्टी के इस शीर्ष पदाधिकारी ने मार्कंडेय को फिर से भाजपा में शामिल होने का न्योता दिया है। यह राजनीतिक घटनाक्रम

◆तीसरे मोर्चे के सपनों पर फिर सकता है पानी, भाजपा में मार्कंडेय की वापसी की चर्चा

हिमाचल प्रदेश में एक नए सियासी तूफान की ओर इशारा कर रहा है। बतातें चलें कि डॉ. रामलाल मार्कंडेय इन दिनों हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस और भाजपा से नाराज नेताओं को एकजुट कर तीसरा मोर्चा बनाने की पुरजोर तैयारी कर रहे हैं।

उन्होंने हाल ही में मार्च-अप्रैल में नई पार्टी के औपचारिक ऐलान का दावा भी किया था। मार्कंडेय द्वारा प्रदेश के 12 में से 10 जिलों में मजबूत पकड़ बनाने और असंतुष्टों को जोड़ने के दावे के बाद भाजपा हाईकमान अलर्ट हो गया है, ऐसा माना जा रहा है कि भाजपा राज्य में 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले किसी भी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहती। यही वजह मानी जा रही है कि भाजपा एक ओर जहां प्रदेश भर में उन पुराने कार्यकर्त्ताओं व पुराने पदाधिकारियों की भी बैठकें लेकर फभ्ड बैक लेने में जुटी है, वहीं ऐसे नाराज नेताओं को भी पार्टी में वापस जोडने के प्रयास में लगी हुई है।

पिछले 52 वर्षों में अब तक चार बार बन चुके है प्रदेश में तीसरे मोर्चे

हिमाचल प्रदेश अब तक दो दलिय व्यवस्था याानि कांग्रेस व भाजपा का ही दबदबा रहा है। बावजूद इसके नाराज होने वाले कई नेताओं ने अब तक चार बार विभिन्न विधान सभा चुनावो से पहले तीसरे मोर्चो का गठन से सियासत की धार बदली जा चुकी है। वर्ष 1970 में उस समय के कांग्रेसी नेता ठाकुर सेन नेगी ने तीसरे मोर्चे का लोकराज पार्टी के रूप में किया गया जिसका 1972 में कांग्रेस में ही विलय हो गया। इसके बाद 1990 में कांगड़ा के कांग्रेसी नेता विजय सिंह मनकोटिया ने जनता दल के बैनर तले तीसरा मोर्चा बनायाए लेकिन बाद में फिर कांग्रेस में शामिल हुए। 1998 में हिविंका के तौर पर मंडी से पंडित सुखराम ने गठन किया औश्र कांग्रेस को सत्ता में आने रोकाए लेकिन बाद में ये भी वापस चले गए। 2012 में कुल्लू के महेश्वर सिंह लोकहित पार्टी के रूप में आएए बाद में वे भी अपनी पार्टी में समा गए।

क्यों बगावत पर उतारू हुए रामलाल मार्कंडेय

बतातें चलें कि साल 2024 के लाहौल-स्पीति उपचुनाव में भाजपा द्वारा कांग्रेस से आए रवि ठाकुर को टिकट दिए जाने के विरोध में मार्कंडेय ने बगावत की थी और निर्दलीय चुनाव लड़ा, जिसके बाद उन्हें भाजपा से निष्कासित कर दिया गया था। गौर करने की बात ये है कि मारकंडेय बहुत कम मतों से हारे है। हालांकि मारकंडेय ने तुरंत कोई अंतिम फैसला नहीं लिया हैए लेकिन उन्होंने अपने समर्थकों और लाहौल स्पीति की जनता से विचार विमर्श करने के बाद ही कोई कदम उठाने की बात कही है।

2027 में भी तीसरा मोर्चा तैयारी से पहले ही हुआ धराशाई

आगामी विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा व कांग्रेस से कथित होने वाले बागी नेताओं ने फिर तीसरे मोर्चे के गठन की पहल तो की, लेकिन इस बार तीसरा मोर्चा बनने से पहले ही धराशाई भी हो गया। इस बार पूर्व मंत्री रामलाल मार्कंडेय की अगुवाई में प्रदेश में राजनीतिक विकल्प की रूपरेखा पर काम किया जा रहा था। कुल्लू में ऐसे ही दो दर्जन से ज्यादा नेताओं ने तीसरे मोर्चे के गठन पर मंथन भी किया गया, लेकिन अभी तक कोई बात सिरे चढ़ते नहीं दिख पा रही है।

जल शक्ति विभाग की परियोजनाओं में तेजी लाने के निर्देश

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। जल शक्ति विभाग के प्रधान सचिव डॉ. अभिषेक जैन ने अपने दो दिवसीय कुल्लू दौरे के दौरान विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सभी कार्य गुणवत्ता मानकों के अनुरूप निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। 16 अक्तूबर को उन्होंने जल शक्ति विभाग के मंडल कार्यालय का निरीक्षण कर जलापूर्ति योजनाओं, एसडीएमएफ और पीडीएनए के तहत चल रहे कार्यों की प्रगति जानी। कुल्लू घाटी में वर्ष 2023 से बार-बार आ रही बाढ़ की घटनाओं पर चिंता जताते हुए उन्होंने आधुनिक बाढ़ निगरानी भवन की योजना तैयार करने को कहा। इसमें रिमोट सेंसिंग, जीआईएस और प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली जैसी तकनीकें शामिल करने पर जोर दिया। 17 अक्टूबर को उन्होंने मनाली की एएफडी वित्त पोषित सीवरेज परियोजना की समीक्षा की और देरी पर नाराजगी जताते हुए कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।

घोषणाएं नहीं, धरातल पर विकास चाहिए; शाहपुर की जनता को सरकार दे जवाब : कमल कुमार शर्मा

भारतेन्दु संवाददाता, शाहपुर। भाजपा जनजाति मोर्चा के प्रदेश महामंत्री कमल कुमार शर्मा ने कांग्रेस सरकार पर शाहपुर की जनता से किए गए वादे पूरे नहीं करने का आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा कि सरकार के कार्यकाल के लगभग चार वर्ष बीतने को हैं, लेकिन क्षेत्र की जनता अब भी बुनियादी सुविधाओं और विकास कार्यों का इंतजार कर रही है। कमल कुमार शर्मा ने कहा कि तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री के शाहपुर दौरे से लोगों को बड़ी उम्मीदें थीं। विधायक ने चुनाव के समय अपने दृष्टि पत्र में शाहपुर आईटीआई में इंजीनियरिंग कॉलेज स्थापित करने का वादा किया था। उम्मीद थी कि मंत्री के दौरे के दौरान इस संबंध में ठोस घोषणा होगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने सरकार से कॉलेज की स्थापना के लिए स्पष्ट समयसीमा और कार्ययोजना घोषित करने की मांग की। शर्मा ने शाहपुर विधानसभा क्षेत्र की खस्ताहाल सड़कों पर चिंता जताते हुए कहा कि जगह-जगह गड्ढों के कारण वाहन चालकों और आम लोगों को परेशानी हो रही है।



उन्होंने आरोप लगाया कि कई स्थानों पर गड्ढों को मिट्टी से भरकर औपचारिकता निभाई जा रही है, जिससे बारिश में समस्या और बढ़ जाती है। उन्होंने स्थायी एवं गुणवत्तापूर्ण मरम्मत की मांग की। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के समय शुरू हुए विकास कार्यों की गति कमजोर हुई है। उन्होंने सरकार और स्थानीय विधायक से विकास कार्यों का रिपोर्ट कार्ड सार्वजनिक करने की मांग की, जिसमें स्वीकृत, पूर्ण, निर्माणाधीन और लंबित कार्यों का ब्योरा हो। शर्मा ने कहा कि शाहपुर की जनता को आश्वासन नहीं, बल्कि धरातल पर विकास चाहिए। सरकार को अधूरे वादों पर जवाब देते हुए समयबद्ध कार्ययोजना प्रस्तुत करनी चाहिए।

बुमाणा में चार दिवसीय दशहरा उत्सव शुरू, डॉ. पुष्पेंद्र वर्मा ने की शिरकत

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। बुमाणा गांव में पहली बार चार दिवसीय दशहरा उत्सव का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. पुष्पेंद्र वर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। दशहरा कमेटी ने उन्हें टोपी, मफलर, स्मृति चिन्ह और गुरज भेंट कर सम्मानित किया। कमेटी के सदस्यों विजय कुमार, गोगी, विक्रांत ठाकुर, अजय कुमार, मुख्तियार सिंह और पवन डोगरा ने बताया कि इस वर्ष 120 फुट ऊंचा रावण का पुतला तैयार किया जा रहा है। उत्सव के चारों दिन रामलीला मंचन और भंडारे का आयोजन होगा। डॉ. पुष्पेंद्र वर्मा ने कहा कि ऐसे आयोजन सनातन संस्कृति और भगवान श्रीराम के आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कमेटी को 15 हजार रुपये का आर्थिक सहयोग दिया और लोगों से सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में योगदान देने की अपील की।

खिलाड़ियों की लंबित प्रोत्साहन राशि जारी करे प्रदेश सरकार 2018 के बाद से पदक विजेता इंतजार में : अनुराग ठाकुर



भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय खेल मंत्री व हमीरपुर के सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने रविवार को हमीरपुर के बचत भवन में आयोजित 'खेलेगा हिमाचल, खिलेगा हिमाचल' कार्यक्रम में 385 खिलाड़ियों को खेल किटें वितरित कीं। नेहरू युवा केंद्र के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को खेलों से जोड़ने, ग्रामीण क्षेत्रों में खेल सुविधाओं का विस्तार करने और नशे से दूर रहकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया। खिलाड़ियों को बैडमिंटन, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल सहित विभिन्न खेलों की किटें प्रदान की गईं। कार्यक्रम में विधायक आशीष शर्मा, विधायक इंद्र दत्त लखनपाल, जिला भाजपा अध्यक्ष राकेश ठाकुर, पूर्व विधायक बलदेव शर्मा, उर्मिल ठाकुर और डॉ. अनिल धीमान सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। खिलाड़ियों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने अनुराग ठाकुर का स्वागत किया।

खिलाड़ियों की लंबित प्रोत्साहन राशि जल्द जारी करे सरकार

अनुराग ठाकुर ने प्रदेश सरकार से पदक विजेता खिलाड़ियों की लंबित प्रोत्साहन राशि तत्काल जारी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि प्रदेश के खिलाड़ियों को वर्ष 2018 के बाद से प्रोत्साहन राशि नहीं मिल पाना दुर्भाग्यपूर्ण है। जिन खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत, प्रतिभा और समर्पण से प्रदेश तथा देश का नाम रोशन किया है, उनकी उपलब्धियों का सम्मान करना सरकार की जिम्मेदारी है। खिलाड़ियों को उनके अधिकारों के लिए लंबे समय तक इंतजार नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि खेलों को राजनीति से दूर रखकर खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं, उचित प्रशिक्षण और प्रोत्साहन उपलब्ध करवाना आवश्यक है। प्रदेश में खेल अधोसंरचना की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि पर्याप्त संसाधनों के बावजूद कई स्थानों पर इंडोर स्टेडियम, सिंथेटिक ट्रैक और अन्य जरूरी खेल सुविधाओं का अभाव है। सरकार को खेल मैदानों की कमी दूर करने के साथ-साथ विभिन्न खेलों के लिए प्रशिक्षित कोचों की नियुक्ति सुनिश्चित करनी चाहिए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को भी आगे बढ़ने के समान अवसर मिल सकें।

खीमी राम चौहान दूसरी बार बने कामगार महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। भवन निर्माण, वन एवं लकड़ी कामगार महासंघ (इंटक-आईएनबीसीडब्ल्यूएफ) की हिमाचल प्रदेश कार्यकारिणी का गठन किया गया है। खीमी राम चौहान को लगातार दूसरी बार प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष रामचंद्र खुंटिया और इंटक प्रदेश अध्यक्ष बावा हरदीप का आभार जताया। नई कार्यकारिणी में नरेश कुमार ठाकुर, जसविंदर चौहान और रमेश ठाकुर को उपाध्यक्ष, दूनी चंद प्रशर को महासचिव तथा कर्म चंद, सुकृति कश्यप और खूब राम आजाद को सचिव नियुक्त किया गया है। हुकुम सिंह ठाकुर को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। खीमी राम चौहान ने कहा कि महासंघ जल्द ही जिला और ब्लॉक स्तर पर भी कार्यकारिणियों का गठन करेगा। संगठन का उद्देश्य अधिक से अधिक कामगारों को जोड़ना, उनके अधिकारों की रक्षा करना और उनकी समस्याओं को प्रदेश सरकार के समक्ष उठाकर समाधान करवाना है।

बंजर भूमि पर लहलहाया मौसंबी का बगीचा, लुधियाना तक पहुंचने लगा फल

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश के निचले क्षेत्रों में फल उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई एचपीशिवा परियोजना किसानों और बागवानों के लिए वरदान साबित हो रही है। इस परियोजना के तहत वर्षों से बंजर पड़ी जमीन पर अब मौसंबी, अमरूद सहित अन्य फलों के बगीचे लहलहा रहे हैं। हमीरपुर जिले के धनेटा क्षेत्र के गांव कुसियार में भी करीब आठ हेक्टेयर बंजर भूमि पर मौसंबी का बगीचा तैयार किया गया है। यहां उत्पादित मौसंबी अब स्थानीय बाजारों के साथ पंजाब के लुधियाना और जालंधर तक पहुंच रही है।



कुसियार के प्रगतिशील बागवान मोहिंद्र कुमार ने बताया कि गांव में कई वर्षों से जमीन खाली पड़ी थी और उस पर झाड़ियां उगी हुई थीं। एचपीशिवा परियोजना के तहत बागवानी विभाग ने जमीन से झाड़ियां हटाने, उसे समतल करने, गड्ढे बनाने और पौधारोपण में सहायता की। इसके बाद करीब आठ हेक्टेयर क्षेत्र में मौसंबी के साढ़े सात हजार पौधे लगाए गए। मोहिंद्र कुमार ने बताया कि उनके बगीचे के करीब 1100 पौधों में इस बार अच्छी फसल आई है। पिछले सीजन में उन्होंने लगभग 30 क्विंटल मौसंबी बेचकर एक लाख रुपये की आय अर्जित की थी। इस सीजन में अब तक करीब 60 क्विंटल फल तोड़ चुके हैं और कुल पैदावार लगभग 70 क्विंटल रहने की उम्मीद है। इससे उन्हें दो लाख रुपये से अधिक की आय होने की संभावना है। बगीचे के पूरी तरह विकसित होने पर आमदनी और बढ़ने की उम्मीद है। गांव के अन्य बागवान शक्ति चंद शर्मा ने भी पिछले वर्ष मौसंबी के 150 पौधे लगाए हैं। दोनों बागवानों का कहना है कि यह परियोजना ग्रामीण युवाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध करा सकती है। बागवानी विभाग के उपनिदेशक राजेश्वर परमार ने बताया कि बागवानों को पौधों की देखभाल और अन्य सुविधाओं के लिए नियमित मार्गदर्शन दिया जा रहा है। जल शक्ति विभाग की सिंचाई योजना तैयार होने के बाद बगीचे में ड्रिप सिंचाई सुविधा भी शुरू कर दी गई है।

बिलासपुर कॉलेज में विश्व खाद्य दिवस पर सजी हिमाचली व्यंजनों की प्रदर्शनी

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर के वनस्पति विज्ञान विभाग ने विश्व खाद्य दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने पारंपरिक हिमाचली व्यंजनों की प्रदर्शनी लगाई। वर्ष 2026 की थीम 'आज नवाचार करें, कल का पोषण करें' के तहत विद्यार्थियों को संतुलित आहार, पोषक तत्वों और उनके महत्व की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में बबरू, भल्ले, पटांडे, कद्दू का खट्टा, हलवा, झोल और चिलडू जैसे पारंपरिक व्यंजन आकर्षण का केंद्र रहे। प्रदर्शनी में कृतिका, सुनाक्षी, श्रेष्ठा, तान्या, सृष्टि, मन्नत, कनिका, आंचल, चित्तरेखा और पूर्णिमा ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवा पीढ़ी को स्थानीय खान-पान की परंपराओं से जोड़ना और पोषण के प्रति जागरूक करना रहा। इस दौरान खाद्य सुरक्षा और अन्न की बर्बादी रोकने की सामूहिक जिम्मेदारी पर भी जोर दिया गया।

जोलसप्पड़ पंचायत में धौलपुरी स्टोन से आकार ले रहा भव्य मंदिर

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हमीरपुर जिले की जोलसप्पड़ पंचायत के कोहला पलासड़ी गांव में इन दिनों एक भव्य मंदिर का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है।



ऑनरेरी सूबेदार मेजर जोगिंद्र सिंह द्वारा बनवाए जा रहे इस मंदिर की खासियत राजस्थान के प्रसिद्ध धौलपुरी स्टोन से किया जा रहा निर्माण और उस पर की गई बारीक नक्काशी है। मंदिर निर्माण का जिम्मा राजस्थान से आए कुशल कारीगर मोहन लाल, भंवर लाल और प्रजापति संभाल रहे हैं। गुलाबी बलुआ पत्थर से तैयार हो रहे इस देवालय की दीवारों पर पारंपरिक राजस्थानी नक्काशी उकेरी जा रही है, जो इसकी सुंदरता को विशेष रूप दे रही है। कारीगरों के अनुसार, यह पत्थर मुख्य रूप से राजस्थान के भरतपुर जिले के बंशी पहाड़पुर क्षेत्र से निकाला जाता है। इसकी विशेषता यह है कि इस पर बारीक नक्काशी आसानी से की जा सकती है और यह विभिन्न मौसमों का सामना करने में सक्षम है। समय के साथ इसका प्राकृतिक गुलाबी रंग मंदिर की सुंदरता को और बढ़ाता है। कारीगरों ने बताया कि मंदिर के ढांचे को तैयार करने में करीब डेढ़ महीने का समय लगता है, जबकि मौके पर इसकी स्थापना में 15 से 20 दिन लगते हैं। मंदिर निर्माण पर लगभग 12 से 15 लाख रुपए खर्च होने का अनुमान है। ये कारीगर मंदिरों के अलावा कलात्मक मूर्तियां, फव्वारे और विभिन्न प्रकार की प्रतिमाएं बनाने में भी दक्ष हैं। मंदिर निर्माण से क्षेत्र में धार्मिक उत्साह के साथ कलात्मक स्थापत्य को लेकर भी आकर्षण बढ़ रहा है।

◆राजस्थानी नक्काशी बनी आकर्षण, 12 से 15 लाख रुपए की लागत से तैयार हो रहा देवालय

मदद सुंदरनगर में 553 श्रमिकों को 2.16 करोड़ की आर्थिक सहायता, हिमा देवी को शादी के लिए मिले 51 हजार

सुक्खू सरकार की योजनाओं से श्रमिक परिवारों को आर्थिक संबल

भारतेन्दु संवाददाता, सुंदरनगर। प्रदेश सरकार की श्रमिकों और उनके परिवार के कल्याण के लिए संचालित योजनाएं जरूरत के समय आर्थिक संबल प्रदान कर रही हैं। हिमाचल प्रदेश भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड के उपमंडल सुंदरनगर कार्यालय के माध्यम से पंजीकृत श्रमिकों तथा उनके परिवारों को शिक्षा, विवाह, चिकित्सा, मातृत्व-पितृत्व सहित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई जा रही है। सुंदरनगर उपमंडल के गांव कांगर की हिमा देवी भी ऐसी ही योजना से लाभान्वित हुई हैं। मनरेगा में दिहाड़ी लगाकर परिवार का पालन-पोषण करने वाली हिमा देवी के लिए बेटे की शादी पर मिली आर्थिक सहायता काफी उपयोगी साबित हुई।

हिमा देवी ने बताया कि उनके दो बेटे हैं। बड़े बेटे की शादी पहले ही हो चुकी है, जबकि छोटे बेटे के विवाह के लिए उन्हें 15 अगस्त को 51 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त हुई। विवाह जैसे महत्वपूर्ण अवसर पर मिली इस सहायता से उनके परिवार को काफी राहत मिली।

हिमा देवी ने प्रदेश सरकार एवं मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि श्रमिक परिवारों के हित में संचालित कल्याणकारी योजनाएं जरूरत के समय बड़ी राहत प्रदान करती हैं। आर्थिक रूप से सीमित संसाधनों वाले परिवारों के लिए विवाह जैसे महत्वपूर्ण अवसरों पर इस प्रकार की सहायता काफी उपयोगी साबित होती है।

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2022 से 31 अगस्त, 2026 तक सुंदरनगर उपमंडल में कुल 2,880 श्रमिक पंजीकृत किए जा चुके हैं। इस अवधि में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान करते हुए 553 श्रमिकों को करीब 2.16 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है।

इसमें वर्ष 2023-24 में विभिन्न योजनाओं के तहत 17.34 लाख रुपये, वर्ष 2024-25 में 88.99 लाख रुपये तथा वित्त वर्ष 2025-26 में 49.29 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। वहीं, एक अप्रैल से 31 अगस्त, 2026 तक 60.66 लाख रुपये की सहायता श्रमिकों को दी गई है।

5 माह में विवाह सहायता के रूप में 51 लाख रुपए

वित्त वर्ष 2026-27 के शुरुआती पांच महीनों में विवाह सहायता योजना के तहत 100 लाभार्थियों को 51 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त मातृत्व-पितृत्व सहायता के तहत 21 लाभार्थियों को 7.03 लाख रुपये, मृत्यु सहायता के तहत एक लाभार्थी को 2.20 लाख रुपये, हॉस्टल सहायता के तहत दो लाभार्थियों को 40 हजार रुपये तथा चिकित्सा सहायता के तहत एक लाभार्थी को 3,379 रुपये प्रदान किए गए हैं।



◆दिहाड़ी मजदूर परिवारों के लिए सहारा बनी सरकारी मदद, हिमा देवी ने जताया आभार

ई-श्रम पोर्टल पर करें पंजीकरण

जिला श्रम कल्याण अधिकारी अनिल ठाकुर ने बताया कि असंगठित क्षेत्र के श्र

साक्षी धोनी का खूबसूरत अंदाज

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी की पत्नी साक्षी धोनी किसी सेलिब्रिटी से कम नहीं हैं। वह सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी तस्वीरें फैंस में शेयर करती रहती हैं। इंस्टाग्राम पर साक्षी के 4.8 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं, जो उन पर खूब प्यार लटाती हैं।



पैरा एशियन गेम्स का शानदार आगाज

पैरा एथलीट प्रमोद भगत और सिमरन ने की भारत की अगुवाई

एजेंसी, नागोया

एशियन गेम्स 2026 के शानदार समापन के बाद अब बारी है पैरा एशियन गेम्स की। रविवार से पांचवें पैरा एशियाई खेलों की शुरुआत हो गई। उद्घाटन समारोह में भारत की अगुवाई पैरा अथलीट प्रमोद भगत और सिमरन सिंह ने की। दोनों भारतीय दल के ध्वजवाहक हैं।

जापान के आइची-नागोया में आयोजित होने वाले इन खेलों के लिए खेल मंत्रालय ने 168 एथलीटों सहित कुल 281 सदस्यों के भारतीय दल को मंजूरी दी है, जिसमें 98 टीम अधिकारी व सपोर्टिंग स्टाफ और 15 कॉन्टिजेंट स्टाफ शामिल हैं। पिछले साल चीन के हांगझू में हुए संस्करण की तुलना में इस बार दल का आकार काफी छोटा है, जहां भारत ने 303 एथलीट उतारे थे। इस बार पैरा एशियन गेम्स 18 से 24 अक्तूबर तक चलेगा।

भारत ने 281 सदस्यीय दल को दी है मंजूरी

भारतीय दल में गिरावट की मुख्य वजह ब्लाइंड चेस, पैरा-रोइंग और पैरा-कैनोइंग जैसी स्पर्धाओं का इस बार शामिल न होना है, जिनमें भारत ने पहले हिस्सा लिया था। इसके अलावा, आयोजन समिति की ओर से कई खेलों में कड़े कोटा नियम भी लागू किए गए हैं। उदाहरण के लिए, पैरा एथलेटिक्स में पिछली बार भारत ने 123 एथलीटों का सबसे बड़ा दल भेजा था, जिसे कोटा प्रतिबंधों के कारण इस बार घटाकर 62 कर दिया गया है। कुल 168 एथलीटों में 112 पुरुष और 56 महिलाएं हैं जो 11 अलग-अलग स्पर्धाओं में अपनी चुनौती पेश करेंगे।



भाविना की जगह सिमरन को क्यों चुना ध्वजवाहक

सिमरन सिंह से पहले यह जिम्मेदारी भाविना पटेल को निभानी थी, लेकिन भाविना के 19 अक्तूबर को होने वाले क्वार्टर फाइनल मैच से पहले उनके आराम और रिकवरी को प्राथमिकता देने के लिए यह बदलाव किया गया है। पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया (पीसीआई) के अनुसार, यह निर्णय सुनिश्चित करता है कि भाविना को अपने महत्वपूर्ण मुकाबले के लिए पर्याप्त समय और मानसिक-शारीरिक तैयारी मिल सके, क्योंकि आयोजन स्थल तक आने-जाने में लगभग छह घंटे का समय लगता है जो काफी थकाने वाला होता।

इस बार भारत के इन खिलाड़ियों पर होगी नजर

दो बार के पैरालंपिक चैंपियन सुमित अंतिल पुरुषों की भाला फेंक एफ64 स्पर्धा में अपना खिताब बचाने उतरेंगे। उनके अलावा पैरा-स्पोर्ट्स के अन्य दिग्गज जैसे धरमबीर नैन, प्रवीण कुमार और नवदीप सिंह भी पैरा एथलेटिक्स स्क्वाड का हिस्सा हैं। प्रीति पाल, दीप्ती जीवनजी, निशद कुमार, सचिन सरजेराव खिलारी और होकाटो होताझे सेमा जैसे पैरालंपिक पदक विजेता भी प्रबल दावेदार के रूप में नजर आएंगे। शूटिंग दल की अगुवाई दो बार की पैरालंपिक चैंपियन और एशियाई पैरा गेम्स की डिफेंडिंग चैंपियन अवनि लेखरा करेंगी, जो महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में उतरेंगी। पैरा तीरंदाजी में 19 वर्षीय शीतल देवी महिलाओं का कंपाउंड खिताब बचाने के लिए वापसी कर रही हैं। उन्होंने 2023 के संस्करण में मिक्स्ड टीम सहित दो पदक और डब्लस इवेंट में रजत पदक जीता था। पैरालंपिक चैंपियन नितेश कुमार और प्रमोद भगत एक मजबूत पैरा-बैडमिंटन ग्रुप की कमान संभालेंगे, जिसमें सुहास यतिराज, तुलसीमथिया मुरुगेसन और नित्या स्रे सुमाथी सिवन जैसे धुरंधर भी शामिल हैं।

विश्व मास्टर्स पावरलिफ्टिंग स्पर्धा में एकता बिश्नोई ने जीते तीन स्वर्ण पदक

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत की एकता बिश्नोई ने अमेरिका में आयोजित विश्व मास्टर्स क्लासिक पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में तीन स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। यहां जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, यह पहला मौका है जब इस चैंपियनशिप के 'मास्टर्स-2' वर्ग में किसी भारतीय महिला पावरलिफ्टर ने स्वर्ण पदक जीता है। भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) की अधिकारी एकता के लिए सरकारी जिम्मेदारियों के साथ खेल में सक्रिय रहना आसान नहीं रहा। इसके बावजूद उन्होंने अपनी मेहनत और दृढ़ संकल्प से अंतरराष्ट्रीय मंच पर यह उपलब्धि हासिल की। एकता के कोच सुनील कुमार ने बताया कि उन्होंने एकता को वैज्ञानिक और परिणाम-केंद्रित प्रशिक्षण दिया था। प्रतियोगिता के लिए सुनील कुमार को अमेरिका का वीजा नहीं मिल सका। इसके बावजूद एकता ने वीडियो कॉल और टीम अधिकारी बिनु इब्राहिम के माध्यम से उनके मार्गदर्शन में अपनी रणनीति पर अच्छी तरह से अमल किया और ऐतिहासिक सफलता हासिल की। एकता ने कुल 362.5 किलोग्राम वजन उठाकर जापान और कनाडा की खिलाड़ियों को पीछे छोड़ा और स्वर्ण पदक अपने नाम किया।



स्पोर्ट्स विंडो

स्प्रिंगर वेस्टइंडीज टेस्ट टीम में शामिल

एजेंसी, ढाका। वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए शमार स्प्रिंगर को टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने कीमो पॉल की जगह ली है। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने रविवार को बताया कि पॉल निजी और पारिवारिक कारणों से स्वदेश लौटेंगे। स्प्रिंगर ने अभी तक टेस्ट डेब्यू नहीं किया है। वेस्टइंडीज का बांग्लादेश दौरा 22 अक्टूबर से ढाका में 3 दिन के प्रैक्टिस मैच से शुरू होगा। पहला टेस्ट 28 अक्टूबर से 1 नवंबर तक मीरपुर में खेला जाएगा। रोस्टन चेज कप्तान और जोमेल वॉरिकन उप-कप्तान हैं। 28 साल के शमार स्प्रिंगर वेस्टइंडीज के लिए तीन वनडे और 12 टी20 इंटरनेशनल खेल चुके हैं। वह अब तक टेस्ट टीम में जगह बनाने के बावजूद टेस्ट मैच नहीं खेल सके हैं। स्प्रिंगर ने 23 फर्स्ट-क्लास मैचों में 1,043 रन बनाए हैं। उनका बल्लेबाजी औसत 32.59 है। उन्होंने 27.87 की औसत से 58 विकेट भी लिए हैं। उन्होंने 2026 वेस्टइंडीज चैंपियनशिप में बारबाडोस के लिए अच्छी बल्लेबाजी की। 4 मैचों में उन्होंने 50.20 की औसत से 251 रन बनाए। हालांकि, गेंदबाजी में उनका प्रदर्शन सामान्य रहा। वे आठ पारियों में उन्होंने 42.00 की औसत से 7 विकेट ही ले सके हैं।

गावस्कर बोले- हार्दिक पंड्या की जगह कोई भी नहीं ले सकता

एजेंसी, नई दिल्ली। पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि भारत को हार्दिक पंड्या का विकल्प तलाशना बंद करना चाहिए। पंड्या की जगह कोई नहीं ले सकता। 77 साल के गावस्कर ने शनिवार रात को कहा कि इंडियन टीम को अलग-अलग रोल प्ले करने वाले प्लेयर्स पर ध्यान देना चाहिए। उसे अपनी गेंदबाजी मजबूत रखने के लिए कम से कम 4 स्पेशलिस्ट बॉलर्स खिलाने चाहिए। गावस्कर ने जियोस्टार पर कहा कि 5वें और छठे गेंदबाजी विकल्प के तौर पर ऐसे ऑलराउंडर होने चाहिए, जो बल्लेबाजी भी कर सकें। गावस्कर ने कहा, 'हम कभी-कभी हार्दिक पंड्या का रिप्लेसमेंट तलाशने में जरूरत से ज्यादा जुट जाते हैं। हार्दिक पंड्या की जगह कोई नहीं ले सकता।' उन्होंने कहा, 'अगर आपको उनकी क्षमता वाला खिलाड़ी नहीं मिलता, तो ऐसे खिलाड़ी को चुनिए, जो थोड़ा अलग काम कर सके।' पंड्या इंजरी के कारण टीम इंडिया से बाहर हैं। उन्होंने इसी साल मार्च में टी-20 वर्ल्ड कप में आखिरी बार भारत के लिए खेला था।

श्रेयस बोले-वैभव सूर्यवंशी को मौका जरूर मिलेगा, इंतजार करना होगा



एजेंसी, बेंगलुरु। भारत के टी-20 कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा है कि वैभव सूर्यवंशी को मौका जरूर मिलेगा। उन्हें इसका इंतजार करना होगा। बेंगलुरु में शनिवार को 5वें टी-20 मैच के बाद श्रेयस से वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग-11 में शामिल नहीं करने पर सवाल किया गया था। इस पर अय्यर ने कहा- 'मैं उससे यही कहता हूं कि तुम्हें मौका मिलेगा। कभी-कभी इंतजार करना पड़ता है। हमारे पास 2 शानदार ओपनर हैं। वैभव के साथ हमारी बातचीत इसी बारे में होती रही है।' वैभव इस सीरीज में खेलने का मौका नहीं मिला। भारत के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि दूसरे और चौथे मैच में बेहतर गेंदबाजी करते, तो सीरीज का नतीजा अलग हो सकता था। उन्होंने वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों और खासकर शाई होप को पूरी सीरीज में अच्छा खेलने का श्रेय दिया। अय्यर ने कहा, 'जहां श्रेय देना चाहिए, वहां देना चाहिए। उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की। शाई होप ने पूरी सीरीज में जिस तरह बल्लेबाजी की, वह शानदार था।

स्पेन के यूजीनियो चाकारा डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप जीतने के करीब

एजेंसी, नई दिल्ली। स्पेन के यूजीनियो चाकारा ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दिल्ली गोल्फ क्लब में खेली जा रही 40 लाख अमेरिकी डॉलर के डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप के तीसरे दौर में नौ अंडर 63 का बेहतरीन स्कोर बनाकर इस सत्र में तीसरा खिताब जीतने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। चाकारा ने खराब मौसम से प्रभावित इस टूर्नामेंट में अब पांच शॉट की बढ़त हासिल कर ली है। उन्होंने रविवार को तीसरे दौर के बचे हुए सात होल में अच्छा प्रदर्शन किया तथा तीन और बर्डी और एक ईगल लगाकर नौ अंडर-63 का स्कोर बनाया। उनका कुल स्कोर अब 19 अंडर-197 हो गया है। न्यूजीलैंड के डेनियल हिलियर लगातार दूसरे दौर में 64 का स्कोर बनाकर 14-अंडर के साथ दूसरे स्थान पर हैं। नीदरलैंड के जोस्ट लुइटेन (67) कुल 13-अंडर के साथ तीसरे स्थान पर, जबकि चाकारा के हमवतन एंजेल हिडाल्गो (68) कुल 12-अंडर के साथ चौथे स्थान पर हैं। भारतीय खिलाड़ियों में ओम प्रकाश चौहान (68-72-71) संयुक्त 31वें, अनिर्बान लाहिड़ी (70-73-69) संयुक्त 41वें, युवराज संधू (75-68-72) संयुक्त 54वें, करणदीप कोचर (72-72-72) संयुक्त 63वें तथा सप्तक तलवार (71-73-72) और शिव कपूर (72-72-73) संयुक्त 68वें स्थान पर हैं।

जिम्बाब्वे ने बांग्लादेश को 99 रन से हराया

एर्विन-टेलर में 150 रन की साझेदारी, ब्रैड इवांस को 4 विकेट

एजेंसी, अबू धाबी

जिम्बाब्वे ने यूएई में चल रही वनडे ट्राई सीरीज के पहले मुकाबले में बांग्लादेश को 99 रन से हरा दिया। 93 रन बनाने वाले क्रेग एर्विन प्लेयर ऑफ द मैच रहे। अबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम में जिम्बाब्वे ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 8 विकेट पर 271 रन बनाए। ब्रेंडन टेलर ने भी 81 रन बनाए। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 150 रन की साझेदारी कर जिम्बाब्वे की पारी संभाली। जवाब में बांग्लादेश 33.4 ओवर में 172 रन पर ऑलआउट हो गई। ब्रैड इवांस ने 45 रन देकर 4 विकेट लिए। साल 2022 से लेकर अब तक वनडे में जिम्बाब्वे का बांग्लादेश के खिलाफ रिकॉर्ड बहुत शानदार रहा है। दोनों के बीच 7 वनडे मैच खेले गए हैं, जिनमें पांच बार जिम्बाब्वे ने बांग्लादेश को पटखनी दी है। जिम्बाब्वे ने टॉस के बाद पहले बल्लेबाजी चुनी। तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद ने शुरुआती स्पेल में तीन विकेट लेकर जिम्बाब्वे को दबाव में डाल दिया। इसके बाद जिम्बाब्वे का स्कोर 24 रन पर 3 विकेट हो गया। यहां से टेलर-एर्विन ने पारी संभाली। एर्विन शतक से 7 रन दूर रह गए।



टेलर-एर्विन ने संभाली जिम्बाब्वे की पारी

जिम्बाब्वे ने टॉस के बाद पहले बल्लेबाजी चुनी। तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद ने शुरुआती स्पेल में तीन विकेट लेकर जिम्बाब्वे को दबाव में डाल दिया। इसके बाद जिम्बाब्वे का स्कोर 24 रन पर 3 विकेट हो गया। यहां से टेलर-एर्विन ने पारी संभाली। एर्विन शतक से 7 रन दूर रह गए।

तंजीद के आउट होते ही बिखरा बांग्लादेश

लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश ने तेज शुरुआत की। तंजीद हसन तमीम ने 38 गेंदों पर 46 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 9 चौके और 1 छक्का लगाया। हालांकि, सौम्य सरकार 9 रन बनाकर ब्लेसिंग मुजाराबानी का शिकार हो गए। इसके बाद न्यूमैन न्यामहुरी ने 10वें ओवर में तंजीद को आउट कर दिया। इसके बाद बांग्लादेश की पारी लड़खड़ा गई।

मेजर लीग सॉकर : इंटर मियामी ने अटलांटा यूनाइटेड को 3-1 से हराया

मेसी ने चार मिनट में दागे दो गोल

एजेंसी, अटलांटा

अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए चार मिनट के भीतर दो गोल दागे, जिससे इंटर मियामी ने मेजर लीग सॉकर के 2026 सत्र में शनिवार को अटलांटा यूनाइटेड को 3-1 से हरा दिया। यह मुकाबला पूर्वी सम्मेलन के तहत खेला गया। इस जीत के साथ इंटर मियामी पूर्वी सम्मेलन की अंक तालिका में दूसरे स्थान पर बना हुआ है। टीम शीर्ष पर काबिज नैशविले से 11 अंक पीछे है। मियामी की नियमित सत्र में यह 15वीं जीत रही।



मियामी की आक्रामक तिकड़ी मेसी, लुइस सुआरेज और जर्मन बेरतेरामे ने जीत में अहम भूमिका निभाई। बेरतेरामे ने हाफ टाइम से ठीक पहले गोल करके मियामी को बढ़त दिलाई। इसके बाद दूसरे हाफ में मेसी ने चार मिनट के भीतर दो गोल दागकर टीम की बढ़त मजबूत कर दी। सुआरेज ने मुकाबले में दो गोल करने में मदद की।

अटलांटा यूनाइटेड की ओर से स्थानापन्न खिलाड़ी फैब्रिस पिकॉल्ट ने मुकाबले के अंतिम क्षणों में पेनल्टी पर गोल किया। इससे मियामी का लगातार दो मुकाबलों में गोल नहीं खाने का सिलसिला टूट गया। टीम ने इससे पहले लगातार दो मैचों में विरोधी टीम को गोल करने से रोका था। हालांकि, मियामी ने अंतत: 3-1 से जीत दर्ज कर तीन अंक अपने नाम किए।

वेदांता ने दक्षिण अफ्रीका में जिंक उत्पादन दोगुना किया

वेदांता का लक्ष्य सालाना 30 लाख टन जिंक उत्पादन

एजेंसी, नई दिल्ली

अरबपति कारोबारी अनिल अग्रवाल की कंपनी वेदांता लिमिटेड ने दक्षिण अफ्रीका में अपनी जिंक उत्पादन क्षमता बढ़ाकर सालाना पांच लाख टन कर दी है। कंपनी ने रविवार को बताया कि उसने गैम्सबर्ग परियोजना के दूसरे चरण में लगभग 600 मिलियन डॉलर का निवेश किया है। इस विस्तार के साथ दक्षिण अफ्रीका में कंपनी की सालाना जिंक उत्पादन क्षमता दोगुनी हो गई है।

गैम्सबर्ग खदान के विस्तार से जिंक उत्पादन को गति

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा और वेदांता की निदेशक प्रिया अग्रवाल-हेब्बर ने नॉर्दर्न केप प्रांत के गैम्सबर्ग में बढ़ी हुई उत्पादन क्षमता का उद्घाटन किया। कंपनी ने इस विस्तार को दक्षिण अफ्रीका में इस दशक के सबसे बड़े खनन निवेशों में से एक बताया है। गैम्सबर्ग खदान वेदांता जिंक इंटरनेशनल की प्रमुख जिंक खदान है और दक्षिण अफ्रीका के नॉर्दर्न केप प्रांत में स्थित है।

हिंदुस्तान जिंक और वेदांता मिलकर बढ़ाएंगे उत्पादन

वेदांता का लक्ष्य भारत और दक्षिण अफ्रीका में अपनी कुल सालाना जिंक उत्पादन क्षमता तीन मिलियन टन तक पहुंचाना है। इस योजना के तहत कंपनी की सहायक इकाई हिंदुस्तान जिंक के माध्यम से सालाना दो मिलियन टन जिंक उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। हिंदुस्तान जिंक को दुनिया की सबसे बड़ी एकीकृत जिंक उत्पादक कंपनी बताया गया है। वहीं, वेदांता जिंक इंटरनेशनल का लक्ष्य कुल उत्पादन में सालाना एक मिलियन टन का योगदान देना है। गैम्सबर्ग परियोजना का विस्तार वेदांता की इसी व्यापक योजना का हिस्सा है।



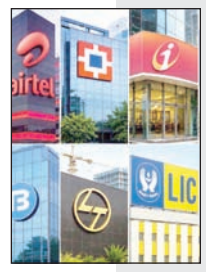
बाजार की दिशा तय करेंगे वैश्विक संकेत और कंपनियों के नतीजे

एजेंसी, मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में पिछले सप्ताह रही जोरदार तेजी के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों की नजर वैश्विक घटनाक्रमों, कच्चे तेल की कीमतों और कंपनियों के तिमाही वित्तीय परिणामों पर रहेगी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव से बाजार की दिशा प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा नौ प्रमुख उद्योग क्षेत्रों के सितंबर के आंकड़े भी जारी होंगे। दशहरे के अवसर पर मंगलवार, 20 अक्टूबर को बाजार बंद रहेगा। पिछले सप्ताह सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों के शेयरों में जोरदार खरीदारी से बाजार को समर्थन मिला। बीएसई का सेंसेक्स 2,256.94 अंक यानी 3.11 प्रतिशत बढ़कर 74,729.27 अंक पर पहुंच गया। वहीं, एनएसई का निफ्टी 625.70 अंक यानी 2.78 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,146.15 अंक पर बंद हुआ। दोनों सूचकांक 23 सितंबर के बाद के उच्चतम स्तर पर रहे। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 24 के शेयरों में तेजी दर्ज की गई। टेक महिंद्रा का शेयर 17.86 प्रतिशत उछला, जबकि टीसीएस में 13.87 प्रतिशत, एचसीएल टेक्नोलॉजीज में 13.48 प्रतिशत और इंफोसिस में 13.43 प्रतिशत की बढ़त रही।

नौ कंपनियों के बाजार मूल्य में 3.65 लाख करोड़ की बढ़ोतरी

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई जोरदार खरीदारी से देश की शीर्ष दस सबसे मूल्यवान कंपनियों में शामिल नौ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में कुल 3,65,081.99 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को सबसे अधिक फायदा हुआ, जबकि भारती एयरटेल दूसरे और इंफोसिस तीसरे स्थान पर रही। दूसरी ओर, लार्सन एंड टूब्रो (एलएंडटी) के बाजार पूंजीकरण में गिरावट आई। सप्ताह के कारोबार के बाद टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 1,08,542.63 करोड़ रुपये बढ़कर 8,91,134.96 करोड़ रुपये हो गया।



एयरटेल के बाजार मूल्य में 61 हजार करोड़ का उछाल

भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 61,406.53 करोड़ रुपये की वृद्धि के साथ 11,88,815.45 करोड़ रुपये और इंफोसिस का 55,893.05 करोड़ रुपये बढ़कर 4,71,409.41 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज के बाजार पूंजीकरण में 53,047.56 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई और यह 16,37,437.19 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 32,379.05 करोड़ रुपये बढ़कर 11,22,628.07 करोड़ रुपये तथा आईसीआईसीआई बैंक का 30,769.95 करोड़ रुपये बढ़कर 10,02,871.44 करोड़ रुपये हो गया।

गूगल देगा 1.5 करोड़ डॉलर एमएसएमई को मिलेगा सहारा

एजेंसी, नई दिल्ली

गूगल ने भारत में छोटे कारोबारों, किसानों और शिक्षकों की मदद के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित नई पहल शुरू करने की घोषणा की है। इसके तहत ₹श्रश्रद्दद्यद्र.श्रद्द भारत में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए काम करने वाली संस्था द नज को 1.5 करोड़ डॉलर की सहायता देगा। इस राशि से ऐसे एआई उपकरण विकसित किए जाएंगे, जो छोटे कारोबारियों को औपचारिक कर्ज हासिल करने, नए बाजारों तक पहुंचने और जरूरी नियमों का पालन करने में मदद करेंगे।

भारत में नौ करोड़ से अधिक एमएसएमई हैं, जो 34.5 करोड़ से ज्यादा लोगों को रोजगार देते हैं। गूगल की योजना के तहत बहुभाषी और आवाज के जरिए इस्तेमाल किए जा सकने वाले मंच भी विकसित किए जाएंगे, ताकि युवाओं को रोजगार से जुड़ा कौशल सिखाया जा सके। कृषि क्षेत्र में गूगल के एआई मॉडल किसानों को फसल, मिट्टी, कीटों और मौसम से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराने में मदद कर रहे हैं।

एआई से कृषि और शिक्षा को नई दिशा

गुजरात में कृषि प्रगति मंच के माध्यम से पिछले एक साल में छह लाख से अधिक किसानों को 90 करोड़ से ज्यादा एसएमएस सलाह भेजी गई हैं। कंपनी के अनुसार, इससे 1.4 करोड़ हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि से जुड़े फैसलों में सहायता मिल रही है। शिक्षा के क्षेत्र में गूगल ने मई में एआई शिक्षण कार्यक्रम शुरू किया था, जिसके तहत अब तक 80 हजार से अधिक शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। कंपनी बिहार, मध्य प्रदेश, सिक्किम और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के साथ मिलकर इसका विस्तार करेगी। इन पहलों का उद्देश्य एआई तकनीक को छोटे कारोबार, खेती और शिक्षा की व्यावहारिक जरूरतों से जोड़ना है।

नुकसान खंडेलवाल बोले, दिल्ली में प्रदर्शनों से व्यापारियों को 4,000 करोड़ का नुकसान

प्रदर्शनों से दिल्ली के व्यापार पर गहरी चोट

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पिछले दस दिनों से जारी विरोध-प्रदर्शनों के कारण व्यापारिक गतिविधियों पर प्रतिकूल असर पड़ने का अनुमान है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने रविवार को कहा कि इन प्रदर्शनों के चलते दिल्ली के व्यापारियों को लगभग 4,000 करोड़ रुपये के कारोबार का नुकसान होने का अनुमान है। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि यदि बाजारों में व्यवधान लंबे समय तक जारी रहता है तो प्रतिदिन 400 करोड़ रुपये से अधिक का व्यापार प्रभावित हो सकता है।

खंडेलवाल के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में प्रतिदिन औसतन लगभग 2,200 करोड़ रुपये का कारोबार होता है। दिल्ली उत्तर भारत का प्रमुख थोक और वितरण केंद्र है, इसलिए यहां व्यापारिक गतिविधियों में आने वाली बाधा का असर व्यापक स्तर पर पड़ता है। उन्होंने कहा कि सड़कों पर जाम, ग्राहकों की आवाजाही में कमी, माल की ढुलाई में रुकावट और कारोबारी समय प्रभावित होने से व्यापारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। इसका असर केवल प्रदर्शन स्थलों के आसपास के बाजारों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरी आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित होती है।



दिल्ली में प्रदर्शन से व्यापार बाधित, खंडेलवाल ने जताई चिंता

कमाई घटी, खर्च बढ़ा; छोटे दुकानदार बेहाल

खंडेलवाल ने कहा कि विरोध-प्रदर्शनों का सबसे अधिक असर छोटे दुकानदारों और रेहड़ी-पटरी वालों पर पड़ता है। बिक्री कम होने या कारोबार ठप रहने के बावजूद उन्हें दुकान का किराया, कर्मचारियों का वेतन, बिजली का बिल और बैंक की किस्तें चुकानी पड़ती हैं। इससे उनकी आर्थिक परेशानियां बढ़ जाती हैं।

विरोध के कारण रोजी-रोटी प्रभावित न हो

खंडेलवाल ने सभी पक्षों से संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की अपील करते हुए कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार सुरक्षित रहना चाहिए, लेकिन इसके कारण व्यापार और आम जनता की रोजी-रोटी प्रभावित नहीं होनी चाहिए।